राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में
प्रेसनोट, नोटिस, वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-7490923915
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई, उत्तरप्रदेश, बिहार, राजस्थान, मध्यप्रदेश, उत्तरांचल, उत्तराखंड, दिल्ली, हरियाणा में प्रकाशित

सुरत-गुजरात, संस्करण शनिवार 30 नवंबर 2024 वर्ष-7,अंक-304 पृष्ठ-08 मूल्य-01 रूपये

Website : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

पहला कॉलम

4 दिन में 40 मिनट ही चली संसद की कार्यवाही

-विपक्ष ने अडाणी और संभल पर सरकार को घेरा

नई दिल्ली।

18वीं लोकसभा का पहला पहला संसद शीतकालीन सत्र काफी हंगामादार है। चार दिनों में महज 40 मिनट तक ही सत्र चल सका है। अडाणी रिश्वत कांड और संभल मस्जिद सर्वे हिंसा को लेकर विपक्ष के लगातार हंगामा के बाद सदन को 2 दिसंबर तक स्थगित कर दिया गया है। लोकसभा और राज्यसभा में विपक्ष लगातार अडाणी और संभल मुद्दा को उठा रहा जिसको लेकर हंगामा हो रहा। संसद के शीतकालीन सत्र की शुरुआत 25 नवंबर को हुई थी। 4 दिन में सदन की कार्यवाही सिर्फ 40 मिनट चली। हर दिन औसतन करीब 10 मिनट तक सदन में कामकाज हुआ। लोकसभा और राज्यसभा में विपक्ष ने अडाणी और संभल मुद्दा उठाया। विपक्षी सांसद कार्यवाही के दौरान लगातार हंगामा करते रहे। स्पीकर ने कई बार उन्हें बिठाने की कोशिश की, मगर विपक्ष शांत नहीं हुआ। शुक्रवार को स्पीकर ओम बिरला ने कहा कि सहमति-असहमति लोकतंत्र की ताकत है। मैं आशा करता हूं सभी सदस्य सदन को चलने देंगे। देश की जनता संसद के बारे में चिंता व्यक्त कर रही है। सदन सबका है, देश चाहता है संसद चले। लोकसभा और राज्यसभा की कार्यवाही सोमवार (2 दिसंबर) तक स्थगित कर दी गई।

सरकार बड़ा दिल दिखाए, विपक्ष को सुने

संसद के दोनों सदनों के स्थगित होने पर कांग्रेस सांसद कार्ति चिदंबरम ने कहा कि मुझे उम्मीद है कि सरकार बड़ा दिल दिखाएगी और विपक्ष को महत्वपूर्ण मुद्दे उठाने का मौका देगी। सरकार को ऐसा तरीका खोजना चाहिए, जिससे विपक्ष अपनी बात कह सके और सरकार अपनी बात रख सके।

सरकार चर्चा की तारीख बताए

कांग्रेस सांसद गौरव गोगोई ने कहा कि सरकार को स्पष्ट करना चाहिए कि वह कौन सा मुद्दा उठाना चाहती है और कब। क्या सरकार ने कहा था कि अडाणी, मणिपुर, संभल, चीन और विदेश नीति पर चर्चा होगी? सरकार की तरफ से कुछ नहीं आया। उन्होंने न तो विषय स्पष्ट किया और न ही तारीख। जिस दिन वे विषय और तारीख स्पष्ट कर देंगे, हम सदन चला पाएंगे। लेकिन हम सरकार में एक नया अहंकार देख रहे हैं।

विपक्ष की नारेबाजी खराब मिसाल पेश कर रही

राज्यसभा में विपक्षी सांसदों की लगातार नारेबाजी के बीच सभापति जगदीप धनखड़ ने कहा, इसे जायज नहीं ठहराया जा सकता। हम बहुत खराब मिसाल कायम कर रहे हैं। हमारे काम जनता-केंद्रित नहीं हैं। हम अप्रासंगिकता की ओर बढ़ रहे हैं। इसके बाद राज्यसभा की कार्यवाही 2 दिसंबर को सुबह 11 बजे तक के लिए स्थगित कर दी गई।

सरकार नहीं चाहती कि संसद चले

संसद के शीतकालीन सत्र पर समाजवादी पार्टी के सांसद राम गोपाल यादव ने कहा, सरकार अडाणी, संभल और मणिपुर से जुड़े मुद्दों पर चर्चा से भाग रही है। जब सरकार नहीं चाहती कि संसद चले तो वह कैसे चल सकती है?

दिल्ली के एक स्कूल को मिली बम से उड़ाने की धमकी, बच्चों को जल्दी घर भेजा

नई दिल्ली । दिल्ली के स्कूल को मेल पर फिर बम से उड़ाने की धमकी मिली है। रोहिणी स्थित वेंकेटेश्वर ग्लोबल स्कूल के पास शुक्रवार को एक मेल आया जिसमें स्कूल को उड़ाने की धमकी दी गई है। स्कूल प्रशासन ने धमकी की जानकारी देकर बताया कि हमें धमकी भरा ईमेल मिला है, इसकारण छात्रों को जल्दी घर भेजा जा रहा है। स्कूल प्रशासन ने कहा कि स्थिति नियंत्रण में है। किसी को भी घबराने की कोई जरूरत नहीं है। स्कूल प्रशासन ने हालत को कंट्रोल बच्चों के माता-पिता को सूचना दी। स्कूल ने लिखा कि प्रिय अभिभावकों, स्कूल को एक आपातकालीन ईमेल (धमकी भरा ईमेल) मिला है, इसकारण छात्रों को जल्दी घर भेजा जा रहा है। बस और स्वयं घर जाने वाले छात्रों को 11 बजे स्कूल छोड़ने की अनुमति होगी। जिन्हें इंतजार करने की आवश्यकता है, उन्हें गेट 2 के पास इंतजार करने की अनुमति होगी। सभी से अनुरोध है कि वे उचित व्यवस्था करें। स्थिति नियंत्रण में है। घबराने की कोई जरूरत नहीं है। दिल्ली में स्कूलों को बम से उड़ाने की धमकी बीते कुछ महीनों में कई बार मिली है। हालांकि सभी बाद में फर्जी मली है। वहीं दिल्ली पुलिस ईमेल की जांच करेगी,जिससे पता लग सके कि इसके पीछे कौन है?

बाबा सिद्दीकी हत्याकांड के मुख्य शूटर गौतम का लॉरेंस को लेकर चौंकाने वाला खुलासा

मुंबई । एनसीपी नेता और महाराष्ट्र के पूर्व मंत्री बाबा सिद्दीकी की हत्या मामले में नया मोड़ आ गयास है। एनसीपी नेता की हत्या में शामिल आरोपी ने बड़ा दावा कर दिया है। आरोपी ने दावा किया है कि जब बाबा सिद्दीकी की हत्या की साजिश रची जा रही थी, तब गुजरात की जेल में बंद गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई से बातचीत की थी। मुख्य शूटर शिवकुमार गौतम ने क्राइम ब्रांच के अधिकारियों को इसकी जानकारी दी। मुख्य शूटर गौतम ने अधिकारियों को बताया कि हत्या की योजना बनाने के दौरान लॉरेंस बिश्नोई से बातचीत की थी। लॉरेंस बिश्नोई गुजरात की जेल में बंद है। शूटर ने बताया कि इस दौरान बिश्नोई ने शूटर को हत्या के बाद पुलिस से डरने की जरूरत नहीं की बात कही थी। लॉरेंस ने गौतम से कहा था कि अगर वह पकड़ा जाता है, तब भी वह घबराए नहीं, उस जेल से कुछ ही दिनों में बाहर निकल गया। शूटर गौतम ने बताया कि बिश्नोई ने हत्या के लिए उस 12 लाख रुपये देने का वादा किया था। इसके अलावा, जेल से बाहर आने के बाद विदेश भेजने की व्यवस्था करने का भी आश्वासन दिया था। गौतम के अनुसार बिश्नोई ने बताया कि उसके पास वकीलों की एक टीम है, जो उसकी गिरफ्तारी के बाद कुछ ही दिनों में रिहा करवा देगी।

मणिपुर में 13 दिन बाद खुले स्कूल-कॉलेज

इंफाल। 13 दिनों तक बंद रहने के बाद इम्फाल और जिरीबाम में स्कूल और कॉलेज शुक्रवार को फिर से खुल गए। एजुकेशन डायरेक्टरेट ने गुरुवार को इंफाल ईस्ट, इंफाल वेस्ट, बिष्णुपुर, काकचिंग, थौबल और जिरीबाम जिलों में स्कूल दोबारा खोले जाने का आदेश दिया था। हायर एंड टेक्निकल एजुकेशन डिपार्टमेंट ने भी सभी सरकारी सहायता प्राप्त कॉलेज और स्टेट यूनिवर्सिटीज को शुक्रवार से ही खोलने के आदेश जारी किया था। जिरीबाम में सुरक्षा बलों और कुकी उग्रवादियों के बीच गोलीबारी के बाद 16 नवंबर से ही सभी स्कूल और कॉलेज बंद थे। झड़प में 10 उग्रवादी मारे गए थे। इसके बाद उग्रवादी राहत शिविर से एक मैतेई परिवार के छह लोगों को अगवा कर ले गए थे। कुछ दिनों बाद मणिपुर और असम में जिरी और बराक नदियों में उनके शव मिले थे।

भाजपा प्रदेशाध्यक्ष को जान से मारने की धमकी

जयपुर। भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ को जान से मारने की धमकी मिली है। धमकी देने वाले व्यक्ति ने मदन राठौड़ को शुक्रवार सुबह कॉल किया। फोन उठाते ही सामने वाले व्यक्ति ने मदन राठौड़ को अपशब्द कहना शुरू कर दिए। कॉल करने वाले व्यक्ति ने राठौड़ को कहा- तू बहुत उछल-कूद कर रहा है। तुझे गोली मार दूंगा। राज्यसभा में इसलिए भेजा है क्या? मदन राठौड़ ने फोन करने वाले व्यक्ति के खिलाफ दिल्ली के पार्लियामेंट स्ट्रीट थाने में शिकायत भी दर्ज कराई है। पुलिस अब फोन करने वाले व्यक्ति को ट्रेस कर रही है। घटना के बाद सीएम भजनलाल शर्मा, भाजपा प्रदेश प्रभारी राधामोहन दास अग्रवाल सहित भाजपा के कई नेताओं ने फोन करके मदन राठौड़ से घटना की जानकारी ली।

कांग्रेस वर्किंग कमेटी की बैठक में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा

कांग्रेस में ऊपर से नीचे तक बदलाव की जरूरत

हमें चुनावी रणनीति में भी सुधार करना होगा, माहौल पक्ष में मतलब जीत की गारंटी नहीं

नई दिल्ली।

महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में करारी हार को लेकर शुक्रवार को कांग्रेस वर्किंग कमेटी की दिल्ली में मीटिंग हुई। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि चुनाव परिणामों से निराश नहीं होना चाहिए। पार्टी को मजबूत करने के लिए ऊपर से लेकर नीचे तक बदलाव की जरूरत है। खड़गे ने बैठक में एक बार फिर ईवीएम पर सवाल उठाया। उन्होंने कहा कि ईवीएम ने चुनाव प्रक्रिया को संदिग्ध बना दिया है, चुनाव आयोग को स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव सुनिश्चित करना चाहिए।

खड़गे ने कहा कि महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में कोई भी अंकगणित परिणामों को सही नहीं ठहरा सकता। लोकसभा चुनाव में जिस तरह से महाविकास अघाड़ी ने प्रदर्शन किया, उस हिसाब से विधानसभा के परिणाम देखकर चुनावी पंडित भी भ्रमित हैं। खड़गे ने कहा कि राज्य चुनावों में उम्मीद से कम प्रदर्शन हमारे लिए चुनौती है। पार्टी नेताओं में एकता की कमी, एक-दूसरे के खिलाफ बयानबाजी चुनावों में हमें नुकसान पहुंचा रही है, इस पर सख्त अनुशासन की जरूरत है। पार्टी को मजबूत करने के लिए जमीनी स्तर से लेकर एआईसीसी तक बदलाव लाने होंगे।

माहौल पक्ष में मतलब जीत की गारंटी नहीं

खड़गे ने बैठक में कहा कि चुनाव का माहौल हमारे पक्ष में होने से जीत की गारंटी नहीं मिलती। टाइम बाउंड स्ट्रैटेजी बनाने और पार्टी को मजबूत करने के लिए कड़ी मेहनत करनी होगी। विधानसभा चुनावों के लिए एक साल पहले से तैयारी करनी होगी, मतदाता सूचियों की जांच करनी होगी।

हमें अपनी चुनाव रणनीति में सुधार करना होगा

खड़गे ने कहा कि महाराष्ट्र में कोई भी अंकगणित परिणामों को सही नहीं ठहरा सकता। एमवीए के लोकसभा चुनाव के परिणामों के बाद चुनाव पंडित भ्रमित हैं। हमें अपनी चुनाव रणनीति में सुधार करना होगा। दुष्प्रचार, गलत सूचना का मुकाबला करने के तरीके विकसित करने होंगे।

कांग्रेस के लिए सत्ता में आना महत्वपूर्ण

खड़गे ने कहा कि कांग्रेस के लिए सत्ता में आना महत्वपूर्ण है क्योंकि इससे देश भर में लोगों के एजेंडे को लागू करने में मदद मिलेगी। उन्होंने कहा कि लोकसभा चुनाव के अच्छे नतीजों के बाद विधानसभा चुनाव के नतीजों ने हमें झकझोर दिया, हमें कड़े कदम उठाने होंगे।

मणिपुर से लेकर संभल तक बहुत गंभीर मसले हैं

खड़गे ने कहा कि बातें बहुत सी हैं। मणिपुर से लेकर संभल तक का बहुत गंभीर मसले है। बीजेपी देश का ध्यान अपनी विफलताओं से भटकाने के लिए कई धार्मिक मुद्दों को विभिन्न माध्यमों से हवा देने की कोशिश कर रही है। हमें सत्ता में बैठी विभाजनकारी ताकतों को हर हालत में हराना है। क्योंकि हमने ये शानदार देश बनाया है।

केंद्र से 1.36 लाख करोड़ की वसूली करेगा झारखंड : सीएम हेमंत

रांची।

झारखंड में नए मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने शपथ लेते ही केंद्र सरकार को निशाने पर लिया है। उन्होंने घोषणा करते हुए कहा कि झारखंड सरकार केंद्र सरकार से कोयले की 1.36 लाख करोड़ रुपए की वसूली करेगी। बता दें कि सोरेन ने 2 नवंबर को एक्स पर लिखा था कि प्रधानमंत्री और गृह मंत्री झारखंड आ रहे हैं। मैं उनसे एक बार फिर हाथ जोड़कर विनती करता हूं कि वे प्रदेश के लोगों का 1.36 लाख करोड़ रुपये का बकाया (कोयला बकाया) चुकाएं। यह रकम झारखंड के लिए बहुत महत्वपूर्ण है।सोरेन ने वर्तमान सरकार की मंत्रिमंडल की पहली बैठक के निर्णयों की मीडिया को जानकारी देते हुए कहा कि केंद्र के पास राज्य के लंबित 1.36 लाख करोड़ रुपये वसूलने के लिए कानूनी कार्रवाई शुरू की जाएगी। हालांकि, मुख्यमंत्री ने कहा कि यह निर्णय कैबिनेट बैठक में लिया गया, लेकिन दिन में किसी भी मंत्री ने शपथ नहीं ली। दोबारा निर्वाचित होने के बाद सोरेन की पहली आधिकारिक बैठक मंगलवार को दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के साथ हुई, जहां उन्होंने राज्य के मामलों पर चर्चा की और सोरेन ने प्रधानमंत्री को अपने शपथ ग्रहण समारोह में आमंत्रित किया।

दिल्ली हाई कोर्ट के चीफजस्टिस मनमोहन बनेंगे सुप्रीम कोर्ट के जज

नई दिल्ली ।

सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम ने सर्वसम्मति से दिल्ली हाई कोर्ट के चीफ जस्टिस मनमोहन को सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस के रूप में नियुक्त करने की सिफारिश की है। सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम ने एकमत से यह प्रस्ताव पारित कर केंद्र को भेजा है। न्यायमूर्ति मनमोहन दिल्ली और जम्मू कश्मर के पूर्व राज्यपाल जगमोहन के बेटे हैं। सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम ने गुरुवार को दिल्ली हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस मनमोहन के प्रमोशन की सिफारिश की है। जस्टिस दिल्ली हाईकोर्ट के सबसे सीनियर जज हैं। कॉलेजियम ने इस पर विचार किया कि, मौजूदा समय में सुप्रीम कोर्ट में इस समय जजों के कुल 34 पदों में से 2 पद खाली हैं। सुप्रीम कोर्ट की बेंच का प्रतिनिधित्व दिल्ली उच्च न्यायालय के केवल एक न्यायाधीश द्वारा किया जाता है। यही कारण है कि जस्टिस मनमोहन के नाम की सिफारिश की गई है। जस्टिस मनमोहन ऑल इंडिया सीनयॉरिटी लिस्ट में दूसरे नंबर पर आते हैं। सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम ने यह प्रस्ताव पारित कर केंद्र को भेजा है। सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस संजीव खन्ना की पहली कॉलेजियम बैठक में यह फैसला लिया गया है। सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम ने एकमत से यह प्रस्ताव पारित कर केंद्र को भेजा है। इस कॉलेजियम के अन्य सदस्यों में न्यायमूर्ति बी आर गवई, न्यायमूर्ति सूर्यकांत, न्यायमूर्ति हरिकेश रॉय और न्यायमूर्ति ए एस ओका शामिल हैं। सुप्रीम कोर्ट में इस समय जजों के कुल 34 पदों में से 2 पद खाली हैं। इन्हीं दो पदों में से एक पद के लिए जस्टिस मनमोहन का नाम सुझाया गया है। जस्टिस मनमोहन राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली के रहने वाले हैं और उनका जन्म 17 दिसंबर 1962 को हुआ। उन्होंने अपनी स्कूली शिक्षा बाराखंभा रोड स्थित मॉडर्न स्कूल से की है। उन्होंने दिल्ली यूनिवर्सिटी के हिंदू कॉलेज से इतिहास में बीए (ऑनर्स) से ग्रेजुएशन किया। इसके बाद दिल्ली यूनिवर्सिटी के कैंपस लॉ सेंटर से 1987 में एलएलबी की डिग्री हासिल की और उसी साल दिल्ली बार काउंसिल में अधिवक्ता के लिए रजिस्ट्रेशन करवाया। जस्टिस मनमोहन जम्मू कश्मीर और दिल्ली के पूर्व राजयपाल जगमोहन मल्होत्रा के बेटे हैं।

झारखंड चुनाव में कल्पना सोरेने ने किया गेम चेंजर का काम, जमकर किया प्रचार

-बीजेपी महिला मोर्चा की नेता करती रहीं टेबल पॉलिटिक्स, जेएमएम ने कर दिया खेल

रांची।

विधानसभा चुनाव में झामुमो गठबंधन के लिए मंईयां सम्मान योजना और कल्पना सोरेन के प्रचार अभियान ने गेम चेंजर का काम किया है। चुनाव से दो माह पहले राज्य सरकार ने महिलाओं के खाते में एक हजार रुपए की राशि भेजी थी, जबकि हेमंत सोरेन के जेल जाने के बाद कल्पना सोरेन के तौर पर झामुमो को नया नेता मिल गया। वहीं इस बार बीजेपी महिला मोर्चा की प्रदेश कमेटी की ज्यादातर नेता टेबल पॉलिटिक्स करती नजर आईं। बीजेपी के पास एक संगठित महिला मोर्चा है। इसमें 15 के करीब प्रदेश पदाधिकारी और 100 के करीब कार्यसमिति सदस्य हैं। यह पार्टी का मुख्य मोर्चा है, लेकिन विधानसभा चुनाव में महिला मोर्चा की प्रमुख नेता प्रदेश कार्यालय में ही डायरी और फोन पर बात करती रहीं। बीजेपी ने महिला मतदाताओं से कनेक्ट के लिए गोगो दीदी योजना के तहत प्रतिमाह 2100 रुपए देने का वादा किया था। इसके लिए महिलाओं से फार्म भी भरवाए गए, लेकिन महिला मोर्चा इस काम में भी दर्शक ही बना रहा। प्रदेश महिला मोर्चा में सक्रिय नेता ने बताया कि गोगो दीदी योजना के प्रचार प्रसार के लिए महिला मोर्चा को प्रति विधानसभा एक लाख यानि कुल 81 लाख की राशि मिली लेकिन तीन पदाधिकारियों के अलावा इसके बारे में किसी को जानकारी हो कि यह खर्च कहां हुए। इसके बावजूद महिला मोर्चा की कार्यकर्ता अलग-अलग विधानसभा क्षेत्र में जाकर प्रचार करती रहीं। महिला मोर्चा की एक कार्यकर्ता का दर्द है कि ऊपर की पदाधिकारी कांजीवरम और सिल्क की साड़ियां गिफ्ट में लेने में लगीं रहीं। महिला मोर्चा की प्रदेश अध्यक्ष, महामंत्री और उपाध्यक्ष में से कई रांची में ही रहती हैं। इनमें से ज्यादातर अपनी बूथ तक पर पार्टी को पार्टी को बढ़त नहीं दिला सकीं। महिला मोर्चा में पद लेने के बाद सेल्फी और फोटो को ही इंटरनेट मीडिया पर अपलोड करना मुख्य काम मान लिया गया है। यही वजह है कि इन महिला नेताओं का ग्राउंड पर कोई कनेक्ट नहीं है। जबकि जेएमएम के पास कल्पना सोरेन जैसी स्टार प्रचारक के अलावा महुआ माजी, जोबा माझी जैसी जमीनी नेता मौजूद हैं।

फेंगल तूफान का असर, भारत के कई हिस्सों में हो सकती है तेज बारिश

- तमिलनाडु और पुडुचेरी के लिए चेतावनी जारी, स्कूल किए बंद

चेन्नई।

साइक्लोन फेंगल का असर भारत के कई हिस्सों में नजर आने लगा है। इसके चलते कुछ इलाकों में भारी बारिश के आसार हैं। तमिलनाडु और पुडुचेरी के लिए चेतावनी जारी की गई है। इन जगहों पर स्कूल बंद कर दिए गए हैं। भारतीय मौसम विभाग के मुताबिक फिलहाल फेंगल साइक्लोन बंगाल की खाड़ी में तेज हो रहा है। अगले 48 घंटों में इसके चलते तेज हवाओं के साथ भारी बारिश होगी। तमिलनाडु के तटीय इलाकों, पुडुचेरी और आंध्र प्रदेश प्रदेश में बाढ़ की भी चेतावनी दी गई है। पुडुचेरी के गृहमंत्री ए नामासिवायम ने सभी स्कूलों में अगले दो दिन के लिए छुट्टी की घोषणा कर दी है।

चेन्नई क्षेत्रीय मौसम केंद्र के निदेशक ने बताया कि बंगाल की खाड़ी में दबाव का क्षेत्र बन रहा है। यह नागापट्टिनम दक्षिण पूर्व से करीब 310, पुडुचेरी दक्षिण पूर्व से 410 किमी और चेन्नई से 480 किमी की दूरी पर है। फेंगल को लेकर तमिलनाडु में चेतावनी जारी की गई है। इसके मुताबिक निचले और तटीय इलाकों में रहने वाले लोगों से सुरक्षा मानकों का पालन करने को कहा गया है।

क्षेत्रीय मौसम विज्ञान केंद्र (आरएमसी) ने अपने बयान में कहा कि फेंगल तूफान श्रीलंका तट से होते हुए करीब उत्तर-उत्तरपश्चिम की ओर बढ़ेगा। अगले 12 घंटों में एक चक्रवाती तूफान में तब्दील हो जाएगा। 30 नवंबर सुबह के यह गहन दबाव क्षेत्र के रूप में कराईकल और महाबलीपुरम के बीच उत्तरी तमिलनाडु-पुडुचेरी के तटों को पार करेगा। इस दौरान 50-60 से लेकर 70 किलोमीटर प्रति घंटे तक की रफ्तार से हवा चलने का अनुमान है।

मौसम विभाग के मुताबिक दो दिन तमिलनाडु के कुछ हिस्सों में तेज बारिश हो सकती है। इसमें दक्षिण आंध्र प्रदेश, यणम और रायलासीमा में तेज बारिश का अनुमान है। 30 नवंबर और एक दिसंबर को केरल, माहे और दक्षिणी कर्नाटक के साथ-साथ तमिलनाडु, पुडेचुरी और करैकल

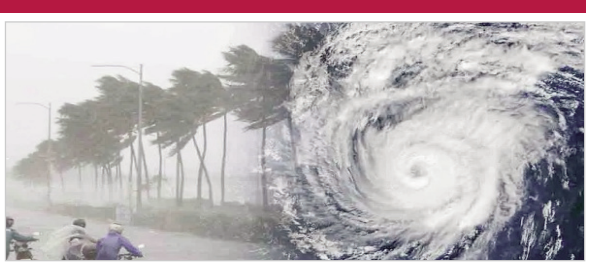

में बहुत तेज बारिश होने का अनुमान है। हालात पर इसरो 23 नवंबर से ही नजर रख रहा है। लोगों की मदद के लिए नेवी, एचएडीआर और एसएआर की टीमें तैना की गई हैं। एनडीआरएफ ने कहा कि उसकी टीम ने अधिकारियों के साथ टीआर पत्तनम, कराईकल में संवेदनशील और निचले इलाकों का निरीक्षण कर जोखिम आकलन तथा सुरक्षा उपायों पर चर्चा की।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

जलवायु परिवर्तन के खतरों से बच्चों को बचाएं

ललित गर्ग

निश्चित ही यूनिसेफ की हालिया रिपोर्ट बच्चों के भविष्य की चिंताओं पर मंथन करने तथा उसके अनुरूप नीति-नियंताओं से नीतियां बनाने का सबल आग्रह करती है। तेजी से डिजिटल होती दुनिया में डिजिटल विभाजन भी एक बड़ी चुनौती होगी। तब तक कृत्रिम बुद्धिमत्ता का प्रयोग चरम पर होगा। जाहिर है कृत्रिम बुद्धिमत्ता जहां तरक्की का मुख्य साधन होगी, वहीं इसकी विसंगतियों का प्रभाव रोजगार के अवसरों एवं सामाजिक-पारिवारिक संरचना पर भी पड़ेगा।

हाल ही में प्रस्तुत हुई यूनिसेफ की रिपोर्ट ह्यद फ्यूचर ऑफ चिल्ड्रेन इन चेंजिंग वर्ल्डह्न ने भारत में बच्चों के भविष्य को लेकर उत्पन्न चुनौतियों, त्रासद स्थितियों एवं भयावह भविष्य को उजागर किया है। इस रिपोर्ट में जिक्र किया गया है कि साल 2050 तक भारत में 35 करोड़ बच्चे जनसांख्यिकीय बदलावों, जलवायु संकट, कृत्रिम बुद्धिमत्ता और तकनीकी बदलावों की चुनौतियों का सामना कर रहे होंगे। उस समय जन्म लेने वाले बच्चों को जन्म के बाद जीवन में जलवायु परिवर्तन के संकटों से जुझना होगा, भीषण लू, गरमी, बाढ़, तूफान, चक्रावात और अनेक जलवायु जनित बीमारियों से सामना करना होगा। वायु प्रदूषण की विभीषिका, गहराते जल संकट, सिमटते प्राकृतिक संसाधन, जलवायु परिवर्तन व रोजगार की विसंगतियों के बीच आने वाली पीढ़ी के बच्चों का जीवन निस्संदेह संघर्षपूर्ण, चुनौतीपूर्ण एवं संकटपूर्ण होगा। वर्ष 2021 में बच्चों के जलवायु जोखिम सूचकांक में भारत कुल 163 देशों की सूची में 26वें स्थान पर था। ऐसे में भारत में बच्चों को अधिक गर्मी, बाढ़ और वायु प्रदूषण से गंभीर जोखिम का सामना करना पड़ता है। खासकर ग्रामीण और कम आय वाले समुदायों में यह संख्या ज्यादा है। लेकिन रिपोर्ट बताती है कि 2050 में बच्चों को 2000 के दशक की तुलना में लगभग आठ गुना ज्यादा गर्मी झेलनी पड़ सकती है। जाहिर है, जलवायु संकट बच्चों के स्वास्थ्य, शिक्षा, चिकित्सा तथा पानी जैसे आवश्यक संसाधनों तक उनकी पहुंच पर प्रतिकूल असर डाल सकता है। चिंता की बात यह है कि इन तमाम विसंगतियों, विषमताओं व नेतृत्व की अदूरदर्शिता के बीच बच्चों के भविष्य पर मंडरा रहे खतरों के लिये संवेदनशीलता के साथ सावधान एवं सतर्क होने एवं उचित-प्रभावी कार्ययोजना बनाने की जरूरत है।

इसी तरह, गहरे डिजिटल विभाजन के बीच एआई यानी कृत्रिम बुद्धिमत्ता बच्चों के लिए अच्छी और बुरी, दोनों हो सकती है। एक ताजा आंकड़ा बताता है कि उच्च आय वाले देशों में 95 फीसदी आबादी इंटरनेट से जुड़ी है, तो निम्न आय वाले देशों में सिर्फ 26 प्रतिशत लोगों की इंटरनेट तक पहुंच है। भारत में वर्तमान में इंटरनेट की व्यापकता ने बच्चों के जीवन में अनेक संकट खड़े किये हैं। यूनिसेफ ने इस डिजिटल डिवाइड को पाटने और बच्चों तक नयी प्रौद्योगिकियों की सुरक्षित एवं समान पहुंच सुनिश्चित करने के लिए समावेशी प्रौद्योगिकी पहल की वकालत की है। बच्चे चूंकि हमारा भविष्य हैं, इसलिए बच्चों और उनके अधिकारों को सरकारी नीतियों-रणनीतियों के केंद्र में रखना

समृद्ध और टिकाऊ भविष्य के निर्माण एवं संतुलित-आदर्श समाज-व्यवस्था के लिए आवश्यक है। अक्सर यह सवाल विमर्श में होता है कि धरती के प्रति गैर-जिम्मेदार व्यवहार के चलते हम कैसा देश आने वाली पीढ़ियों के लिये छोड़कर जाएंगे। आने वाले पच्चीस वर्षों में बच्चों पर लू का 8 गुणा, बाढ़ का 3 गुणा एवं जंगली आग का दोगुणा खतरा होगा। यही वजह है कि संयुक्त राष्ट्र बाल कोष यानी यूनिसेफ ने बच्चों के भविष्य की तस्वीर उकेरते हुए विभिन्न चुनौतियों के मुकाबले के अनुरूप नीति निर्माण की जरूरत बतायी है। यूनिसेफ ने सदी के पांचवें दशक तक की तीन महत्वपूर्ण वैश्विक प्रवृत्तियों का खाका खींचा है। ये घटक नौनिहालों के भविष्य के जीवन को नया स्वरूप देने में अहम भूमिका निभाएंगे।

वर्ष 2050 तक देश की आधी आबादी के शहरी क्षेत्रों में रहने का अनुमान है। दरअसल, मौजूदा दौर में जिस तेजी से गांवों से शहरों की ओर पलायन बढ़ रहा है, जाहिर है ऐसी स्थिति में पहले से आबादी के बोझ तले दबी नागरिक सेवाएं चरमरा जाएंगी। ऐसे में सत्ताधीशों के लिये जरूरी होगा कि जलवायु परिवर्तन के संकट के बीच बच्चों के अनुरूप शहरी नियोजन को अपनी प्राथमिकता बनाएं और बच्चों के अनुकूल और जलवायु परिवर्तन के लिहाज से जुझारु, सुरक्षित एवं निरापद शहरी नियोजन के लिये शिक्षा, स्वास्थ्य, कौशल और टिकाऊ शहरी ढांचे में निवेश को प्राथमिकता दी जाये। शहर बेहतर जीवन के लिए बेहतरीन अवसर और उम्मीद दे सकते हैं। वे वैश्विक सकल घरेलू उत्पाद का 80 प्रतिशत से अधिक उत्पन्न करते हैं और उन्हें तेजी से विकास हासिल करने के लिए इंजन माना जाता है। वे विकास और नवाचार, विविधता और कनेक्टिविटी के दुनिया के सबसे मजबूत स्रोतों में से हैं और संभावित रूप से बच्चों को जीने, सीखने और आगे बढ़ने के लिए बेहतरीन अवसर प्रदान कर सकते हैं।

बढ़ता शहरीकरण बड़ी असमानताओं को भी जन्म दे सकते हैं। आज शहरी क्षेत्रों में रहने वाले 4 बिलियन लोगों में से लगभग एक तिहाई बच्चे हैं। यह अनुमान है कि 2050 तक, दुनिया के लगभग 70 प्रतिशत बच्चे शहरी क्षेत्रों में रहेंगे, जिनमें से कई झुग्गी-झोपड़ियों में रहेंगे। इसलिये शहर स्कूलों और अस्पतालों जैसी बुनियादी सेवाओं तक बेहतर पहुंच प्रदान कर सकते हैं, भीड़भाड़ और उच्च प्रवेश लागत के कारण सबसे गरीब शहरी बच्चे उन तक पहुंचने में असमर्थ हो सकते हैं। अन्य चुनौतियाँ जो शहरी गरीबों को प्रभावित करती हैं, विशेष रूप से झुग्गी-झोपड़ियों में रहने वालों को, उनमें भीड़भाड़ और अपर्याप्त सफाई व्यवस्थाएं शामिल हैं-जो बीमारियों के फैलने में सहायक होती हैं-किफायती और सुरक्षित आवास की कमी, परिवहन की खराब पहुंच और बाहरी वायु प्रदूषण में वृद्धि आदि हैं। उल्लेखनीय है कि उस समय देश जनसांख्यिकी बदलावों की चुनौती से जूझ रहा होगा। आकलन किया जा रहा है कि इस बदलाव के चलते ही वर्तमान की तुलना में बच्चों की संख्या में करीब दस करोड़ की कमी आएगी। वर्तमान में पूरी दुनिया में एक अरब बच्चे उच्च जोखिम वाले जलवायु खतरों का मुकाबला कर रहे हैं, तो अगर सरकारें अभी से नहीं चेती तो 2050 की स्थिति का सहज आकलन किया जा सकता है। मासूम चेहरों एवं चमकती आंखों का नया बचपन भारत के भाल पर उजागर एवं कायम करने के लिये सरकारों को गंभीर होना होगा।

बच्चे के जीवन के प्रारंभिक वर्षों के दौरान आधुनिक मानवतावाद और पूंजीवाद से प्रभावित होकर प्रदर्शन पर अधिक ध्यान दिया जा रहा है। इससे परिवारों और बाल देखभाल प्रदाताओं पर अनावश्यक दबाव पड़ता है। वर्तमान में मौजूद रहने के बजाय, लोग भविष्य के बारे में सोचने में अधिक से अधिक समय व्यतीत कर रहे हैं। और ज्यादातर मामलों में वे इस बारे में नहीं सोच रहे हैं कि व्यापक अर्थों में सफल जीवन कैसा हो सकता है, बल्कि इसके बजाय वे स्कूल और कार्यस्थल में सफलता के बारे में सोच रहे हैं। यह कुछ कौशलों पर बहुत अधिक जोर देता है, जबकि अन्य-जैसे रचनात्मकता, सामाजिक क्षमता, जीवनमूल्य और उत्साह-को कम महत्वपूर्ण माना जाता है क्योंकि वे अधिक उन्नत शैक्षणिक ट्रैक या अधिक प्रतिष्ठित करियर में चयन के लिए प्रासंगिक नहीं हैं। इसका परिणाम यह होता है कि बच्चों में कई प्रतिभाएँ अविकसित रह जाती हैं। अगर समाज को भविष्य की चुनौतियों का सामना करना है-चाहे वह भविष्य आखिरकार कैसा भी क्यों न हो, तो भविष्य के खतरों की आहट को सुनते हुए जागरूक होना होगा। साफ है, नीति के स्तर पर प्रदूषण एवं बदलते मौसम की मार के लिये काम करना होगा। कम से कम भविष्य या बच्चों के लिये तो ऐसा किया ही जाना चाहिए।

निश्चित ही यूनिसेफ की हालिया रिपोर्ट बच्चों के भविष्य की चिंताओं पर मंथन करने तथा उसके अनुरूप नीति-नियंताओं से नीतियां बनाने का सबल आग्रह करती है। तेजी से डिजिटल होती दुनिया में डिजिटल विभाजन भी एक बड़ी चुनौती होगी। तब तक कृत्रिम बुद्धिमत्ता का प्रयोग चरम पर होगा। जाहिर है कृत्रिम बुद्धिमत्ता जहां तरक्की का मुख्य साधन होगी, वहीं इसकी विसंगतियों का प्रभाव रोजगार के अवसरों एवं सामाजिक-पारिवारिक संरचना पर भी पड़ेगा। जहां दुनिया के विकसित देशों में अधिकांश आबादी इंटरनेट से जुड़ने के कारण प्रगति की राह में सरपट दौड़ रही है, तो गरीब मुल्कों में यह प्रतिशत विकसित देशों के मुकाबले करीब एक चौथाई ही है। ऐसे में समतामूलक आदर्श समाज की स्थापना के लिये डिजिटल डिवाइड को खत्म करना प्राथमिकता होनी चाहिए। इसके मद्देनजर हमारी कोशिश हो कि आधुनिक प्रौद्योगिकी का स्वरूप समावेशी हो। ताकि आधुनिक तकनीक तक बच्चों की समान व सुरक्षित पहुंच हो सके। निर्विवाद रूप से बच्चे आने वाले कल के लिये देश का भविष्य निर्धारक होते हैं। ऐसे में हर लोक कल्याणकारी सरकार का नैतिक दायित्व है कि अपनी रीतियों-नीतियों में बच्चों के हितों व अधिकारों को प्राथमिकता दे। तभी हम उनके सुखद भविष्य की उम्मीद कर सकते हैं।

(लेखक, पत्रकार, स्तंभकार)

संपादकीय

लोकतंत्र का दमन

हिंसा और दमन जुड़वां भाई हैं। पाकिस्तान में लोकतंत्र को कुचलने के लिए एक बार फिर इनका इस्तेमाल किया गया। जेल में बंद पाकिस्तान तहरीक ए इंसाफ (पीटीआई) पार्टी के नेता और पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की रिहाई के लिए चलाई जा रहे शांतिपूर्ण आंदोलन के खिलाफ सुरक्षा बलों की हिंसात्मक कार्रवाई में चार लोग मारे गए और सैकड़ों लोग घायल हो गए। अंततः पीटीआई को अस्थाई तौर पर आंदोलन को रोकने की घोषणा करनी पड़ी। सैन्य सत्ता प्रतिष्ठान समर्थित शाहबाज शरीफ के नेतृत्व वाली गठबंधन की सरकार और पीटीआई कार्यकताओं के बीच लंबे समय से टकराव और संघर्ष चल रहा है। पार्टी के कार्यकर्ता पिछले तीन दिनों से अपने नेता इमरान खान की रिहाई के लिए सड़कों पर विरोध प्रदर्शन कर रहे थे। इस विरोध प्रदर्शन को रोकने के लिए सरकार जगह-जगह अवरोध खड़े करके हजारों सुरक्षाकर्मियों को तैनात किए तैनात किए थे। बावजूद इसके पीटीआई के उत्साही कार्यकर्ता राजधानी इस्लामाबाद के मशहूर ड़ी-चौक और इसके आसपास के इलाकों में पहुंच गए थे। इमरान खान कभी पाकिस्तान के शक्तिशाली सैन्य प्रतिष्ठान के चहेते थे और उसके समर्थन से प्रधानमंत्री बने थे। लेकिन जब उन्होंने मुखौटा लोकतंत्र की जगह वास्तविक लोकतंत्र की स्थापना के लिए अपना कदम बढ़ाना शुरू किया तो सेना प्रतिष्ठान की किरकिरी बन गए। यही वह मोडष्क है जहां से उनके हाथ से राजनीति फिसलती गई और उन्हें एक के बाद एक राजनीतिक और वैधानिक दोनों मोर्चों पर हार का सामना करना पड़ रहा है। उन पर सैकड़ों आपराधिक मुकदमे लगाए गए। चुनाव लड़ने पर रोक लगा दी गई और उनकी पार्टी का चुनाव चिह्न छिन लिया गया। फरवरी में हुए आम चुनाव में पीटीआई समर्थित निर्दलीय उम्मीदवार संसद में सबसे बड़ी पार्टी के रूप में उभरी, लेकिन पाकिस्तान मुस्लिम लीग (नवाज) और पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी ने हाथ मिलाकर सरकार बना ली। फिलहाल सरकार और शक्तिशाली सैन्य सत्ता प्रतिष्ठान इमरान खान के साथ किसी प्रकार का राजनीतिक समझौता करने के पक्ष में दिखाई नहीं दे रहा है। राजनीतिक अस्थिरता के कारण देश की अर्थव्यवस्था पूरी तरह चरमरा गई है। देखना है कि सत्ता प्रतिष्ठान इमरान खान की ओर से मिल रही चुनौतियों का सामना कैसे करता है?

चिंतन-मनन

सबसे बड़ी दौलत

एक विधवा अध्यापिका के दो बेटे थे। वह उन्हें गुरुकुल में अच्छी शिक्षा दिला रही थी। वह खुद भी अनेक बच्चों को संस्कृत पढ़ाती थी। इससे उसे जो कुछ प्राप्त होता था, उसी से वह अपना जीवनयापन करती थी। उसने अत्यंत गरीबी के दिनों में भी कभी किसी के आगे हाथ नहीं फैलाए। उसके स्वाभिमान को देख अनेक लोग अध्यापिका का बहुत आदर करते थे।

एक दिन एक बहुत बड़े सेठ को अध्यापिका की विद्वता व उसकी निर्धनता के बारे में मालूम हुआ। उस सेठ के कोई संतान नहीं थी। उसने सोचा हुआ था कि वह कुछ गरीब बच्चों को अच्छी शिक्षा प्रदान करने के लिए उन्हें धन प्रदान करेगा। सेठ अध्यापिका के घर पहुंचा और बोला, देवी, आप निर्भीक व स्वाभिमानी हैं। मैं चाहता हूं कि आपके बच्चे अच्छी शिक्षा ग्रहण करें। उसके लिए आप यह कुछ रुपये स्वीकार करें। इसके बाद उसने रुपयों की थैली अध्यापिका की ओर बढ़ाई। अध्यापिका हाथ जोड़कर सेठ से बोली, शायद आपको कुछ भ्रम हो गया है। मैं इतनी गरीब भी नहीं हूं कि अपने बच्चों को अच्छी शिक्षा न दे पाऊं। मेरे पास जितनी दौलत है, उतनी शायद ही किसी के पास हो। सेठ अचरज से बोला, कहां है दौलत, जरा हमें भी तो बताइए।

अध्यापिका ने अपने दोनों पुत्रों को आवाज लगाई तो दोनों पुत्र तुरंत वहां आए और अपनी मां के पैर छूने के बाद उन्होंने सेठ के पैर छुए। फिर उन्होंने मां से पूछा, कहिए कैसे याद किया? दोनों पुत्रों की ओर देखकर अध्यापिका बोली, यही दोनों मेरी सबसे बड़ी दौलत हैं। दोनों लड़कों को देखकर सेठ अभिभूत हो गया और बोला, बिल्कुल सही। वास्तव में जिसकी संतान संस्कारी और गुणी है, वह कभी गरीब हो ही नहीं सकता। अध्यापिका ने सेठ से कहा, जो कुछ आप मुझे देने आए हैं, उसे अनाथ बच्चों को शिक्षित करने के लिए दे दें। सेठ ने वैसा ही किया।

ऑनलाइन सट्टेबाजी का बढ़ता जाल, देश में कमजोर कानून

हाल में मैं एक दंपत्ति से मिला, जो तलाक की कठिन प्रक्रिया से गुजर रहा है। पति और पत्नी दोनों ही आइआइएम से शिक्षित हैं और अपने कारपोरेट करियर में काफी सफल हैं। जब मैंने उनसे अलग होने का कारण पूछा तो जवाब सुनकर मैं चौंक गया। पति को आनलाइन जुए की लत थी। उसने अपने 20 लाख से ज्यादा रुपये आनलाइन सट्टेबाजी में खपा दिए थे और फिर पिछले दो सालों में पत्नी के खाते से भी लाखों चुरा लिए थे। सब कुछ तीन-पत्ती के एक आनलाइन सट्टेबाजी के खेल में खो गया। यह कोई अकेला मामला नहीं है। ऐसे कई उदाहरण हैं, जब मध्यम वर्ग युवा आनलाइन सट्टेबाजी और आनलाइन गेमिंग में लाखों रुपये हार चुके हैं। कई मामलों में अपने भविष्य के लिए कोई उम्मीद न देखकर, उन्होंने आत्महत्या तक कर ली। यह समस्या, गांव और शहर, दोनों ही जगह अपनी जड़ें जमा चुकी है। भारत में अब आनलाइन सट्टेबाजी का बाजार 25, 000 करोड़ सालाना का हो चुका है। आनलाइन गेमिंग उद्योग का बाजार भी लगभग इतना ही बड़ा है। तुलनात्मक रूप से देखें तो आनलाइन सट्टेबाजी और आनलाइन गेमिंग पर हर साल हम लगभग 50, 000 करोड़ खर्च करते हैं और हैरत की बात यह है कि यह आंकड़ा संपूर्ण भारत के उच्च शिक्षा बजट से भी अधिक है।

आनलाइन सट्टेबाजी को हम तीन प्रकार से देख सकते हैं। पहला आनलाइन कैसिनो। यहां पर कैसीनो की भांति ताश और अन्य प्रकार से घर बैठे मोबाइल या कंप्यूटर से जुआ खेला जा सकता है। दूसरा प्रकार है, फैंटेसी लीग गेम्स जहां पर क्रिकेट, फुटबाल और अन्य चर्चित खेल के नतीजों पर लोग सट्टा लगा सकते हैं। तीसरा प्रकार है वे साधारण आनलाइन गेम्स, जिन पर यूजर आपस में पैसा लगा सकते हैं। इस श्रेणी में लूडो, सांपसीढ़ी, बिलियर्ड, तीन पत्ती जैसे सरल खेलों को जुए के रंग में रंग दिया जाता है। भारत

में आनलाइन सट्टेबाजी और जुए के इतने बड़े पैमाने पर बढ़ने का कारण क्या है?

पहला, यह कि आनलाइन जुआ खेलते समय व्यक्ति पर्दे के पीछे एक अनजान शख्स बनकर जुआ खेलता है। उसे अपनी पहचान सार्वजनिक होने का कोई अंदेशा नहीं रहता। हमारे समाज में जुआ खेलना अच्छा नहीं माना जाता और इसीलिए लोग खुलेआम जुआ खेलने में संकोच करते हैं, लेकिन जब कोई अपने मोबाइल फोन से सट्टा खेलता है तो आसपास किसी को भनक तक नहीं लगती। दूसरा कारण यह है कि आनलाइन सट्टे को संचालित करने वाली कंपनियां बेहद संगठित और निपुण तरीके से अपने मायाजाल से लोगों को रिझाती हैं। आलम यह है कि ये कंपनियां गृहणियों और कालेज जाने वाले युवाओं को सट्टा खेलकर परिवार में एक कमाऊ सदस्य बनने का झांसा देती हैं। चूंकि ये कंपनियां अब काफी बड़ी हो चुकी हैं, इसलिए मोटी रकम देकर सिनेमा और क्रिकेट जगत से बड़े-बड़े सितारों को विज्ञापन में दिखाकर और अधिक से अधिक लोगों को इस लत में घसीटती जा रही हैं। विडंबना यह है कि इस पर कोई रोक-टोक नहीं लग पा रही है। कंपनियां केवल यह बताकर कर्तव्य की इतिश्री कर लेती हैं कि इस खेल में आर्थिक जोखिम है और इसकी लत लग सकती है।

तीसरा कारण सबसे विकराल है। आनलाइन सट्टेबाजी को रोकने का कानून न सिर्फ कमजोर है, बल्कि अस्पष्ट भी।

भारत में जुए को नियंत्रित करने वाला कानून पब्लिक गैंबलिंग एक्ट 1867 का बना हुआ है। इसके तहत जुआ खेलने और खिलाने वालों पर पुलिस और प्रशासन सख्त कार्रवाई कर सकता है। इस कानून में जुए की परिभाषा को लेकर भ्रम है, क्योंकि यह ह्लगेम आफ स्किलह्न और ह्लगेम आफ चांसह्न को अलग-अलग मानता है। गेम आफ स्किल में शतरंज जैसे खेल हैं, जिसमें कौशल का उपयोग होता है। इसके विपरीत वे खेल, जिनमें पांसे या लाटरी इस्तेमाल की जाती है और जो पूर्णतः भाग्य पर आधारित है, उसे ह्गेम आफ चांसह्न कहा जाता है। भाग्य और कौशल के बीच की यह लकीर धूमिल है और आनलाइन युग में यह और भी पेचीदा हो चुकी है। इसी अस्पष्टता का लाभ उठाते हुए भारत में देखते ही देखते आनलाइन सट्टेबाजी ने अपने पांव पसार लिए हैं। आनलाइन सट्टेबाजी की कंपनियों के पीछे कई बार चीन से बड़ी मात्रा में निवेश हुआ है। ऐसी अनके कंपनियां देश के बाहर सक्रिय हैं।

आनलाइन सट्टेबाजी की लत जिस प्रकार बड़ी संख्या में लोगों को जकड़ रही है, वह सरकार और समाज के लिए गहरी चिंता का विषय बनना चाहिए। इस समस्या का समाधान क्या हो सकता है? सबसे पहले हमें जुए को नियंत्रित करने वाले कानून को आज के आनलाइन परिदृश्य के अनुरूप ढालना होगा और ऐसे उपाय करने होंगे कि जिससे आनलाइन सट्टेबाजी वाली कंपनियां मनमानी न करने पाएं। फिलहाल उन पर कोई प्रभावी रोक-टोक नहीं। हमें बच्चों और युवाओं को किसी भी प्रकार के आनलाइन सट्टे से बिलकुल दूर रखना होगा। आनलाइन गेम्स या सट्टे में कितना पैसा लग सकता है, इस पर नियंत्रण आवश्यक है। आनलाइन गेम्स मनोरंजन का स्रोत हो सकते हैं, पर उन्हें आय का साधन नहीं बनाया जा सकता। यह समझा जाना चाहिए कि आनलाइन सट्टे में सदैव सट्टा खिलाने वाला ही जीतता है।

आनलाइन सट्टेबाजी के बढ़ते चलन को देखते हुए स्कूलों में उसके प्रति सजगता फैलाना अति आवशयक है। वे लोग जो अपने आपको या अपने परिवार के लोगों को सट्टा खेलने की आदत से ग्रस्त पा रहे हैं, उनके लिए एक्सपर्ट हेल्पलाइन जैसी सुविधाएं गैर सरकारी संगठनों के माध्यम से मुहैया कराना आवश्यक हो गया है, ताकि उन्हें वक्त रहते बचाया जा सके। कई मामलों में यह देखने में आ रहा है कि बच्चे आनलाइन गेम्स खेलते-खेलते सट्टेबाजी तक पहुंच जाते हैं और अभिभावकों को जब तक पता चलता है, तब तक नुकसान हो चुका होता है। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी ने जुए को नशे से भी बुरी लत बताई थी, क्योंकि जुए से होने वाला नुकसान स्थाई होता है और परिवार एवं समाज, दोनों को खोखला करता है। आज उसी सामाजिक बुराई को आनलाइन सट्टेबाजी के रूप में मोबाइल और कंप्यूटर के जरिये एक चमकीले आवरण में पेश किया जा रहा है। देश को इससे बचाने की जरूरत है।

-सृजनपाल सिंह
(लेखक एपीजे अब्दुल कलाम सेंटर के सीईओ हैं)

प्रदूषण : इच्छाशक्ति से ही बनेगी बात

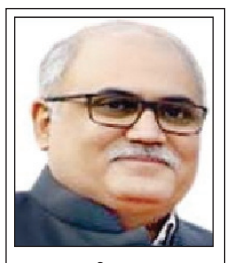

रजनीश कपूर

बीते कुछ सप्ताह से दिल्ली-एनसीआर और उत्तर भारत को प्रदूषण के बादल ने इस कदर घेर रखा है कि जनजीवन अस्त-व्यस्त हो चुका है। प्रदूषण की रोकथाम को लेकर सरकार ने कई तरह की पाबंदियां लगा दी हैं। लोग चिंतित हैं कि पाबंदियों के चलते कई रोजगारों पर असर पड़ने लगा है। निर्माण कार्य में लगे दिहाड़ी मजदूर पाबंदियों के चलते सबसे अधिक पीड़ित हुए हैं। तमाम टीवी चैनलों पर प्रदूषण के बिगड़ते स्तर पर काफी बहस हो रही है परंतु क्या किसी ने प्रदूषण नियंत्रित करने के लिए सही व ठोस कदम उठाने की बात कही है? क्या निर्माण कार्यों और वाहनों पर प्रतिबंध से प्रदूषण के स्तर में कमी आएगी? अनेक कारण हैं जिन पर सरकार ध्यान दे तो प्रदूषण में नियंत्रण पाया जा सकता है।

सबसे पहले बात करें वाहन प्रदूषण की। इस पर इसी कॉलम में कई बार लिखा जा चुका है कि विशेष आयु या श्रेणी के वाहन को प्रतिबंध करने से क्या प्रदूषण में कमी आएगी? इसका उत्तर हां और नहीं, दोनों ही है। कोई वाहन जो पुराने माणकों पर चल रहा है और उसके पास वैध पीयूसी प्रमाणपत्र नहीं है तो निश्चित रूप से उसे प्रतिबंधित किया जाना चाहिए। परंतु यदि वही वाहन प्रदूषण के तय मानकों की सीमा में पाया जाता है तो उस पर प्रतिबंध का क्या औचित्य? हम-आप जब भी कोई वाहन खरीदते हैं, तो हम उस वाहन की कीमत के साथ-साथ रोड टैक्स, जीएसटी आदि टैक्स भी देते हैं। इन सब टैक्स देने का मतलब हुआ कि यह राशि सरकार की जेब में जाएगी और घूम कर जनता के विकास के लिए इस्तेमाल की जाएगी। परंतु रोड टैक्स के नाम पर ली जाने वाली मोटी रकम क्या वास्तव में जनता पर खर्च होती है? क्या हमें अपनी महंगी गाड़ियों के लिए साफ-सुथरी और बेहतरीन सड़कें मिलती हैं? क्या टूटी-फूटी सड़कों की समय-समय पर मरम्मत होती है? क्या सड़कों की मरम्मत करने वाली एजेंसियां अपना काम पूरी निष्ठा से करतीं हैं?

इनमें से अधिकतर सवालों के जवाब आपको नहीं में ही मिलेंगे। टूटी-फूटी सड़कों पर वाहन अवरोधों के साथ चलने पर मजबूर होते हैं। नतीजतन जगह-जगह ट्रैफिक जाम हो जाता है। जाम में खड़े रह कर आप न सिर्फ समय जाया करते हैं, बल्कि महंगा ईंधन भी जाया करते हैं। जितनी देर तक जाम लगा रहेगा, वाहन बंपर-टू-बंपर चलेगा और बढ़ते हुए प्रदूषण की आग में घी का काम करेगा। ऐसे में जिन वाहनों को पुराना समझ कर प्रतिबंधित किया जाता है, उनसे कहीं ज्यादा नये वाहनों से प्रदूषण होता है। इसलिए लोक निर्माण विभाग या अन्य एजेंसियों की जिम्मेदारी होनी चाहिए कि सड़कों को दुरुस्त रखें जिससे प्रदूषण को बढ़ावा न मिले। ट्रैफिक नियंत्रण की समस्या भी ऐसी समस्या है जिससे प्रदूषण बढ़ाता है। मिसाल के तौर पर आपको कई चौराहे मिल जाएंगे जहां लाल-बत्ती की अवधि जरूरत और ट्रैफिक के प्रवाह के अनुसार मेल नहीं खाती। नतीजा, ऐसे चौराहों पर ट्रैफिक की लंबी कतारें। ऐसा नहीं है कि पूरा दिन ही ऐसे चौराहों पर लंबी कतारें लगती हैं। ज्यादातर कतारें पीक ऑवर पर लगती हैं। उस समय ट्रैफिक पुलिस द्वारा चुनिंदा चौराहों को नियंत्रित किया जाए तो जाम की समस्या पर आसानी से काबू पाया जा सकता है। बस कुछ मामूली से परिवर्तन लाने की आवश्यकता है। आज गूगल मैप पर घर बैठे आप हर गली-नुक्कड़ का ट्रैफिक देख सकते हैं। यदि हम इसे देख कर अपनी यात्रा को प्लान कर सकते हैं तो ट्रैफिक कंट्रोल रूम के अधिकारी, संबंधित इलाके के ट्रैफिक अधिकारी को इस समस्या के प्रति झकझोर क्यों नहीं सकते?

प्रदूषण के अन्य कारकों पर भी लगाम कसी जा सकती है। जरूरत है तो इच्छाशक्ति की। याद दिलाना चाहूंगा कि 2010 में जब हमारे देश में कॉमनवेल्थ गेम्स का आयोजन हुआ था तो दिल्ली में ऐसी व्यवस्था बनाई गई थी कि ट्रैफिक जाम नहीं होते थे। जगह-जगह पर ट्रैफिक पुलिस के सिपाही ट्रैफिक पर पैनी नजर बनाए हुए थे यानी डंडे के जोर पर व्यवस्था को नियंत्रित किया जा रहा था। यदि एक ट्रैफिक की समस्या को डंडे के जोर पर किसी विशेष इंतजाम के लिए नियंत्रित

जा सकता है तो आम दिनों में क्यों नहीं? अब बात करें दीपावली के बाद हर वर्ष होने पराली जलाने की घटनाओं की। जग-जाहिर है कि पंजाब, हरियाणा और उत्तर प्रदेश के किसान हर वर्ष इन्हीं दिनों पराली जलाते हैं। यह समस्या हर वर्ष प्रदूषण का कारण बनती है। बड़ी-बड़ी बातें और घोषणाएं की जाती हैं, लेकिन समस्या के समाधान के लिए कोई ठोस कदम नहीं उठाए जाते। यदि कॉमनवेल्थ गेम्स का आयोजन हो या कोविड के दौरान लॉकडाउन लागू करना हो, जब इन्हें सख्ती से लागू किया जा सकता है तो पराली को जलाने से क्यों नहीं रोका जा सकता? ठीक उसी तरह कारखानों से निकलने वाले धुएं को भी नियंत्रित करना असंभव नहीं है। सरकार चाहे तो इस राह में ठोस कदम उठा कर प्रदूषण को नियंत्रण में ला सकती है। केवल नारों, घोषणाओं और प्रतिबंधों से नहीं, इच्छाशक्ति से ही नियंत्रित हो सकेगा प्रदूषण। जहां चाह, वहां राह!

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

चिप डिजाइन के क्षेत्र में भारत एक बड़े देश के रूप में उभरेगा : जापान

नई दिल्ली।

जियो-पॉलिटिकल टेंशन की वजह से चिप डिजाइन के क्षेत्र में भारत एक बड़े देश के रूप में उभर सकता है। ये कहना है जापान के सॉफ्टबैंक समूह के चेयरमैन और मुख्य कार्यपालक अधिकारी मासायोशी सोन का। अरबपति सीईओ ने अपनी यात्रा के दूसरे दिन सॉफ्टबैंक की पोर्टफोलियो कंपनियों के संस्थापकों से मुलाकात की। इनमें पेटीएम के सीईओ विजय शेखर शर्मा, मीशो के सीईओ विदित आत्रे, ओयो के सीईओ रितेश अग्रवाल, ओला कंज्यूमर और ओला इलेक्ट्रिक के सीईओ भाविश अग्रवाल, फ्लिपकार्ट के सीईओ कल्याण कृष्णमूर्ति और अनएकेडमी के सीईओ गौरव मुंजाल समेत अन्य शामिल थे। सूत्रों ने यह जानकारी देते हुए कहा कि उन्होंने भारत में अपनी पोर्टफोलियो कंपनियों के संस्थापकों से 10 साल के संबंध में आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस पर काम करने के लिए कहा है। अपनी दो दिन की भारत यात्रा के दौरान सोन ने पहले दिन मुंबई में रिलायंस इंडस्ट्रीज के चेयरमैन मुकेश अंबानी से तथा दूसरे दिन राष्ट्रीय राजधानी में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से मुलाकात की। सूत्र ने कहा, संस्थापकों के साथ बैठक के दौरान सोन ने कहा कि भारत की इंजीनियरिंग प्रतिभा दुनिया में सबसे बड़ी है। उन्होंने कहा कि भू-राजनीतिक कारणों से भारत चिप डिजाइन में एक बड़ा खिलाड़ी हो सकता है। दरअसल, सेमीकंडक्टर या चिप निर्माण चीन व ताइवान की दुनियाभर में बादशाहत है। सॉफ्टबैंक ने पिछले 10 साल में 15 अरब डॉलर का निवेश किया है और भारत में सॉफ्टबैंक का निवेश इससे अधिक हो सकता है। सॉफ्टबैंक समूह के संस्थापक ने कहा कि चिप डिजायनिंग एआई अर्थव्यवस्था की धड़कन होगी। संस्थापकों के साथ चर्चा के दौरान सोन ने एआई के इर्द-गिर्द कारोबार के विकास पर जोर दिया।

सुरक्षा डायग्नोस्टिक ने आईपीओ खुलने से पहले 254 करोड़ जुटाए

नई दिल्ली ।

सुरक्षा डायग्नोस्टिक लिमिटेड ने अपनी आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के लिए 254 करोड़ रुपये का निवेश जुटाया है। इस आईपीओ में कंपनी ने बड़े निवेशकों में निप्पॉन इंडिया म्यूचुअल फंड, कोटक एमएफ, आदित्य बिड़ला सन लाइफ एमएफ, क्वांट एमएफ और कार्नेलियन भारत अमृतकाल फंड को शामिल किया है। इनमें से 16 निवेशकों को 57.57 लाख इक्विटी शेयर आवंटित किए गए हैं। इस आईपीओ का आरंभिक मूल्य दायरा 420 रुपये से 441 रुपये प्रति शेयर है। इस निवेश चक्र को गति देने के लिए कंपनी ने 29 नवंबर को आईपीओ को खोलने का निर्णय किया है और इसे 3 दिसंबर को बंद किया जाएगा। सुरक्षा डायग्नोस्टिक लिमिटेड ने यह निवेश जुटाने के बाद अपनी प्रेरणा को और मजबूत किया है और अपने विकास में मदद मिलेगी। इस आईपीओ के माध्यम से कंपनी की वित्तीय स्थिति में सुधार होने की उम्मीद है।

ट्रिनिटी गेमिंग का 24 करोड़ में अधिग्रहण करेगी नोडविन गेमिंग

नई दिल्ली । गेमिंग और ईस्पोर्ट्स कंपनी नोडविन गेमिंग ने शुक्रवार को 24 करोड़ रुपये की कीमत पर ट्रिनिटी गेमिंग का अधिग्रहण करने की घोषणा की है। नोडविन ने यह समाचार बयान करते हुए कहा कि इस लेन-देन का मौल्य 24 करोड़ रुपये है। ट्रिनिटी गेमिंग की 100 प्रतिशत शेयर पूंजी का अधिग्रहण एक द्वितीयक बिक्री तथा नोडविन गेमिंग के शेयरों की अदला-बदली के साथ होगा। इसका अनुमानित भुगतान क्षमता है कि लगभग 4.8 करोड़ रुपये नकद भुगतान के रूप में किया जाएगा, जबकि शेष 19.2 करोड़ रुपये की देयता नोडविन गेमिंग के शेयरों की अदला-बदली के जरिये होगी। नोडविन गेमिंग ने 2014 में अपनी स्थापना की थी और वर्तमान में यह टेक्नोलॉजी कंपनी नाजारा की अनुषंगी है। ट्रिनिटी गेमिंग भारत में सीएसपी के साथ काम करता है जो मेटा के लिए क्रिएटर सर्विस प्रोवाइड करता है, और गेमिंग एमसीएन के रूप में यूट्यूब पर एक मल्टी-चैनल नेटवर्क है। इसके साथ ही नोडविन गेमिंग ने सैमसंग, रियलमी, आईक्यूओओ, और क्राफ्टन जैसी बड़ी कंपनियों के साथ भी साझेदारी की है।

महाकुंभ में 92 लाख में बिकी कचौड़ी की दुकान

- लड्डू की दुकान 75 लाख की, जानिए जमीन कैसे मिलेगी

इलाहाबाद । उत्तर प्रदेश महाकुंभ-2025 के निकट होने के साथ ही यहां के व्यवसायिक धंधे में भी चर्चा है। संगम के पास कचौड़ी की दुकान का एक साल का किराया 92 लाख है। यह दुकान महाकुंभ-2025 में स्थापित होने वाली है। संगम के निकट कचौड़ी के एक और किनारे लड्डू की दुकान भी है जो 75 लाख में बिकी है। इसके बावजूद यहां की दुकानों के लिए महाकुंभ के डेढ़ महीने और मेलों में ही खरीदारों की भीड़ होती है। महाकुंभ में तैयारियां अपने जोर-शोर से चल रही हैं। कुल 4 हजार हेक्टेयर में मेला क्षेत्र बनाया जा रहा है, जिसमें 40 करोड़ लोगों की संभावना है। ऐसे में हर व्यवसायी चाहता है कि वह महाकुंभ में अपना व्यवसाय शुरू करे, क्योंकि उन्हें कमाई की बड़ी संभावनाएं हैं। मेला क्षेत्र में एक प्रसाद और पूजन सामग्री की दुकान पर गए, जिसका किराया पहले के मुकाबले कहीं अधिक है। 15 बाई 30 की एक जमीन के लिए पहले 3-4 लाख रुपए देने पड़ते थे, लेकिन अब 16 लाख रुपए की बोली लगानी पड़ी है। संगम के पास प्रसाद-माला बेचने की दुकान के लिए भी लगभग समान ही राशि चुकानी पड़ रही है। यहां भी जमीन की मांग पर भारी कीमत पड़ रही है। महाकुंभ के स्थानांतरण और व्यवसायिक मोड के साथ, दुकानदारों को विश्वास और उत्साह से काम करना होगा। इन दुकानों की लोकेशन चुनने पर जानकारों की पूरी तरह से निर्भरता है कि उनका व्यवसाय सफल होगा या नहीं।

एंवायरो इंफ्रा इंजीनियर्स की बाजार में अच्छी शुरुआत

- लिस्टिंग के पहले दिन निवेशकों को हुआ फायदा

नई दिल्ली। शेयर बाजार में शुक्रवार को एंवायरो इंफ्रा इंजीनियर्स की लिस्टिंग के पहले दिन ही अच्छी शुरुआत हुई। उन निवेशकों को खुशखबरी मिली है जिन्होंने इस कंपनी के आईपीओ में निवेश किया था। इश्यू प्राइस के मुकाबले यह 48 फीसदी प्रीमियम पर लिस्ट हुई है। एंवायरो इंफ्रा इंजीनियर्स के आईपीओ को बहुत ही धमाकेदार रिस्पॉन्स मिला। रिटेल, क्यूआईबी और एनआईआई कैटेगरी में सब्सक्राइब किया गया था और एंकर निवेशकों से भी बड़ी रकम जुटाई गई थी। कंपनी का प्रमुख क्षेत्र वेस्ट-वॉटर ट्रीटमेंट प्लांट है और इसे खुदरा वॉटर और इंडस्ट्री ऑटोमेटिव सेक्टर में काम करने का विशेष ज्ञान है। कंपनी के वित्तीय वर्ष 2023 और 2024 में काफी अच्छी वृद्धि की गई है, जिससे निवेशकों को भविष्य में भी अच्छी रिटर्न मिल सकते हैं। इस आईपीओ के साथ कंपनी के प्रमोटरों की हिस्सेदारी 72.7 फीसदी तक घटकर 93.66 फीसदी रह गई है, जो कंपनी की विश्वासयों पर और भी सुधार करता है।

एयर इंडिया की ब्लैक फ्राइडे सेल: हवाई टिकट में मिलेगी छूट

- एयर इंडिया का ऑफर 2 दिसंबर तक

नई दिल्ली । एयर इंडिया ने शुक्रवार को ब्लैक फ्राइडे सेल शुरू की है, जिसमें यात्रियों को बड़ी छूट दी जा रही है। इस सेल के तहत घरेलू उड़ानों के लिए 20 फीसदी तक की छूट और इंटरनेशनल डेस्टिनेशन के लिए 12 फीसदी तक की छूट पेशकश की जा रही है। यह ऑफर 2 दिसंबर तक है। इस ब्लैक फ्राइडे सेल के तहत यूपीआई या इंटरनेट बैंकिंग के जरिए भुगतान करने पर यात्रियों को अतिरिक्त छूट भी मिल रही है। घरेलू उड़ानों पर 400 रुपये और अंतरराष्ट्रीय उड़ानों पर 1200 रुपये तक की बचत के साथ सभी बुकिंगों के लिए कन्वीनियंस शुल्क भी माफ किया जाएगा। इस ऑफर का उपयोग करने के लिए यात्री एयर इंडिया की आधिकारिक वेबसाइट या मोबाइल ऐप पर जा सकते हैं। कंपनी ने सीटों की संख्या में सीमाएं बताई हैं, इसलिए जल्दी करें और इस मौके का फायदा उठाएं। एयर इंडिया की इस ब्लैक फ्राइडे सेल में स्टूडेंट्स और सीनियर सिटीजन्स के लिए भी विशेष छूट का एलान किया गया है। स्टूडेंट्स 25 फीसदी और सीनियर सिटीजन्स 50 फीसदी तक की छूट पा सकते हैं। इस ब्लैक फ्राइडे सेल के दौरान एयर इंडिया ने यात्रियों को हवाई टिकट में सबसे कम कीमत पर यात्रा करने का मौका दिया है।

भारतीय शेयर बाजार शानदार तेजी के साथ हरे निशान में बंद, सेंसेक्स 759 अंक उछला

मुंबई, 29 नवंबर ।

भारतीय शेयर बाजार हफ्ते के आखिरी कारोबारी दिन शुक्रवार को हरे निशान में बंद हुआ। इक्विटी बेंचमार्क सूचकांक सेंसेक्स और निफ्टी दोनों में ही शानदार तेजी रही। कारोबार के अंत में सेंसेक्स 759.05 अंक या 0.96 प्रतिशत की तेजी के बाद 79,802.79 पर बंद हुआ। वहीं, निफ्टी 216.95 अंक या 0.91 प्रतिशत की तेजी के बाद 24,131.10 पर बंद हुआ। निवेशकों की बेहतर धारणा और स्टॉक-विशिष्ट गतिविधियों के कारण घरेलू शेयर बाजार में तेजी देखने को मिली। कारोबारी सत्र की इस तेजी का नेतृत्व फार्मा शेयरों ने किया। निफ्टी बैंक 148.75 अंक या 0.29 प्रतिशत की बढ़त के साथ 52,055.60 पर बंद हुआ। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 91.90 अंक या 0.16 प्रतिशत की बढ़त के साथ 56,392.65 पर बंद हुआ। निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 139.40 अंक या 0.75 प्रतिशत की बढ़त के साथ 18,650.95 पर बंद हुआ। बाजार के जानकारों के अनुसार, घरेलू बाजार में लार्ज-कैप द्वारा संचालित रैली जारी रही। त्योहारी सीजन का लाभ उठाते हुए कुछ सेक्टर ने अच्छा प्रदर्शन किया। फार्मा और हेल्थकेयर क्षेत्रों में मजबूत आय और हाल के सुधारों के बाद मूल्यांकन में नरमी के कारण नए सिरे से वृद्धि देखी गई। उन्होंने आगे कहा कि भारत के दूसरी तिमाही सकल घरेलू उत्पाद में 6.5 प्रतिशत की अनुमानित गिरावट पहले ही दूसरी तिमाही की कॉरपोरेट आय में देखी जा चुकी है, जिसे बाजार ने कम कर आंका है। इस बीच, जापानी येन की मूल्य में वृद्धि के कारण वैश्विक भावना मंद रही।

सेंसेक्स पैक में भारती एयरटेल, सन फार्मा, एमएंडएम, अल्ट्राटेक सीमेंट, अदाणी पोर्ट्स, एलएंडटी, जेएसडब्ल्यू स्टील, हिंदुस्तान यूनिलीवर लिमिटेड और टाइटन टॉप गेनर्स थे। वहीं, पावर ग्रिड, नेस्ले इंडिया, एसबीआई और इंफोसिस टॉप लूजर्स रहे। निफ्टी सेक्टोरल इंडेक्स में फार्मा, हेल्थकेयर, कमोडिटीज, इंफ्रा, मीडिया, एनर्जी और ऑटो में खरीदारी रही। जबकि, पीएसयू बैंक और रियल्टी सेक्टर में बिकवाली देखी गई।

बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) पर 2,334 शेयर हरे निशान और 1,608 लाल निशान में बंद हुए। जबकि, 127 शेयरों में कोई बदलाव नहीं हुआ।

किआ इंडिया की सीकेडी वाहन निर्यात दोगुना करने की योजना

नई दिल्ली ।

कारें बनाने वाली कंपनी किआ इंडिया ने 2030 तक पूरी तरह से नॉक-डाउन (सीकेडी) वाहन इकाइयों के अपने निर्यात को दोगुना करने की योजना की घोषणा की है। कंपनी किआ ने बताया कि यह कदम उसकी दीर्घकालिक वैश्विक रणनीति का हिस्सा है, जिसका उद्देश्य वैश्विक ऑटोमोटिव आपूर्ति श्रृंखला में अपनी स्थिति मजबूत करना है।

कंपनी ने खुलासा किया कि उसने आंध्र प्रदेश के अनंतपुर स्थित विनिर्माण संयंत्र से जून 2020 में शिपमेंट शुरू होने के बाद से 100,000 सीकेडी वाहन इकाइयों का निर्यात पूरा कर लिया है। वर्तमान में, किआ इंडिया किआ कॉर्पोरेशन के वैश्विक सीकेडी निर्यात का 50 प्रतिशत योगदान करती है। यह भारतीय परिचालन की वैश्विक बाजार में महत्वपूर्ण भूमिका को रेखांकित करता है। किआ इंडियाने अब तक कुल 367,000 वाहनों का निर्यात किया है। इनमें सेल्टोस, सोनेट और कैरेंस जैसे लोकप्रिय मॉडल शामिल हैं। कंपनी का 2024 में लक्ष्य उज्बेकिस्तान, इक्वाडोर और वियतनाम जैसे नए बाजारों में 38,000 से अधिक सीकेडी इकाइयों का निर्यात करना है।

किआ का अनंतपुर प्लांट उन्नत विनिर्माण तकनीकों से लैस है और यह रणनीतिक रूप से प्रमुख बंदरगाहों के पास स्थित है। इससे निर्यात के लिए कुशल और लागत-प्रभावी रसद सुनिश्चित होती है। किआ इंडिया की विकास रणनीति के तहत मध्य पूर्व और अफ्रीका के बाजार महत्वपूर्ण हैं, जहां किफायती और विश्वसनीय वाहनों की मांग तेजी से बढ़ रही है। किआ ने यह स्पष्ट किया कि सीकेडी निर्यात पर उसका ध्यान घरेलू मांग को पूरा करने की उसकी प्रतिबद्धता के साथ सामंजस्य रखता है।

यह रणनीति भारत को वैश्विक विनिर्माण केंद्र के रूप में स्थापित करने में सहायक साबित होगी।कंपनी के मुख्य बिक्री अधिकारी, जूनसू चो ने कहा, हमारा लक्ष्य 2030 तक सीकेडी निर्यात की मात्रा को दोगुना करना है और मध्य पूर्व और अफ्रीका में अपने पदचिह्न का विस्तार करना है।

उन्होंने भारत सरकार की निर्यात-अनुकूल नीतियों की भी सराहना की और वैश्विक ऑटोमोटिव आपूर्ति श्रृंखला में भारत की भूमिका को मजबूत करने में उनके महत्व को रेखांकित किया।

वर्ष 2032 तक बिजली पारेषण ढांचे पर 9.12 लाख करोड़ खर्च करने की योजना

- 10 साल में 1,91,474 सीकेएम पारेषण लाइन और 1274 जीवीए ट्रांसफॉर्मेशन क्षमता जोड़ी जाएगी

नई दिल्ली । देश में 2032 तक बिजली पारेषण बुनियादी ढांचे की क्षमता बढ़ाने के लिए सरकार ने कुल 9.12 लाख करोड़ रुपए का योजना बनाई है। बिजली राज्य मंत्री श्रीपद येसो नाइक ने संसद में इसकी जानकारी दी। राष्ट्रीय विद्युत योजना (पारेषण) के अनुसार 10 साल की अवधि में 1,91,474 सीकेएम पारेषण लाइन और 1274 जीवीए ट्रांसफॉर्मेशन क्षमता जोड़ी जाएगी। इसके साथ ही 33.25 गीगावाट एचवीडीसी बाइ-पोल लिंक की भी योजना है। नाइक ने बताया कि कुल 9,16,142 करोड़ रुपए का खर्च योजना पर होने की संभावना है। परमाणु ऊर्जा क्षमता निर्माणाधीन है और नवीकरणीय ऊर्जा परियोजनाएं भी चल रही हैं। 2031-32 तक 7,300 मेगावाट परमाणु ऊर्जा क्षमता निर्माणाधीन है, जबकि 31 अक्टूबर, 2024 तक 1,27,050 मेगावाट नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता कार्यान्वयन के अधीन है। सरकार ने वर्ष 2022-23 से वर्ष 2031-32 तक देश में बिजली व्यवस्था को मजबूत बनाने के लिए यह कदम उठाया है।

होंडा ने पेश किए दो इलेक्ट्रिक स्कूटर

नई दिल्ली ।

हाल ही में होंडा मोटरसाइकिल एंड स्कूटर इंडिया ने दो इलेक्ट्रिक स्कूटर भारतीय बाजार में पश किए। ये स्कूटर होंडा एक्टिवा-ई और क्यूसी-1 हैं। उम्मीद जताई जा रही है कि ओला के एस-1 को बाजार में होंडा एक्टिवा-ई, टक्के कर देगा। होंडा एक्टिवा-ई में 102 किलोमीटर की रेंज मिलेगी और इसमें दो स्वेपेबल बैटरी दी गई हैं।

इसकी कीमत कितनी होगी, इसका खुलासा अभी कंपनी ने नहीं किया है। एक्टिवा-ई और होंडा क्यूसीआई में रोड सिंक ड्यो ऐप दिया गया है। होंडा क्यूसी-1 में 80 किलोमीटर की रेंज मिलेगी और यह इलेक्ट्रिक स्कूटर एक फिक्स्ड 1.5 केडब्ल्यूएच बैटरी पैक के साथ पेश किया गया है। इसमें 7.0 इंच की टीएफटी स्क्रीन मिलती है जो होंडा रोड सिंक ड्यो ऐप के साथ रियल-टाइम कनेक्टिविटी देती है। एक्टिवा-ई में बड़ी सीट, स्मार्ट की, यूएसबी सी और हुक, स्मार्ट कनेक्टिवटी, इनबिल्ट जीपीएस, डे और नाइट मोड और नेविगेशन जैसे फीचर्स दिए गए हैं। इसके दोनों तरफ टर्न इंडिकेटर्स के साथ एलईडी हेडलैंप लगे हैं। यह डुअल-टोन सीट, 12-इंच डायमंड कट एलॉय व्हील, फ्लैट फुटबोर्ड और मजबूत ग्रैबरेल जैसी खासियतों से भी लैस है। इसमें 7.0 इंच की टीएफटी स्क्रीन भी लगी है। होंडा एक्टिवा ई में एक स्वैपेबल बैटरी सेटअप है जिसमें दो 1.5 केडब्ल्यूएच बैटरी हैं। इसका पावर आउटपुट 4.2 केडब्ल्यू (5.6 बीएचपी) है जिसे अधिकतम 6.0 केडब्ल्यू तक बढ़ाया जा सकता है। इसमें तीन राइडिंग मोड स्टैंडर्ड, स्पोर्ट और इकॉन दिया गया है। इलेक्ट्रिक स्कूटर पर्ल जुबली व्हाइट, मैट गनपाउडर ब्लैक मेटैलिक और प्रीमियम सिल्वर मेटालिक कलर ऑप्शन में आएगा। होंडा क्यूसी-1 में मिलेगी 80 किलोमीटर की रेंज मिलेगी। यह इलेक्ट्रिक स्कूटर एक फिक्स्ड 1.5 केडब्ल्यूएच बैटरी पैक के साथ आता है। इसका पावर आउटपुट 1.2 केडब्ल्यू (1.6 बीएचपी) और 1.8 केडब्ल्यू (2.4 बीएचपी) है। इलेक्ट्रिक स्कूटर को 0 से 75 प्रतिशत चार्ज होने में 3 घंटे लगेंगे हैं और स्टैंडर्ड चार्जर से 0 से 100प्रतिशत चार्ज होने में 6 घंटे लगेंगे।इस इलेक्ट्रिक स्कूटर की बुकिंग 1 जनवरी से शुरू होगी। ई-एक्टिवा में ट्रेडिशनल स्कूटर डिजाइन दिया गया है। इसमें हेडलाइट फ्रंट पैनल पर दी गई है, जबकि एक्टिवा पेट्रोल वर्जन में हैंडल बार पर हेडलाइट मिलती है।

त्योहारी सीजन में क्रेडिट कार्ड से खर्च दो लाख करोड़ रुपए के पार पहुंचा

-आरबीआई के आंकड़ों में पिछले साल की तुलना में 13 फीसदी ज्यादा वृद्धि

नई दिल्ली।

त्योहारी सीजन में भारत में क्रेडिट कार्ड से खर्च दो लाख करोड़ रुपए के पार हो गया, जो सितंबर माह की तुलना में 14.5 फीसदी ज्यादा है। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के ताजा आंकड़ों के मुताबिक अक्टूबर में क्रेडिट कार्ड पर खर्च 2.02 लाख करोड़ रुपए तक पहुंच गया, जो पिछले साल की तुलना में 13 फीसदी ज्यादा है। आरबीआई के मुताबिक सिस्टम में बकाया क्रेडिट कार्ड 12.85 फीसदी बढ़कर 106.88 मिलियन हो गए, जो सितंबर से 0.74 फीसदी ज्यादा है। एचडीएफसी बैंक 241,119 क्रेडिट कार्ड जारी कर चार्ट में सबसे आगे रहा, उसके बाद एसबीआई कार्ड्स ने 220,265 कार्ड और आईसीआईसीआई बैंक ने 138,541 कार्ड जारी किए। इस बीच आरबीआई के मासिक आंकड़ों के मुताबिक यूपीआई आधारित डिजिटल भुगतान में आए उछाल से डेबिट कार्ड आधारित लेनदेन अगस्त में करीब 43,350 करोड़ रुपए से करीब 8 फीसदी घटकर सितंबर में करीब 39,920 करोड़ रुपए रहा। दूसरी ओर देश में क्रेडिट कार्ड लेनदेन में वृद्धि हुई, जिसमें सितंबर माह में करीब पांच फीसदी की बढ़ोतरी हुई, जो अगस्त में 1.68 लाख करोड़ से बढ़कर 1.76 लाख करोड़ रुपए हो गई। जानकारों के मुताबिक क्रेडिट कार्ड खर्च में वृद्धि पिछले साल और त्योहारी सीजन में लोअर बेस के कारण हुई है, क्योंकि त्योहारी सीजन में समान मासिक किस्तों जैसी प्रमोशनल स्कीम में तेजी आई है। मार्च 2021 में डिजिटल भुगतान की हिस्सेदारी 14-19 फीसदी से बढ़कर मार्च 2024 में 40-48 फीसदी हो गई, जिसमें यूपीआई की अहम भूमिका रही। यूपीआई लेनदेन में 75 फीसदी सीएजीआर की शानदार गति से वृद्धि हुई है, जबकि अगस्त 2019-अगस्त 2024 की अवधि में यूपीआई खर्च 68 फीसदी सीएजीआर की दर से बढ़ा है, क्योंकि कार्ड इंडस्ट्री की बढ़ोतरी धीमी रही। हालिया रिपोर्ट के मुताबिक यूपीआई की बढ़ती लोकप्रियता लेनदेन मात्रा अनुपात से देखी जा सकती है, जो क्रेडिट कार्ड लेनदेन मात्रा का 38.4 गुना है। यूपीआई लेनदेन के कम टिकट साइज को देखते हुए, अगस्त में यूपीआई-टू-क्रेडिट कार्ड खर्च 0.3 गुना रहा, जो वर्तमान स्तरों पर काफी हद तक स्थिर है।

मोटर इंश्योरेंस को लेकर लोग हुए जागरुक, टियर 2 और 3 शहरों में हुई ग्रोथ

-अगस्त से अक्टूबर के प्रीमियम में पिछले साल की तुलना में 2.3 गुना बढ़ोतरी

मुंबई। निजी उपभोग बढ़ने से टियर 2 और 3 शहर मोटर इंश्योरेंस सेक्टर के लिए ग्रोथ इंजन के रूप में उभर रहे हैं। एक रिपोर्ट में बढ़ती मोटर इंश्योरेंस की मांग दिखाती है कि देश में वाहनों की संख्या में इजाफा हुआ है और लोगों में इंश्योरेंस को लेकर जागरूकता आई है। आंकड़ों के मुताबिक शहरों ने इस साल त्योहारी सीजन में बेची गई पॉलिसियों की संख्या और प्रीमियम राशि में 90 फीसदी से ज्यादा योगदान दिया है। कंपनी ने अपने बीमा सलाहकारों के बड़े नेटवर्क के जरिए से चार लाख से ज्यादा मोटर बीमा पॉलिसियां जारी की हैं, जो पिछले साल की समान अवधि की तुलना में करीब 2 गुना ज्यादा है। अगस्त से अक्टूबर की अवधि में मोटर बीमा के कुल प्रीमियम में पिछले साल की तुलना में 2.3 गुना बढ़ोतरी हुई। जयपुर में मोटर इंश्योरेंस प्रीमियम में 191 फीसदी, इंदौर में 31 फीसदी और लखनऊ में 15 फीसदी की वृद्धि हुई। टर्टलमिंट के सीईओ ने कहा कि भारत का बीमा क्षेत्र विकास पथ पर है, जिसमें मोटर बीमा का अहम योगदान है। मोटर पॉलिसी की बिक्री में सालाना आधार पर 85 फीसदी बढ़ोतरी हो रही है। रिपोर्ट में कहा गया कि डिस्काउंट और ऑफर के कारण त्योहारी सीजन में रिकॉर्ड वाहनों की बिक्री होती है। इसके साथ ही मोटर इंश्योरेंस की खरीद में भी बढ़ोतरी देखने को मिलती है। पिछले हफ्ते, क्रेडिट रेटिंग एजेंसी आईसीआरए ने स्थिर रिप्लेसमेंट मांग और अच्छी बारिश के कारण ग्रामीण मांग में सुधार के कारण वित्त वर्ष 2025 के लिए भारतीय दोपहिया उद्योग की थोक मात्रा में वृद्धि के आउटलुक को संशोधित कर 11-14 फीसदी कर दिया। अक्टूबर में देश में कुल दोपहिया वाहनों की बिक्री 14.2 फीसदी बढ़कर 21.64 लाख यूनिट हो गई, जबकि अक्टूबर 2023 में यह 18.96 लाख यूनिट थी। सोसाइटी ऑफ इंडियन ऑटोमोबाइल मैन्युफैक्चरर्स (एसआईएएम) के ताजा आंकड़ों के मुताबिक कारों और एसयूवी सहित यात्री वाहनों की बिक्री भी अक्टूबर में बढ़कर 3.93 लाख यूनिट के उच्चतम मासिक स्तर पर पहुंच गई।

भारतीय स्टेट बैंक की रेकरिंग डिपाजिट स्कीम में अच्छे रिटर्न की उम्मीद

- मात्र 100 रुपए से शुरू कर सकते हैं निवेश

मुंबई ।

वर्तमान समय में लोग विभिन्न निवेश विकल्पों की खोज में हैं जो उन्हें सुरक्षितता और अच्छे रिटर्न की सुनिश्चित करें। भारतीय स्टेट बैंक ने एक ऐसी महत्वपूर्ण योजना शुरू की है, जिसे आरडी स्कीम कहा जाता है और उसमें निवेश करने पर विशेष ब्याज दर के साथ सुरक्षितता मिलती है। एसबीआई की रेकरिंग डिपाजिट स्कीम में निवेश करने पर निवेशकों को सुरक्षित और साथ ही तगड़ा रिटर्न मिलता है। इस स्कीम में ग्राहक अपनी सुविधा के हिसाब से निवेश की अवधि चुन सकते हैं और वरिष्ठ नागरिकों के लिए भी अतिरिक्त ब्याज की ऑफर है। यह बचत योजना ग्राहकों को नियमित रूप से छोटी राशि जमा करने की संभावना देती है, जिससे एक बड़ा फंड जमा किया जा सकता है। उसके पश्चात निर्धारित अवधि के साथ ब्याज सहित राशि वापस मिलती है।

वर्तमान में एसबीआई रेकरिंग डिपाजिट स्कीम में जमा करने पर

4.0 से 6.5 फीसदी तक का ब्याज मिलता है। समय-समय पर बैंक की और से दी जाने वाली ब्याज दरें बदलती रहती हैं, जिससे निवेशकों को लाभ हो सकता है। इसलिए अगर आप भविष्य को सुरक्षित और अच्छे रिटर्न के साथ बनाना चाहते हैं, तो एसबीआई की रेकरिंग डिपाजिट स्कीम में निवेश की सोच सकते हैं। यह एक विश्वसनीय विकल्प हो सकता है जो आपके लिए एक सुरक्षित भविष्य की गारंटी प्रदान कर सकता है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

एडीलेड में पिछली हार का हिसाब बराबर करना चाहेगी टीम इंडिया

मुम्बई (एजेंसी)। भारतीय टीम 6 दिसंबर से एडीलेड में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सीरीज का दूसरा टेस्ट मैच खेलेगी। गुलाबी गेंद से खेले जाने वाला यह मैच दिन-रात वाला होगा। भारतीय टीम ने अब तक गुलाबी गेंद से चार टेस्ट खेले हैं जिसमें से उसे 3 में जीत मिली है जबकि एक में उसे हार का सामना करना पड़ा है। भारतीय टीम को जिस एक दिन-रात वाले टेस्ट में हार मिली है वो ऑस्ट्रेलिया में ही एडिलेड में खेला गया था। वहीं इस बार भी दूसरा टेस्ट इसी स्थल पर खेला जाएगा। ऐसे में इस बार भारतीय टीम इस बार उस हार का बदला लेना चाहेगी। भारतीय टीम ने अपना पहला दिन-रात टेस्ट मैच साल 2019 में खेला थ। कोलकाता के ईडन गार्डंस स्टेडियम में खेले गए इस दिन-रात के टेस्ट में भारतीय टीम ने बांग्लादेश को एक पारी और 46 रन से हराया था। इस मुकाबले में भारतीय टीम के अुनभवी बल्लेबाज विराट कोहली ने शतकीय पारी खेलकर भारत की जीत में अहम भूमिका निभाई थी जबकि तेज गेंदबाज ईशांत शर्मा ने कुल 9 विकेट लिए थे।

भारतीय टीम ने अपना दूसरा दिन-रात का टेस्ट साल 2020 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ खेला था। एडिलेड में 17 दिसंबर से खेले गए इस टेस्ट मैच में भारत को 8 विकेट से हार का सामना करना पड़ा था। वहीं साल 2021 में टीम इंडिया ने अपना तीसरा दिन-रात का टेस्ट खेला। इंग्लैंड के खिलाफ अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेले गए इस टेस्ट मैच में भारत ने 10 विकेट से जीत दर्ज की थी।

इंग्लैंड के खिलाफ इस मैच में अक्षर पटेल ने 11 विकेट लेकर भारतीय टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई थी। वहीं भारतीय टीम ने अपना चौथा डे नाइट टेस्ट मैच श्रीलंका के खिलाफ साल 2022 में खेला था। बैंगलोर के एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में खेल गए इस टेस्ट में भारत ने 238 रन से बड़ी जीत दर्ज की थी।

आईपीएल के बाद अब महिला प्रीमियर लीग ऑक्शन की बारी, जानें आगामी सीजन की नीलामी की पूरी जानकारी

मुंबई (एजेंसी)। महिला प्रीमियर लीग के तीसरे सीजन की शुरुआत अगले साल 23 फरवरी से होने वाली है। वहीं आगामी टूर्नामेंट के लिए खिलाड़ियों की मिनी नीलामी अगले महीने 15 दिसंबर को बेंगलुरु में होगी। इसके लिए बीसीसीआई ने लीग की पांचों फ्रेंचाइजी को इससे जुड़ी वेन्यू और तारीख के बारे में इनफॉर्म कर दिया है। बेंगलुरु के एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में 23 फरवरी को महिला प्रीमियर लीग का आगाज होगा। मुकाबले दो शहरों बेंगलुरु और दिल्ली में खेले जाएंगे।

क्रिकबज की रिपोर्ट के मुताबिक महिला प्रीमियर लीग के तीसरे सत्र से पहले मिनी नीलामी 15 दिसंबर को बेंगलुरु में होगी। नीलामी में 19 स्थान यानी 14 भारतीय और 5 विदेशी के लिए बोली लगेगी। जिसमें टीमें 16.7 करोड़ रुपये खर्च कर सकती हैं।

हर टीम के पास 18 खिलाड़ी होते हैं और टीमें 15 करोड़ तक खर्च कर सकती हैं। हर स्क्वॉड में ज्यादा से ज्यादा 6 विदेशी खिलाड़ियों को शामिल करने की अनुमति है। रिटेंशन के बाद गुजरात जायंट्स के पास 4.4 करोड़ रुपये का अधिकतम पर्स है, जिसमें चार स्लॉट भरने हैं। लीग के शुरुआती 11 मैच बेंगलुरु खेले जाएंगे। सीजन का पहला मैच मुंबई और दिल्ली कैपिटल्स के बीच खेला जाएगा। दिल्ली का अरुण जेटली स्टेडियम 15 और 17 मार्च को क्रमशः एलिमिनेटर और फाइनल सहित अंतिम 11 मुकाबलों की मेजबानी करेगा।

शुभमन गिल अंगूठे की चोट से उबरकर नेट्स पर लौटे, कहा- रिकवरी अपेक्षा से बेहतर रही

कैनबरा (एजेंसी)। अंगूठे की चोट के कारण आस्ट्रेलिया के खिलाफ पर्थ टेस्ट से बाहर रहे शुभमन गिल ने फिट होने के बाद शुक्रवार को भारतीय टीम के साथ नेट्स पर अभ्यास किया। पहले टेस्ट में गिल की कमी महसूस नहीं हुई क्योंकि भारत ने 295 रन से जीत दर्ज की। पिछले दौरे पर उनके शानदार फॉर्म को देखते हुए हालांकि टीम को उसकी जरूरत है।

शीर्षक्रम के बल्लेबाजों ने नेट्स पर यश दयाल और आकाश दीप की गेंदों का सामना किया। भारत को कल से ऑस्ट्रेलियाई प्रधानमंत्री एकादश के खिलाफ अभ्यास मैच खेलना है। गिल ने अभ्यास सत्र के बाद बीसीसीआई द्वारा एक्स पर पोस्ट किए गए वीडियो में कहा, 'मैं देख रहा था कि चोट से कितना उबर गया हूं। किसी तरह की सूजन तो नहीं है लेकिन मैने और कमलेश भाई (कमलेश जैन, फिजियो) की अपेक्षा से बेहतर रिकवरी है। मैं बहुत खुश हूं।'

पहले टेस्ट से बाहर रहने से निराश गिल ने कहा, 'हर गेंद को बल्ले से पीटने का अनुभव शानदार होता है और मैं उसी के लिए खेलता हूं। जब मुझे चोट के बारे में पता चला तो पहले कुछ दिन काफी निराशाजनक रहे।' उन्होंने कहा, 'पर्थ में हमने पिछली बार 2020-21 के दौरे पर नहीं खेला था। यह शानदार मैदान है और टीम के प्रदर्शन से मैं काफी खुश था।'

गिल की गैर मौजूदगी में तीसरे नंबर पर उतरे देवदत्त पडिक्कल प्रभाव नहीं छोड़ सके। गिल हालांकि शीर्ष क्रम की बजाय मध्यक्रम में उतर सकते हैं क्योंकि रोहित शर्मा की गैर मौजूदगी में केएल राहुल ने पारी की शुरूआत करते हुए अच्छा प्रदर्शन किया था। रोहित अब यशस्वी जायसवाल के साथ पारी का आगाज करेंगे जिससे राहुल तीसरे और गिल पांचवें नंबर पर उतर सकते हैं।

रिवर्स स्विंग, धीमी गेंद, अच्छे बाउंसर, उसके पास सब कुछ है, स्मिथ ने भारतीय गेंदबाज को बताया फुल पैकेज

मेलबर्न (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया के प्रमुख बल्लेबाज स्टीव स्मिथ का मानना है कि भारत के स्टार तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह का विचित्र गेंदबाजी एक्शन और असाधारण कौशल उन्हें संपूर्ण पैकेज बनाता है। नियमित कप्तान रोहित शर्मा की गैर मौजूदगी में कप्तानी करते हुए बुमराह ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पहले टेस्ट में आठ विकेट लिए और 'प्लेयर आफ द मैच' चुने गए।

स्मिथ ने कहा, 'उसके रनअप की शुरूआत से ही उसका गेंदबाजी एक्शन अजीब है। वह अलग ही तरह से दौड़ता है और उसके एक्शन का आखिरी मूवमेंट भी विचित्र है। मैने उसका सामना काफी बार किया है और हर बार

उसके खिलाफ क्रीज पर जमने में समय लगता है।'

पहले टेस्ट की पहली पारी में स्मिथ को बुमराह ने ही आउट किया था। पाकिस्तान के पूर्व कप्तान वसीम अकरम ने कहा कि बुमराह जब गेंद को छोड़ते हैं तो दूसरे गेंदबाजों की तुलना में बल्लेबाज से कम से कम एक फुट करीब होते हैं जिससे गेंद की लैंग्थ को पकड़ना मुश्किल हो जाता है।

स्मिथ ने कहा, 'वह आपके करीब आकर गेंद छोड़ता है जिससे आपको समय ही नहीं मिल पाता। इसके अलावा वह गेंद को दोनो ओर से स्विंग करा सकता है। रिवर्स स्विंग, धीमी गेंद, अच्छे बाउंसर, उसके पास सब कुछ है। वह एक गेंदबाज के तौर पर पूरा पैकेज है।' ऑस्ट्रेलिया के पूर्व तेज गेंदबाज डेमियन मार्टिन ने कहा, 'वह टर्मिनेटर है। उसे अपनी ताकत पता है और वह बल्लेबाज की कमजोरियां ढूंढ लेता है। उसका रनअप लंबा नहीं है लेकिन वह काफी चतुराई से गेंदबाजी करता है।'

दक्षिण अफीकी तेज गेंदबाज यानसन ने लिए सात विकेट, श्रीलंका 42 पर सिमटी

डरबन । दक्षिण अफीका के तेज गेंदबाज मार्को यानसेन ने श्रीलंका के खिलाफ पहले टेस्ट मैच में अपनी घातक गेंदबाजी की है। आईपीएल 2025 ऑक्शन में 7 करोड़ में बिके यानसन ने केवल 13 रन देकर सात विकेट लेकर श्रीलंकाई टीम को पहली पारी में केवल 42 रनों पर ही समेट दिया। यानसेन को आईपीएल ऑक्शन में पंजाब किंग्स ने खरीदा है। इससे पहले मेजबान दक्षिण अफीकी टीम ने अपनी पहली पारी में 191 रन बनाये थे। श्रीलंका की टीम पहली पारी में 13.5 ओवर में ही आउट हो गयी। यह श्रीलंका के टेस्ट इतिहास का सबसे कम स्कोर है। इससे पहले श्रीलंका का सबसे कम स्कोर 71 रन था जो उसने पाकिस्तान के खिलाफ 1994 में कैंडी में बनाया था। साल 2006 में पाकिस्तान ने श्रीलंका को कैंडी में ही 73 रनों पर समेट दिया था जबकि इंग्लैंड ने 2001 में कोलंबो में श्रीलंका को 81 रन पर आउट किया था। यानसेन तेज गेंदबाजी करने के साथ साथ निचले ऑर्डर में आकर बड़े बड़े शॉट खेलते हैं। यानसेन ने हाल में भारत के खिलाफ खेले गए 4 मैचों की टी20 सीरीज में बेहतरीन बल्लेबाजी की थी। इसी को देखकर पंजाब किंग्स ने इस गेंदबाज को 7 करोड़ रुपये में अपने साथ जोड़ा है।

सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी : दिल्ली के सभी खिलाड़ियों ने गेंदबाजी कर बनाया विश्व रिकार्ड

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली और मणिपुर के बीच खेले गए सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी 2024 के ग्रुप सी में मैच में एक अनौखा विश्व रिकार्ड बनाया। इस मैच में दिल्ली की ओर से से सभी 11 खिलाड़ियों ने गेंदबाजी की। यहां तक कि विकेटकीपर आयुष बदोनी ने भी गेंदबाजी की। आयुष टीम के कप्तान भी हैं। इस मैच में 11 के 11 खिलाड़ियों में किसी ने अपनी सभी ओवर नहीं किये। हर्ष त्यागी, दिग्वेश राठी और मयंक रावत ने तीन-तीन ओवर किए, जबकि आयुष सिंह, अखिल चौधरी और आयुष बदोनी ने दो-दो ओवर किए। वहीं आर्यन राणा, हिम्मत सिंह, प्रियांश आर्या, यश धुल और अनुज रावत ने एक-एक ओवर फेंका।

मणिपुर ने इस मैच में 20 ओवर में आठविकेट पर 120 रन बनाए। 41 रनों के अंदर ही मणिपुर ने अपने छह विकेट खो दिए थे। इसके बाद कप्तान रेक्स राजकुमार, और विकेटकीपर अहमद शाह ने मिलकर मणिपुर को संभालने का प्रयास किया। अहमद ने सबसे अधिक 32 रन बनाये। वहीं उलेनयई ने 19 रन बनाए। अन्य बल्लेबाज सस्ते में निपट गये।

मणिपुर की ओर से निचले क्रम के

Aayush Singh	2	0	7
Akhil Chaudhary	2	0	10
Harsh Tyagi	3	0	11
Digvesh Rathi	3	1	8
Mayank Rawat	3	0	31
Ayush Badoni (c & wk)	2	1	8
Aryan Rana	1	0	11
Himmat Singh	1	0	10
Priyansh Arya	1	0	2
Yash Dhull	1	0	5
Anuj Rawat	1	0	14

बल्लेबाजों ने टीम का स्कोर 100 रन के ऊपर पहुंचाया। ये टी20 में पहली बार है जब किसी टीम की ओर से 11 के 11 खिलाड़ियों ने गेंदबाजी की हो और अब यह विश्व रिकॉर्ड दिल्ली के नाम दर्ज हो गया है।

विराट का दिन रात के मैचों में 46.16 रहा है बल्लेबाजी औसत

एडीलेड। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच 6 दिसंबर से एडीलेड में दूसरा क्रिकेट टेस्ट मैच खेला जाएगा। गुलाबी गेंद से खेला जाने वाला ये मैच दिन-रात का होगा। इस मैच से पहले ही विराट के शानदार शतक से साफ है कि वह फार्म में आ गये हैं। विराट कोहली ने एडिलेड में गुलाबी गेंद से पहले भी एक टेस्ट मैच खेले था जिसमें उन्होंने पहली पारी में 74 रन बनाए हैं जबकि दूसरी पारी में 4 रन बनाए। दिन-रात के चार टेस्ट मैचों में कोहली के नाम कुल 277 रन हैं जिसमें उनकी बल्लेबाजी औसत 46.16 रहा है। विराट ने बांग्लादेश के खिलाफ साल 2019 में खेले गए दिन-रात के टेस्ट मैच में 136 रन की पारी खेली थी। यह गुलाबी गेंद से हुआ टेस्ट मैच कोलकाता के ईडन गार्डन में खेला गया था। भारत ने इस टेस्ट को पारी के अंतर से जीता था। इंग्लैंड के खिलाफ अहमदाबाद में खेले गए गुलाबी गेंद से टेस्ट मैच में कोहली ने 27 रन बनाए जबकि दूसरी पारी में उनकी बल्लेबाजी नहीं आयी। वहीं बैंगलोर में श्रीलंका के खिलाफ खेले दिन-रात के टेस्ट मैच में विराट ने चिन्नास्वामी स्टेडियम में 23 रन बनाये थे जबकि दूसरी पारी में उन्होंने 13 रन बनाए। विराट पर्थ वाली लय को एडिलेड में भी बनाये रखना चाहेंगे। उन्होंने टेस्ट करियर का 30वां शतक लगाया जबकि अंतरराष्ट्रीय करियर का ये 81 वां शतक था। विराट ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ ओवरऑल 26 टेस्ट मैच खेल हैं जहां उन्होंने 2147 रन बनाए हैं। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ उन्हें 9 टेस्ट शतक भी लगाये हैं।

सैयद मोदी इंटरनेशनल: पीवी सिंधू और लक्ष्य सेन का बेहतरीन प्रदर्शन, क्वार्टर फाइनल के लिए किया क्वालिफाई

नई दिल्ली (एजेंसी)। स्टार शटलर पीवी सिंधू ने सैयद मोदी इंटरनेशनल टूर्नामेंट के महिला सिंग्लस में अपनी हमवतन ईरा शर्मा को तीन गेम में हराकर क्वार्टरफाइनल में एंट्री कर ली है। दो बार की ओलंपिक मेडलिस्ट और दुनिया की 18वें नंबर की खिलाड़ी सिंधू को 147वें नंबर की खिलाड़ी ईरा के खिलाप दूसरे कौर के मुकाबले में 21-10, 12-21, 21-15 से जीत दर्ज करने के दौरान 49 मिनट तक जूझना पड़ा।

सिंधू पिछले कुछ समय से खराब फॉर्म से जूझ रही हैं और उन्होंने पिछला खिताब 2022 में सिंगापुर ओपन में जीता था। ये 29 वर्षीय भारतीय अगले दौर में चीन की दुनिया की 118वें नंबर की खिलाड़ी डाइ वैंग से

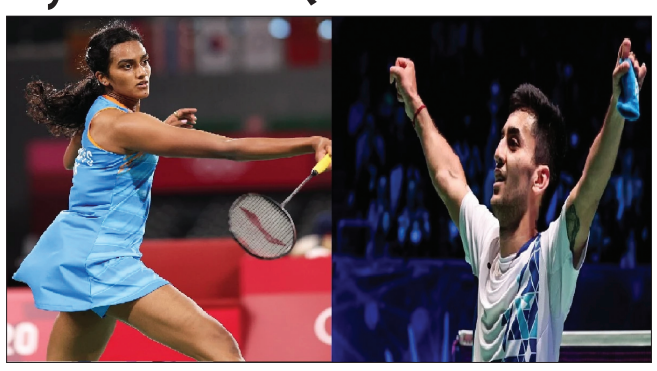

भिड़ेंगी। वैंग ने दूसरे दौर में भारत की देविका सिहाग को 19-21 21-18 21-11 से हराया।

शीर्ष वरीय लक्ष्य सेन ने हालांकि, पुरुष एकल के दूसरे दौर के मुकाबले में इजराइल के दानिल डुबोवेंको के खिलाफ सीधे गेम में 35 मिनट में 21-14 21-13 की जीत के साथ अंतिम आठ में जगह बनाई। लक्ष क्वार्टर फाइनल में मेइराबा लुवांग के खिलाफ खेलेंगे जिन्होंने आयरलैंड के छठे वरीय एनहाट एनगुएन को 21-15 21-13 से हराया।

पुरुष एकल के अन्य मुकाबलों में भारत के आयुष शेट्टी ने मलेशिया के होह जस्टिन को 21-12 21-19 से हराया जबकि तीसरे वरीय किरण जॉर्ज को जापान के शोगो ओगावा के खिलाफ 21-19 20-22 11-21 से शिकस्त झेलनी पड़ी। भारत के दूसरे वरीय प्रियांशु राजावत ने भई वियतनाम के ली डुक फाट को 2115 21-8 से हराकर क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई।

जयशंकर भी हैं विराट के प्रशंसक

नई दिल्ली । विदेश विदेश मंत्री एस जयशंकर भी अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली के प्रशंसक हैं। जयशंकर ने दिग्गज क्रिकेटर मोहिंदर अमरनाथ की आत्मकथा 'फियरलेस' का विमोचन करने के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में कहा कि मैं जिस क्रिकेटर का खेल देखना पसंद करता हूं वह विराट हैं। जिस जूनुन के साथ वह खेलते हैं और प्रदर्शन करते हैं वह शानदार है। मुझे लगता है कि युवाओं को उनसे बहुत कुछ सीखना चाहिए। ऑलराउंडर अमरनाथ ने साल 1983 में भारत को विश्व चैंपियन बनाने में अहम भूमिका निभाई थी। जयशंकर ने कहा, ' मेरे लिए पूरी दुनिया मेरे पीछे आने वाले तेज गेंदबाजों का एक समूह है। मैं अपने साथियों को भी यही सलाह देता कि जल्दी आगे बढ़ो, देर से खेलो, अच्छी तरह से तैयारी करो, उन्हें समझो और फिर खेलो।' साथ ही साथ कहा कि जैसा अमरनाथ ने पाकिस्तान और 1982-83 के दौरे के बारे में कहा है। जयशंकर ने कहा कि आपने कहा कि आपने उन्हें अच्छे तरीके से खेला क्योंकि पारंपरिक स्थिति में आप पाकिस्तान के सामने खुलकर खेलते हैं। अमरनाथ ने 1969 से लेकर 1989 तक अपने क्रिकेट करियर में 69 टेस्ट मैचों में 4,378 रन बनाए जबकि 85 एकदिवीसय में उनके नाम 1,924 रन दर्ज हैं। उन्होंने 1983 विश्व कप विजेता टीम और भारत की वर्तमान क्रिकेट टीम की तुलना की। इस अवसर पर महान ऑलराउंडर कपिल देव और मोहिंदर अमरनाथ के भाई राजिंदर अमरनाथ भी मौजूद थे। अगरनाथ ने इस दौरान युवा सलामी बल्लेबाजी यशस्वी जायसवाल की जमकर सराहना की। यशस्वी ने ऑस्ट्रेलिया दौरे में पहले ही टेस्ट में शतक लगाया है।

पृथ्वी को कई मायनों में गलत समझा गया : पार्थ जिंदल

-कैरियर को पटरी पर लाने कड़ी मेहमन करनी होगी

नई दिल्ली (एजेंसी)। आईपीएल फ्रेंचाइजी दिल्ली कैपिटल्स के सह-मालिक पार्थ जिंदल ने कहा है कि पृथ्वी शॉ वह एक शानदार बच्चा है पर उसे कई मायनों में गलत समझा गया। साथ ही कहा कि जब आप अपनी पूरी जिंदगी यही सुनते हुए बड़े होते हैं कि आप बहुत खास हैं, सबसे प्रतिभाशाली हैं। आपकी ब्रायन लारा या दिगगज सचिन तेंदुलकर से तुलना की जाती है, तो यह दबाव पैदा करता है। अब मेगानीलामी में नहीं बिकना उसके लिए एक बड़ा झटका है। जिसकी शायद उसको

जरूरत थी।' शॉ 2018 में अपनी कप्तानी में अंडर 19 टीम को विश्व चैंपियन बनाने के बाद से ही दिल्ली कैपिटल्स टीम में रहे थे। उन्हें दिल्ली ने तब 1.2 करोड़ में अपने साथ जोड़ा था। 2022 में नीलामी से पहले उन्हें दिल्ली ने 7.5 करोड़ में रिटेन किया पर पिछले कुछ साल में उनके प्रदर्शन में गिरावट आई है।

जिंदल ने कहा कि पृथ्वी शॉ को अ अपनी फिटनेस पर काम करना होगा। इसके लिए उन्हें अनुशासन को भी बनाए रखना होगा। उसे गेम में वापस आने के लिए कड़ी मेहनत करनी होगी। इससे पहले वह आईपीएल में अच्छे अनुबंध पर था। वह दिल्ली के लिए पारी की शुरुआत करता था। मैं उम्मीद करता हूं कि वह वापसी में सफल रहेगा और उसी पृथ्वी को हम दोबारा देख पांएगे जिसे हम जानते हैं। पृथ्वी इस झटके को अपने लिए इसे वेकअप कॉल की तरह ले सकता है. जो उसके क्रिकेट करियर को ट्रैक पर ला सकता है। पृथ्वी शॉ ने आईपीएल 2024 के पिछले सत्र के 8 मैचों में केवल 198 रन बनाए थे। इसी कारण दिल्ली कैपिटल्स ने उन्हें 2025 नीलामी से पहले ही उन्हें बाहर कर दिया था। इसके बाद मेगा नीलामी में उन्हें किसी भी टीम ने नहीं खरीदा।

पुणे में मैच के दौरान हुई क्रिकेटर की मौत

नई दिल्ली । क्रिकेट मैच के दौरान एक और क्रिकेटर की मौत का मामला सामने आया है। पुणे में बुधवार रात खेले गए मैच में 35 साल के इमरान पटेल की सीने में दर्द उठने के बाद मौत हो गई। लीग मैच में पटेल पारी की शुरुआत कर रहे थे। कुछ ओवर खेलने के बाद उन्होंने अंपायर से सीने में दर्द की शिकायत की। इसके बाद वह पवेलियन की ओर जाने लगे पर बीच में ही मैदान में गिर गये। पटेल को तत्काल अस्पताल ले जाया गया पर डॉक्टरों ने जांच के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया। वहीं क अन्य क्रिकेटर नासिर खान ने कहा कि इमरान पटेल को कोई बिमारी नहीं थी पर उनकी मौत से स्तब्ध हैं। मृत क्रिकेटर के परिवार में पत्नी और तीन बेटियां हैं। उनकी सबसे छोटी बेटी केवल 4 महीने की है। पटेल रिलय एस्टेट का कारोबार करते हैं। इमरान की मौत ठीक उसी तरह से हुई जिस तरह से हबीब शेख ने कुछ समय पहले मैच खेलते हुए दम तोड़ दिया था।

चैंपियंस ट्रॉफी को लेकर भारत सरकार का बड़ा बयान, पाकिस्तान को दिया अल्टीमेटम

नई दिल्ली (एजेंसी) चैंपियंस ट्रॉफी को लेकर आईसीसी की आज अहम बैठक कर रही है। जिसमें अगले साल होने वाली चैंपियंस ट्रॉफी के लंबे समय से प्रतीक्षित कार्यक्रम को लेकर मुक्य चर्चा करने वाली है तो दूसरी ओर भारत सरकार की ओर से पहली बार पूरे मामले पर बयान आया है। चैंपियंस ट्रॉफी की मेजबानी पाकिस्तान के पास है और बीसीसीआई ने आईसीसी को बता दिया है कि वह टीम को पाकिस्तान नहीं भेजेगा। पाकिस्तान दूसरी तरफ टूर्नामेंट को हाइब्रिड मॉडल के तहत आयोजित नहीं करने पर अड़ा हुआ है।

आईसीसी बोर्ड की बैठक वर्चुअल तरीके से होगी और इसमें चैंपियंस ट्रॉफी के कार्यक्रम को लेकर कोई हल निकलने की संभावना है। आईसीसी के फैसले से ठीक पहले भारत के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जयसवाल ने एक लाइन में बड़ा बयान दिया है। उन्होंने साफ-साफ लहजे में कहा कि, बीसीसीआई ने बयान जारी किया है।

बोर्ड के अनुसार, पाकिस्तान में सुरक्षा संबंधित दिक्कते हैं, इसलिए टीम पाकिस्तान नहीं जाएगी। हम इसी पर कायम हैं। इस बीच आईसीसी के सदस्य पीसीबी को ये समझाने की कोशिश कर रहे हैं कि भारत और पाकिस्तान के बीच मैच के बिना चैंपियंस ट्रॉफी की चमक फीकी पड़ जाएगी और सबसे अहम बात ये है कि इससे बड़े पैमाने पर वित्तीय नुकसान होगा।

वहीं इस मामले की जानकारी रखने वाले एक सूत्र ने कहा कि, इस समय हाइब्रिड मॉडल सबसे अच्छा विकल्प है। हमें उम्मीद है कि टूर्नामेंट में शामिल सभी पक्ष टूर्नामेंट के हित में समझदारी भरा फैसला लेगें। भारत और पाकिस्तान के बिना टूर्नामेंट का आयोजन करना अच्छा नहीं है। टूर्नामेंट के मुख्य प्रसारक जियो स्टार ने पहले ही आईसीसी के टॉप अधिकारियों से संपर्क कर कार्यक्रम के बारे में आखिरी निर्णय पर पहुंचने में हो रही देरी पर अपनी निराशा व्यक्त की है। आईसीसी और प्रसारणकर्ता के बीच हुए अनुबंध के अनुसार संचालन संस्था से अपेक्षा की गई थी कि वह टूर्नामेंट का कार्यक्रम कम से कम 90 दिन पहले दे, लेकिन ये समय सीमा पहले ही पार कर ली गई है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

आया मौसम गाजर का

मैदानी क्षेत्रों में एशियायी किस्में अगस्त-सितम्बर माह और यूरोपयिन किस्में अक्टूबर-मध्य दिसम्बर तक बोयी जाती हैं। बीजों को 15 दिनों के अंतराल से बोया जाता है। ताकि नियमित आपूर्ति सुनिश्चित हो सके। पर्वतीय क्षेत्रों में मार्च से जून तक बोनी की जा सकती है।

- **भूमि एवं तैयारी-** अच्छी जल निकास सुविधा वाली गहरी दोमट-भुरभुरी मिट्टी जिसमें कार्बनिक खाद की पर्याप्त मात्रा हो, गाजर की खेती के लिये उपयुक्त होती है। मृदा का पीएच मान 6.5 उपयुक्त होता है। चिकनी मिट्टी में गाजर की जड़ें, कठोर, कुरूप और कई रेशेदार जड़ों वाली बनती हैं।
- **बीज एवं बुवाई / समय-** मैदानी क्षेत्रों में एशियायी किस्में अगस्त-सितम्बर माह और यूरोपयिन किस्में अक्टूबर-मध्य दिसम्बर तक बोयी जाती हैं। बीजों को 15 दिनों के अंतराल से बोया जाता है। ताकि नियमित आपूर्ति सुनिश्चित हो सके। पर्वतीय क्षेत्रों में मार्च से जून तक बोनी की जा सकती है।
- **बीज दर -** बीज ग्रेडेड और बड़े आकार के हों तथा अंकुरण 90 प्रतिशत होने पर सामान्यतया 7 से 8 कि.ग्रा. बीज प्रति हेक्टर लगता है।
- **किस्में-** पूसा केशर, पूसा मेघाली, गाजर नं.29, चयन नं. 233, पूसा यमदग्नि, चेन्टनी, नेन्टस
- **बीजोपचार-** गाजर के बीजों को थाइरम 2 ग्राम एवं कार्बेन्डाजिम 1 ग्राम के मिश्रण से प्रति किलो बीज दर से बीजोपचार करना चाहिये।
- **बुवाई विधि-** गाजर के बीज समतल क्यारियों में अथवा मेड़ों पर बोये जा सकते हैं। अच्छे अंकुरण के लिये बुवाई पूर्व खेत की सिंचाई कर देनी चाहिये। कतारे 30 से.मी. और पौधे से पौधे 10 से.मी. पर होने चाहिये। बीजों को 2.0 से.मी. से अधिक गहराई पर न बोंये। मेढ़ में बोनी अच्छी पैदावार देने में सहायक होती है।
- **खाद एवं उर्वरक-** सामान्यतया 25-30 टन कम्पोस्ट या गोबर की खाद को एक माह पूर्व खेत में फैलाकर मिला दें। आधार खाद के रूप में 47 कि.ग्रा. यूरिया 313 कि.ग्रा. सिंगलसुपर फास्फेट एवं 167 किलो म्यूरेटा पोटाश प्रति हे. दें। खड़ी फसल में बीज बुवाई के 30-40 दिन बाद यूरिया कि.ग्रा. नत्रजन की पूर्ति करें।
- **सिंचाई-** बीज बोते समय नमी उचित मात्रा में रखने के लिये बुवाई पूर्व सिंचाई की जानी चाहिये। पहली सिंचाई बीज बोने के 10-12 दिन बाद जब बीज अंकुरित हो जाये तब करें। बाद में फसल को 12-15 दिनों के अंतर से सिंचाई करें। कभी भी सिंचाई करते समय अधिक पानी न दें।
- **निंदाई-गुड़ाई-** गाजर की फसल में पहली निंदाई-गुड़ाई 20 से 25 दिन बाद करनी चाहिये। इसके खरपतवार नियंत्रण के साथ-साथ जड़ों के उचित विकास के लिये मृदा में वायु संचार बढ़ जाती है। एलाक्लोर (लासो) 4 लीटर 800 लीटर पानी में घोलकर बीज बोने के बाद किंतु अंकुरण के पूर्व छिड़काव कर नींदा नियंत्रण किया जा सकता है। दूसरी बार निंदाई-गुड़ाई बीज बोने के 40-45 दिन बाद करनी चाहिये।
- **खुदाई-** जड़ों के विपणन योग्य आकार के हो जाने के बाद तुरंत ही बाजार में भेजना चाहिये अन्यथा वह कठोर और उपयोग योग्य नहीं रह जाती है। जड़ों को उखाड़ने के पूर्व हल्की सिंचाई कर दें। एशियाई किस्मों के जड़ों का ऊपरी भाग का व्यास जब 2.5 से 5.0 से.मी. का हा जाये तब उन्हें खोद लेना चाहिये। जड़ें हाथ से खींचकर या फावड़े की मदद से खोदी जा सकती हैं।
- **पैदावार-** एशियाइ किस्मों की पैदावार यूरोपियन किस्मों की तुलना में अधिक प्राप्त होती है। औसतन 150-200 क्विं./हे. पैदावार प्राप्त हो जाती है।

सर्वोत्तम चारा ल्यूसर्न

हरा चारा खिलाने से कई लाभ होते हैं। दुधारू पशु को इससे महत्वपूर्ण पोषक द्रव्य प्रोटीन, शर्करा, खनिज, जीवन सत्व मिलते हैं। हरा चारा स्वादिष्ट होता है अतः पशु उसे चाव से खाता है तो जाहिर हैं कि उसको शुष्क पदार्थ भी मिलते हैं। चारा पाचक होता है अतः पशु का पाचन भी ठीक रहता है लेकिन 'अति सर्वत्र वर्जयेत' इस कहावत अनुसार 30 से 35 किलो प्रति पशु प्रतिदिन इससे ज्यादा हरा चारा नहीं खिलाये क्योंकि इससे उन्हें आफरा (पेट में गैस वायु इकट्ठा होना) की शिकायत हो सकती है।

हरा चारा खिलाने से कई लाभ होते हैं। दुधारू पशु को इससे महत्वपूर्ण पोषक द्रव्य प्रोटीन, शर्करा, खनिज, जीवन सत्व मिलते हैं। हरा चारा स्वादिष्ट होता है अतः पशु उसे चाव से खाता है तो जाहिर हैं कि उसको शुष्क पदार्थ भी मिलते हैं। चारा पाचक होता है अतः पशु का पाचन भी ठीक रहता है लेकिन 'अति सर्वत्र वर्जयेत' इस कहावत अनुसार 30 से 35 किलो प्रति पशु प्रतिदिन इससे ज्यादा हरा चारा नहीं खिलाये क्योंकि इससे उन्हें आफरा (पेट में गैस वायु इकट्ठा होना) की शिकायत हो सकती है। हरे फलीधारी चारे में रबी में काश्तयोग्य एक चारा हैं ल्युसर्न। इसे आंग्लभाषा में अल्फा अल्फा कहते हैं। इसका अरबी भाषा में अर्थ हैं सर्वोत्तम।

- **जलवायु -** इस चारा फसल की काश्त राजस्थान के अत्यधिक गर्म प्रदेश से लद्दाख के अति ठंडे प्रदेश में भी की जा सकती है। ठंडी जलवायु इस फसल को सुहाती है। यह जिस मिट्टी में पानी की अच्छी तरह से निकासी होती हैं। ऐसी मिट्टी में बढ़िया बढ़ती है। खेत में पानी का जमाव इसे नुकसानदेह होता है।
- **काश्त -** इस चारा फसल को बोने हेतु अक्टूबर तथा नवम्बर के अंत तक का समय ठीक रहता है। खेत में एक गहरी जुताई कर भुरभुरी मिट्टी की क्यारियां बनायें। खेत समतल बनायें ताकि पानी की निकासी ठीक से हो।
- **बीज प्रक्रिया-** ल्यूसर्न के बीजों का सतही कवच जरा कठिन होता हैं। जिससे अंकुरण ठीक से नहीं हो पाता। अतः बीज को बुआई से पहले (छह से आठ घंटे पहले) पानी में भिगोकर रखें। इसके बाद बीज को राइजोबियम मेलिलोटी नामक जीवाणु संवर्धक से उपचारित कर सकते हैं। यह खास ल्यूसर्न के लिए किया जाता है। फिर बीज छाया में सुखायें।
- **बुआई-** बीज प्रक्रिया के छह से आठ घण्टे बाद अगर शुष्क तथा अर्धशुष्क इलाका हैं जहां तलछटी वाली मिट्टी है तो खेत समतल बनाकर बीज को खेत में ऐसे ही बिखेर सकते हैं। इसके बाद उसे बखर हल्के से चलाकर मिट्टी में मिलायें।
- **इसके** अलावा ल्यूसर्न बीज को बुआई यंत्र द्वारा सीधी कतारों में 30 से 35 सेंटीमीटर दूरी पर बो

इससे उन्हें आफरा (पेट में गैस वायु इकट्ठा होना) की शिकायत हो सकती है। हरे फलीधारी चारे में रबी में काश्तयोग्य एक चारा हैं ल्युसर्न। इसे आंग्लभाषा में अल्फा अल्फा कहते हैं। इसका अरबी भाषा में अर्थ हैं सर्वोत्तम।

- **जलवायु -** इस चारा फसल की काश्त राजस्थान के अत्यधिक गर्म प्रदेश से लद्दाख के अति ठंडे प्रदेश में भी की जा सकती है। ठंडी जलवायु इस फसल को सुहाती है। यह जिस मिट्टी में पानी की अच्छी तरह से निकासी होती हैं। ऐसी मिट्टी में बढ़िया बढ़ती है। खेत में पानी का जमाव इसे नुकसानदेह होता है।
- **काश्त -** इस चारा फसल को बोने हेतु अक्टूबर तथा नवम्बर के अंत तक का समय ठीक रहता है। खेत में एक गहरी जुताई कर भुरभुरी मिट्टी की क्यारियां बनायें। खेत समतल बनायें ताकि पानी की निकासी ठीक से हो।
- **बीज प्रक्रिया-** ल्यूसर्न के बीजों का सतही कवच जरा कठिन होता हैं। जिससे अंकुरण ठीक से नहीं हो पाता। अतः बीज को बुआई से पहले (छह से आठ घंटे पहले) पानी में भिगोकर रखें। इसके बाद बीज को राइजोबियम मेलिलोटी नामक जीवाणु संवर्धक से उपचारित कर सकते हैं। यह खास ल्यूसर्न के लिए सकते हैं। अगर ज्यादा बरसात वाला इलाका है जहां खेत में पानी भर जाता हैं तो खेत में (रिजेस) बनायें जो एक- दूसरे से 50 से 60 सेंटीमीटर दूर हो। फिर बुआई यंत्र से बुआई करें।
- **खाद-** ल्यूसर्न फसल की अच्छी बढ़वार हेतु उसे फास्फोरस, पोटेशियम, कैल्शियम तथा गंधक (सल्फर) की ज्यादा जरुरत होती है। अतः बुआई के समय 18 किलो नत्रजन, 70 से 75 किलो फॉस्फेट, 40 किलो पोटेशियम और 150 ग्राम सोडियम मॉलीबडेट मिट्टी में डालकर सिंचाई करें। इससे पहले मिट्टी में 20 से 25 टन अच्छी तरह पकी गोबर खाद जिसमें ह्युमस भरपूर है। वह प्रति हेक्टर में डाले और मिट्टी में मिलायें।
- **सिंचाई -** ल्यूसर्न को नमी की जरुरत होती है। अतः जरुरत अनुसार हर हफ्ते 1 या 2 हल्की सिंचाई दें। बुआई के तुरंत बाद सिंचाई करें ताकि अंकुरण अच्छा हो। जाड़े में 15 से 20 दिन के अंतराल से सिंचाई करें।
- **कटाई-** जब फसल में फलियां आती हैं तब आखिरी में से लेकर जब फसल के दसवें भाग में फूल आते हैं तब पहली कटाई कर सकते हैं।

पालक

पालक की खेती लवणीय भूमि में भी होती है। हल्की क्षारीय मिट्टी को भी सहन कर लेती है। इसके लिए खेत की कई बार जुताई करके तथा पाटा चलाकर अच्छी तरह भुरभुरा बना लें। बुवाई पूर्व खेत में क्यारियां तथा सिंचाई की नालियां बना लें।

जलवायु- यह प्रमुख रूप से सर्दी (रबी) के मौसम की फसल है। अन्य सब्जियों की अपेक्षा पालक में पाला सहने की क्षमता अधिक होती है तथा यह प्रतिकूल परिस्थितियां अधिक सहन कर सकता है। गर्मी एवं खरीफ के मौसम में भी इसकी खेती की जा सकती है परंतु अधिक गर्मी रहने पर बीज डण्ठल शीघ्र आ जाते हैं तथा सिर्फ एक ही बार पत्तियों की कटाई हो पाती है। उन क्षेत्रों में जहां अधिक गर्मी नहीं पड़ती है वहां इसे सालभर लगा सकते हैं।

भूमि एवं खेत की तैयारी- पालक की अच्छी खेती के लिए बलुई दोमट या दोमट मिट्टी बहुत उपयुक्त है। वैसे इसकी खेती चिकनी मिट्टी में सफलतापूर्वक की जा सकती है।

उन्नत किस्में

पूसा भारती, पूसा हरित, आल ग्रीन, पूसा ज्योति, जोबनेर ग्रीन।

खाद एवं उर्वरक- बुवाई से 15 से 20 दिन पूर्व प्रति हेक्टेयर 20 गाड़ी अच्छी सड़ी हुई गोबर खाद डालकर खेत में अच्छी तरह मिला दें। बुवाई से पूर्व किलो नत्रजन, 40 किलो फास्फोरस एवं 40 किलो पोटाश प्रति हेक्टेयर की दर से मिट्टी में मिला दें। नत्रजन की इतनी ही मात्रा खड़ी फसल में बराबर भागों में बांटकर पहली एवं दूसरी कटाई के बाद या अधिक कटाई होने पर प्रत्येक दो कटाइयों के बाद दें।

बुवाई एवं बीज की मात्रा- एक हेक्टेयर खेत की बुवाई के लिए लगभग 25 से 30 किलो बीज की आवश्यकता होती है। प्रायः बीजों को खेत में छिटकवां विधि से बोते हैं। परंतु पंक्तियों में बोना अधिक लाभप्रद होता है। इस विधि में पंक्तियों से पंक्तियों की दूरी 20 सेंटीमीटर तथा पौधे से पौध की दूरी 5 से 7 सेंटीमीटर रखते हैं। बीज को 3 से 4 सेंटीमीटर की गहराई पर बोते हैं। बुवाई के समय मिट्टी में पर्याप्त नमी होनी चाहिए। अगर नमी कम हो तो बुवाई के कुछ दिन बाद हल्की सिंचाई कर दें ताकि बीजों का जमाव ठीक प्रकार से हो सके। बीज 8 से 10 दिन में अंकुरित हो जाते हैं।

रबी की फसल के लिए बुवाई सितम्बर मध्य से दिसम्बर मध्य तक की जा सकती है। पालक की बुवाई गर्मी तथा खरीफ के मौसम में भी की जा सकती है लेकिन इन दोनों मौसमों में बुवाई के बाद केवल एक कटाई ही लें तथा फिर दुबारा बुवाई करें। इस प्रकार इन मौसमों में बार-बार बुवाई कर इसकी खेती की जा सकती है।

सिंचाई एवं निराई-गुड़ाई- बुवाई के तुरंत बाद हल्की सिंचाई करें। पत्तियों की अधिक लगातार वृद्धि के लिए मिट्टी में पर्याप्त नमी हों। अतः थोड़े-थोड़े अंतराल पर हल्की सिंचाई करते रहें। पालक की फसल में काफी सिंचाई की आवश्यकता होती है अतः मौसम, मिट्टी एवं फसल की आवश्यकतानुसार 6 से 10 दिन के अंतर पर हल्की सिंचाई करते रहें। खरपतवारों के नियंत्रण के लिए 2 से 3 निराई-गुड़ाई करना जरुरी होता है।

कटाई एवं उपज- पालक बुवाई के 3 से 4 सप्ताह बाद पहली कटाई के लिए तैयार हो जाते हैं। पत्तियों को पूर्ण आकार की हो जाने के बाद जब वे पूरी तरह हरी, कोमल तथा रसीली अवस्था में हों तो जमीन की सतह से 5 से 7.5 सेंटीमीटर ऊपर से ही काट लेते हैं। इसके बाद 15 से 20 दिन के अंतर पर कटाई करते हैं। किस्म के अनुसार 6 से 8 कटाई हो जाती है। औसत उपज 100 क्विंटल प्रति हेक्टेयर होती है।

ककोड़ा

ककोड़ा एक रुचिकारक गर्म, वात, कफ और पित्तनाशक सब्जी है। इसका फल कफ, खांसी, अरुचि, वात, और हृदयशूल को दूर करता है। उन्नत किस्में- इसकी दो प्रचलित किस्में हैं- छोटा ककोड़ा व बड़ा ककोड़ा। छोटा ककोड़ा किस्म के फल आकार में गोल व छोटे होते हैं तथा दोनों सिरे नुकीले तथा लम्बे होते हैं। बड़ा ककोड़ा किस्म के फल आकार के बड़े, कम बीज वाले व गोल होते हैं। छोटा ककोड़ा की मांग बाजार में ज्यादा रहती है। बड़ा ककोड़ा किस्म में पैदावार अधिक मिलती है।

जलवायु- इसके लिए आर्द्र तथा गरम जलवायु उपयुक्त रहती है। वृद्धि एवं उपज 32 से 40 डिग्री तापमान पर अच्छी होती है।

भूमि एवं खेत की तैयारी- साधारणतया इसके पौधे ऐसी भूमि में उगाए जा सकते हैं जिसमें जल निकास की उचित व्यवस्था हो। वैसे बलुई दोमट भूमि इसके लिए सर्वोत्तम पाई गई है। सिंचाई की उचित व्यवस्था होनी चाहिए। हल चलाकर खेत अच्छी तरह तैयार कर लें।

लगाने की विधि- बीजों से लगाने पर फल भी 1-2 वर्ष बाद आते हैं। अत: ककोड़ा को वानस्पतिक विधि से ही उगाया जाना चाहिए। इस विधि से 2-3 माह बाद ही बेलें फल देने लगती हैं।

वानस्पतिक प्रसारण विधि- प्रथम विधि- दो वर्ष की बेल की जड़ें कन्द जैसी हो जाती हैं। जिन पर कई कंद पाये जाते हैं। कंद को अलग-अलग करने का समय फरवरी-मार्च व जून-जुलाई होता है। कंद केवल मादा पौधा ही लेने चाहिए।

द्वितीय विधि- इस विधि में मादा पौधों से 2-3 माह पुरानी बेल से 30-40 सेंटीमीटर लम्बी कतारें बनाकर किसी छायादार स्थान पर लगा दें। इन कलमों में 60-80 दिनों में जड़ें फूट जाती हैं तथा इस अवस्था में इन्हें खेत में लगा दें। इसके बाद उन्हें मिट्टी के साथ उठाकर खेत में प्रतिस्थापित कर दिया जाता है।

खाद-उर्वरक एवं रोपाई- प्रत्येक क्यारी में 30-40 किलो गोबर खाद खेत की तैयारी करते समय मिलायें। बाद में मार्च-अप्रैल में 20-30 ग्राम यूरिया प्रति पौधा दें। 3×2 वर्गमीटर की दूरी पर क्यारियों, दीवारों या बाड़ के पास थाला बना लें। इनमें पौधों का कंदों को लगाएं। 4-5 मादा पौधों के साथ एक नर पौधा भी लगाना आवश्यक है। फल बनते समय पुन: 20-30 ग्राम यूरिया प्रति पौधा दिया जाना चाहिए। ककोड़ा का फल नई फुटान तथा बढ़वार पर ही लगता है। अत: इनमें प्रति थांवला, प्रति वर्ष फूल आने के समय 3-4 किलो गोबर खाद तथा 20-30 ग्राम नाइट्रोजन डालकर पानी दें।

सिंचाई- ग्रीष्मकाल में साधारणतया 6-10 दिन के अंतर पर सिंचाई की जाती है। बरसात में सिंचाई की आवश्यकता नहीं होती। वर्षाकाल में अधिक जल को फसल से निकालना आवश्यक होता है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

जासूसी के आरोप में भारतीय शख्स गिरफ्तार, संवेदनशील जानकारियां भेजता था पाकिस्तान

देवभूमि द्वारका । गुजरात आतंकवाद निरोधी दस्ते (एटीएस) ने देवभूमि जिले के ओखा से पाकिस्तान के लिए जासूसी करने वाले एक भारतीय शख्स को गिरफ्तार कर लिया। पकड़ा गया शख्स प्राइवेट नौकरी की आड़ में भारतीय कोस्ट गार्ड की संवेदनशील सूचनाएं और तस्वीरें सीमा पार पाकिस्तान को भेजता था। जानकारी के मुताबिक गुजरात एटीएस ने देवभूमि द्वारका के ओखा में एक सफल ऑपरेशन को अंजाम देते हुए पाकिस्तान के लिए जासूसी कर रहे एक भारतीय को दबोच लिया। दीपेश गोहिल नामक शख्स पर आरोप है कि वह देवभूमि द्वारका के ओखा पर कोस्ट गार्ड की बेहद संवेदनशील जानकारी पाकिस्तान भेजता था। दीपेश गोहिल तटरक्षक जहाजों की आवाजाही समेत गतिविधियों की जानकारी पाकिस्तान तक पहुंचाता था। जांच में खुलासा हुआ है कि दीपेश गोहिल ने निजी कंपनी में नौकरी का झांसा देकर संवेदनशील तस्वीरें खींची और उन्हें पाकिस्तान भेज दिया। दिनेश गोहिल का सोशल मीडिया के जरिए पाकिस्तान के कुछ लोगों के साथ संपर्क हुआ था। जांच में पता चला कि तस्वीरें सोशल मीडिया और कुछ अन्य माध्यमों से पाकिस्तान भेजी गईं जो भारतीय सुरक्षा को नुकसान पहुंचा सकती थीं। पूछताछ में कोस्ट गार्ड और भारतीय समुद्री सीमा की तस्वीरें पाकिस्तान के एक शख्स को भेजे जाने का खुलासा हुआ है। इस पूरे मामले में गुजरात एटीएस ने उस कंपनी के कुछ लोगों से भी पूछताछ की है जहां दिनेश काम करता था। साथ ही दीपेश गोहिल के संपर्क में रहने वाले लोगों की भी जांच शुरू कर दी है।

अहमदाबाद पुलिस ने नकली ऑस्ट्रेलियाई डॉलर छापने के आरोप में चार लोगों को पकड़ा

अहमदाबाद । गुजरात के अहमदाबाद में नकली ऑस्ट्रेलियाई डॉलर छापने के आरोप में पुलिस ने एक ऑस्ट्रेलियाई नागरिक सहित चार लोगों को पकड़ा है। वटवा के एक गोदाम से नकली नोट मिले हैं। अहमदाबाद पुलिस के स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप (एसओजी) को अहमदाबाद के वेजलपुर में नकली करेंसी सर्कुलेशन के बारे में सूचना मिल थी। जिसके बाद इस नकली करेंसी रैकेट का भंडाफोड़ किया गया। 24 साल के मजदूर रौनक राठौड़ को सबसे पहले 50 डॉलर के 119 नकली ऑस्ट्रेलियाई नोट बदलने की कोशिश करते समय गिरफ्तार किया था। राठौड़ ने पूछताछ में बताया कि उसे नकली नोट 24 साल के खुश पटेल से मिले थे, जिसे गिरफ्तार किया गया। खुश ने पुलिस को कथित मास्टरमाइंड 36 साल के मौलिक पटेल तक पहुंचाया, जो एक ट्रांसपोर्ट कारोबारी है। एसओजी को पता चला कि मौलिक 20 साल के छात्र ध्रुव देसाई के साथ मिलकर वटवा केएक कारखाने में नकली ऑस्ट्रेलियाई डॉलर छापने का काम करता है। पुलिस ने 50 डॉलर के 32 तैयार नकली नोट और 18 आंशिक रूप से छपे हुए नोट बरामद किए हैं। जब्त की गई वस्तुओं की कुल कीमत 11,92,500 है, जिसमें 2,10,000 मूल्य के सात मोबाइल फोन और 16,500 भारतीय करेंसी शामिल है। पुलिस ने नकली करेंसी के लिए टेम्पलेट के रूप में इस्तेमाल की जाने वाली असली करेंसी भी बरामद की। पिछले महीने नवरंगपुरा इलाके में एक सर्राफा व्यापारी से 500 रुपये के नकली नोटों की स्कीम के जरिए 1.6 करोड़ रुपये की ठगी करने के आरोप में तीन लोगों को गिरफ्तार किया गया था।

कोलकाता में सड़कें रही जाम, हिंदू और मुस्लिम समुदाय के लोगों ने किया प्रदर्शन

कोलकाता। पश्चिम बंगल की राजधानी कोलकाता में सड़कें जाम रहीं। हिंदू और मुस्लिम समुदाय के लोगों ने कोलकाता की सड़कों पर विरोध प्रदर्शन किया। हिंदू संगठनों ने बांग्लादेश में चल रहे संकट के खिलाफ प्रदर्शन किया, वहीं मुस्लिम संगठनों ने वक्फ संशोधन विधेयक के विरोध में प्रदर्शन किया। बंगाल स्टेट जमीयत-उल-उलमा की ओर से विरोध में सभा आयोजित की गई। शहर के विभिन्न हिस्सों से बड़ी संख्या में मुस्लिम समुदाय के लोग विरोध में शामिल हुए। उन्होंने वक्फ संशोधन विधेयक के खिलाफ आवाज उठाई और साथ ही एक स्वतंत्र फिलिस्तीन राज्य की भी मांग की।

हिंदू संगठनों का प्रदर्शन- वहीं दूसरी ओर हिंदू संगठनों ने बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों के खिलाफ हो रहे कथित अत्याचारों पर प्रदर्शन किया। उन्होंने केंद्र से मुद्दे पर हस्तक्षेप करने और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कड़ा रुख अपनाने की मांग की। इन दोनों बड़े प्रदर्शनों के चलते कोलकाता की यातायात व्यवस्था पूरी तरह चरमरा गई। शहर के महत्वपूर्ण मार्गों पर जाम लगा रहा और लोगों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ा।

बाबा सिद्दीकी हत्याकांड के मुख्य शूटर गौतम का लॉरेंस को लेकर चौंकाने वाला खुलासा

मुंबई। एनसीपी नेता और महाराष्ट्र के पूर्व मंत्री बाबा सिद्दीकी की हत्या मामले में नया मोड़ आ गयास है। एनसीपी नेता की हत्या में शामिल आरोपी ने बड़ा दावा कर दिया है। आरोपी ने दावा किया है कि जब बाबा सिद्दीकी की हत्या की साजिश रची जा रही थी, तब गुजरात की जेल में बंद गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई से बातचीत की थी। मुख्य शूटर शिवकुमार गौतम ने क्राइम ब्रांच के अधिकारियों को इसकी जानकारी दी। मुख्य शूटर गौतम ने अधिकारियों को बताया कि हत्या की योजना बनाने के दौरान लॉरेंस बिश्नोई से बातचीत की थी। लॉरेंस बिश्नोई गुजरात की जेल में बंद है। शूटर ने बताया कि इस दौरान बिश्नोई ने शूटर को हत्या के बाद पुलिस से डरने की जरूरत नहीं की बात कही थी। लॉरेंस ने गौतम से कहा था कि अगर वह पकड़ा जाता है, तब भी वह घबराए नहीं, उस जेल से कुछ ही दिनों में बाहर निकल गया। शूटर गौतम ने बताया कि बिश्नोई ने हत्या के लिए उस 12 लाख रुपये देने का वादा किया था। इसके अलावा, जेल से बाहर आने के बाद विदेश भेजने की व्यवस्था करने का भी आश्वासन दिया था। गौतम के अनुसार बिश्नोई ने बताया कि उसके पास वकीलों की एक टीम है, जो उसकी गिरफ्तारी के बाद कुछ ही दिनों में रिहा करवा देगी।

प्रदर्शन की चेतावनी, इस बार राकेश टिकैत ने सीधे पीएम मोदी को लिखा पत्र, कर दी यह मांग

नई दिल्ली (एजेंसी)। किसान नेता राकेश टिकैत ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखकर भारत में आनुवंशिक रूप से संशोधित (जीएम) बीजों पर पूर्ण प्रतिबंध लगाने का आग्रह किया। पत्र में ऐतिहासिक उदाहरणों का संदर्भ दिया गया है जहां आनुवंशिक रूप से संशोधित फसलों, जैसे बैसिलस थुरिंजिएन्सिस (बीटी) कपास की शुरूआत ने मानव स्वास्थ्य और पर्यावरण पर उनके संभावित प्रतिकूल प्रभावों के बारे में चिंताएं बढ़ा दी हैं। टिकैत ने किसानों के सामने बढ़ती इनपुट लागत और अप्रत्याशित जलवायु परिस्थितियों, फसल की पैदावार को प्रभावित करने और किसानों की आय में कमी सहित बढ़ती चुनौतियों को भी संबोधित किया।

पत्र में, टिकैत ने बताया कि प्रतिकूल परिस्थितियों के बावजूद, किसानों को उनकी उपज का उचित मुआवजा नहीं मिल रहा है, जिससे उनकी आर्थिक दुर्दशा और खराब हो रही है। आनुवंशिक रूप से संशोधित (जीएम) फसलें वे पौधे हैं जिनके डीएनए को विशिष्ट वांछनीय लक्षण विकसित करने के लिए आनुवंशिक इंजीनियरिंग के माध्यम से संशोधित किया गया है। इस प्रक्रिया में अक्सर अन्य जीवों, जैसे बैक्टीरिया या पौधों के जीन को फसल की आनुवंशिक संरचना में शामिल करना शामिल होता है।

टिकैत ने अतीत में कुछ फसलों के खेत परीक्षण को रोकने के लिए भारतीय किसान यूनियन (बीकेयू) द्वारा उठाए गए कदमों को याद किया, और आज इसी तरह के खतरों के खिलाफ सतर्कता की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि जीएम फसलों के सक्रिय विरोध के बावजूद, देश में ऐसी फसलों का अनधिकृत प्रवेश जारी है। टिकैत के अनुसार, आयात प्रक्रिया के दौरान मौजूदा नियमों और मानकों के कमजोर प्रवर्तन के कारण ऐसा होता है, जिससे राष्ट्रीय जैव सुरक्षा के लिए गंभीर खतरा पैदा होता है।

इन मुद्दों को संबोधित करने के लिए, टिकैत ने नियामक ढांचे को मजबूत करने और विशेष रूप से संयुक्त राज्य अमेरिका, ब्राजील जैसे जीएम-उत्पादक देशों से आयात की निगरानी बढ़ाने के लिए विदेश व्यापार महानिदेशालय (डीजीएफटी) और नागरिक समाज के प्रतिनिधियों सहित प्रमुख हितधारकों को शामिल करते हुए एक बैठक बुलाने का सुझाव दिया। उन्होंने मानव स्वास्थ्य पर जीएम फसलों के हानिकारक प्रभावों, जैसे संभावित कैंसर के खतरे और त्वचा की बीमारियों, और पशुधन और परागणकों पर उनके हानिकारक प्रभावों के बारे में चेतावनी दी। टिकैत ने जीएम बीजों पर प्रतिबंध लगाने और अनधिकृत क्षेत्र परीक्षणों को रोकने के लिए कड़े कदम उठाने का आह्वान किया, अगर सरकार कार्रवाई करने में विफल रहती है तो बीकेयू द्वारा राष्ट्रव्यापी विरोध प्रदर्शन की धमकी दी गई।

पेंच : सौदेबाजी के चलते महाराष्ट्र को नहीं मिल पा रहा सीएम

मुंबई। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के घर हुई तीन घंटे की बैठक के बाद भी महाराष्ट्र का सीएम तय नहीं हो पाया है। इसके पीछे सौदेबाजी और नेताओं के अपने निजी स्वार्थ आड़े आ रहे हैं। माना जा रहा है कि कौन सा विभाग किसके पास होगा इसको लेकर भी चर्चा हुई है। गठबंधन के सहयोगियों के बीच मंत्रिमंडल में पदों के बंटवारे का खाका तैयार किया गया। महायुति सरकार के अगले सप्ताह की शुरुआत में शपथ लेने की संभावना है। बैठक के दौरान तय हुआ कि मुख्यमंत्री पद भाजपा के पास रहेगा, जबकि दो उपमुख्यमंत्री पदों पर शिवसेना और एनसीपी के नेताओं को नियुक्त किया जाएगा। भाजपा शनिवार को मुंबई में अपने विधायकों की बैठक में मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार के नाम की घोषणा करेगी। अगर देवेंद्र फडणवीस मुख्यमंत्री बनते हैं, तो वह गृह विभाग अपने पास रख सकते हैं। वहीं, वित्त विभाग एनसीपी को मिलने की संभावना है। शिवसेना को शहरी विकास और सार्वजनिक निर्माण विभाग जैसे विभाग मिल सकते हैं। कैबिनेट में 43 मंत्री होंगे, जिनमें से 22 पद भाजपा के पास होंगे। शिवसेना को 12 और एनसीपी को 9 मंत्री पद मिलने की संभावना है। कैबिनेट के अलावा, गठबंधन के दल बोर्ड और निगमों में भी हिस्सेदारी पर सहमत हो चुके हैं। एनसीपी ने अपने वरिष्ठ नेता प्रफुल्ल पटेल को नरेंद्र मोदी सरकार में शामिल करने की मांग की है, जबकि शिवसेना भी केंद्रीय कैबिनेट में एक मंत्री पद चाहती है। शिवसेना के प्रवक्ता संजय शिरसाट ने कहा कि वर्तमान कार्यवाहक मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे उपमुख्यमंत्री का पद लेने के इच्छुक नहीं हैं। चर्चा है कि वह अपने बेटे श्रीकांत शिंदे के लिए यह पद छोड़ सकते हैं और खुद केंद्र सरकार में कैबिनेट मंत्री बनने पर विचार कर सकते हैं। बैठक में महाराष्ट्र के जातिगत समीकरणों पर भी चर्चा हुई। भाजपा ने गैर-मराठा मुख्यमंत्री की संभावित प्रतिक्रिया और मराठा समुदाय के प्रतिनिधित्व को संतुलित करने के लिए रणनीति तैयार की।

संभल में जुमे की नमाज को लेकर अलर्ट जारी, पुलिस ने निकाला फ्लैग मार्च

*** लोगों से की शांति की अपील, किसी भी तरह की अफवाह पर ना दें ध्यान**

मुरादाबाद (एजेंसी)। संभल हिंसा के बाद जिले में अलर्ट जारी है। सोशल मीडिया, व्हॉट्सऐपग्रुप और फेसबुक पर पुलिस पूरी तरह से नजर रख रही है। शुक्रवार को जुमे की नमाज को लेकर विशेष रूप से अलर्ट जारी किया है। शहर को 10 जोन और 43 सेक्टर में बांटा गया है। जामा मस्जिद, जीआइसी और कांठ रोड की गुलाब मस्जिद के बाहर फोर्स तैनात की गई है। पुलिस ने शहर के उलेमाओं से संवाद करने के साथ ही फ्लैग मार्च भी निकाला और लोगों से अपील की गई कि किसी भी तरह की अफवाह पर ध्यान ना दें। अपील की कि शहर हमारा है और अमन की जिम्मेदारी भी हमारी है। इसलिए अपने क्षेत्र में किसी भी अनजान को देखें तो तुरंत पुलिस को सूचित करें।

संभल में बवाल के बाद पुलिस सभी धर्मगुरुओं से संवाद कर रही है। एसपी सिटी ने नायब शहर इमाम मुफ्ती सैयद फहद अली के अलावा शहर के अन्य उलेमाओं के पास पहुंचे। एसपी सिटी ने कहा कि जुमे की नमाज में सभी उलेमा नेकी की हिदायत दें। शहर के माहौल को खराब नहीं होने देना है। युवाओं से अपील करनी है कि किसी भी तरह की अफवाह पर ध्यान ना दें। हम सभी को शांति स्थापित करना है। शहर के माहौल को बिगड़ने नहीं देना है। इस दौरान मुफ्ती अशहद रशीदी, मुफ्ती दानिश उल कादरी, रिजवान उर्र रहमान, शुजाअत अशरफी समेत अन्य लोग उपस्थित थे।

संभल हिंसा के मामले में पुलिस ने कार्रवाई तेज कर दी है। कोतवाली संभल क्षेत्र में हिंसा के दौरान चिन्हित किए गए तीन आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। इन आरोपितों पर हिंसा भड़काने, सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान पहुंचाने और शांति भंग करने जैसे गंभीर आरोप लगे हैं। पुलिस अब गिरफ्तार आरोपियों से पूछताछ कर हिंसा के अन्य संभावित आरोपियों और उनकी साजिश का खुलासा करने का प्रयास कर रही है। साथ ही, इस कार्रवाई को हिंसा से प्रभावित क्षेत्र में शांति बहाल करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

पीएम बिरयान खाने जा सकते हैं, पर भारत खेलने पाकिस्तान नहीं जाएगा

-तेजस्वी यादव ने कहा- खेलकूद में राजनीति अच्छी बात नहीं

रांची (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम ने पाकिस्तान में खेलने से इनकार कर दिया है। इस पर बिहार विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने कहा कि खेलकूद में राजनीति अच्छी बात नहीं है। कोई भी कहीं भी खेलने जाए ये अच्छी बात है। हमारे देश में सभी देश के लोग खेलने आते हैं। हम लोग यही चाहते हैं। खेलकूद की भावना अलग है। हमको लगता है जो लोग इन सब चीजों पर राजनीति करते हैं यह बात ठीक नहीं है।

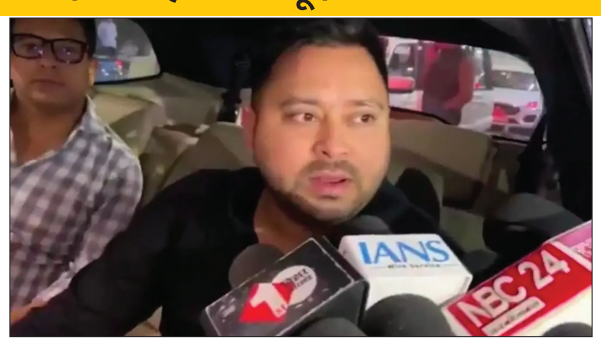

तेजस्वी ने कहा कि हम लोग तो सबके साथ खेलते ही हैं। ओलंपिक में सभी देशों के लोग शामिल होते ही हैं। वहां युद्ध थोड़े ही होता है, वहां केवल खेल होता है। खेल को खेल की नजर से देखना चाहिए। भारतीय क्रिकेट टीम के पाकिस्तान दौरा करने के सवाल पर तेजस्वी यादव ने कहा कि क्यों नहीं जाना चाहिए, बिल्कुल जाना चाहिए। क्या पहले कभी भारतीय क्रिकेट टीम पाकिस्तान नहीं गई। पहले वह लोग भी आते थे, हम लोग भी जाते थे। पीएम बिरयानी खाने पाकिस्तान जाएं तो अच्छी बात है। इंडियन टीम क्रिकेट खेलने जाए तो यह बात हजम नहीं हो रही है।

भारत सरकार ने भारतीय क्रिकेट टीम के पाकिस्तान जाकर खेलने से इनकार कर दिया है। भारत के कुछ पूर्व क्रिकेटर भी इस फैसले का स्वागत कर रहे हैं। पूर्व भारतीय क्रिकेटर आकाश चोपड़ा ने कहा कि अगले साल पाकिस्तान में होने वाली चैंपियंस ट्रॉफी भारत की भागीदारी के बिना नहीं हो सकती। उन्होंने पड़ोसी देशों के बीच सुरक्षा और राजनीतिक तनाव के कारण राष्ट्रीय क्रिकेट टीम को पाकिस्तान न भेजने के भारत सरकार के फैसले का समर्थन किया।

बता दें कि भारत की ओर से पाकिस्तान जाने से इनकार करने के बाद, आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी का भविष्य अधर में लटक गया है, शुक्रवार को आईसीसी बोर्ड की बैठक में इसके कार्यक्रम के बारे में अंतिम फैसला होना है। पाकिस्तान जाने पर भारत की आपत्ति के बीच, टूर्नामेंट संभवतः हाइब्रिड मॉडल में खेला जाएगा, जिसमें भारत अपने मैच तटस्थ स्थल पर खेलेगा।

मध्य भारत में ठंड का असर : 8 राज्यों में घने कोहरे का अलर्ट, तूफान फेंगल 30 नवंबर को तमिलनाडु से टकरा सकता है

नई दिल्ली । देश के राज्यों में ठंड का मौसम बढ़ रहा है। मौसम विभाग ने मध्य भारत के 8 राज्यों में घने कोहरे का अलर्ट जारी किया है। इनमें हिमाचल प्रदेश, पंजाब, हरियाणा, बिहार, उत्तर प्रदेश, दिल्ली, ओडिशा और पश्चिम बंगाल शामिल हैं। हिमाचल प्रदेश में लाहौल स्पीति क्षेत्र में रात का तापमान माइनस 11 डिग्री तक पहुंच गया है। ??विशेषज्ञों का कहना है ?कि ठंड और बढ़ सकती है। मध्य भारत में मध्य प्रदेश के कुछ भागों में भी सर्दी का महसूस किया जा रहा है। जबलपुर, रीवा, शहडोल और सागर संभाग में ज्यादा सर्दी पड़ रही है। यहां रात का तापमान 7 डिग्री से नीचे है। तमिलनाडु में फेंगल तूफान के असर से बारिश की संभावना है, जिससे कई इलाकों में तेज बारिश की गिरिवात चल रही है। आंध्र प्रदेश और कर्नाटक में भी बारिश का अनुमान है। इस तरह से देश के विभिन्न क्षेत्रों में मौसम की भारी बदलाव से लोग सतर्क रहें और ठंड से अपनी सुरक्षा का ख्याल रखें।

टी राजा के बयान से कांग्रेस हुई लाल, खत लिखाकर एफआईआर दर्ज करने की मांग

इंदौर (एजेंसी)। बीजेपी विधायक टी राजा ने महाकाल में दर्शन करने के बाद बयान देकर कहा था कि महाकाल मंदिर पवित्र और प्राचीन स्थल है। मंदिर से 50 किलोमीटर दूर तक किसी भी मुसलमान की होटल नहीं होना चाहिए। बीजेपी विधायक टी राजा के बयान के बाद अब मध्यप्रदेश कांग्रेस की बीजेपी सरकार पर हमलावर हो गई है। इंदौर कांग्रेस के नेता और पीसीसी के पूर्व महासचिव ने बीजेपी विधायक टी राजा के बयान पर डीजीपी से शिकायत कर कार्यवाही की मांग की है। बता दें कि बीजेपी के विधायक राजा हैदराबाद की गोशामहल सीट से विधायक हैं।

मप्र कांग्रेस कमेटी के पूर्व महासचिव राकेश सिंह यादव ने डीजीपी को पत्र लिखा है। उन्होंने लिखा कि गोशामहल विधानसभा से विधायक टी राजा ने उज्जैन में एक बयान दिया है। सार्वजनिक रूप से दिए गए बयान का उद्देश्य वर्ग विशेष के खिलाफ धार्मिक भावनाओं को भड़का कर मप्र में सांप्रदायिक तनाव बढ़ना है। भारत के संविधान एवं कानून का खुलेआम उल्लंघन किया गया हैं। विधायक अल्पसंख्यक वर्ग के धर्म और धार्मिक विश्वासों का अपमान कर, उसकी धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचा कर और हिंदुओं की धार्मिक भावनाओं को भड़का कर अराजकता फैलाना चाहते हैं। कांग्रेस की मांग है कि विधायक टी राजा पर प्रदेश में सांप्रदायिक नफ़रत फैलाने का बयान देने के चलते एफआईआर दर्ज करे।

टी राजा ने की थी सीएम से सर्वे की मांग

इसके पहले टी राजा ने कहा था कि महाकाल मंदिर पवित्र और प्राचीन स्थल है। मंदिर से 50 किलोमीटर दूर तक किसी भी मुसलमान की होटल नहीं होना चाहिए। टी राजा ने कहा था कि हिंदू यदि अपवित्र जगह में रहकर मंदिर आएंगे, तब पूजा भी स्वीकार नहीं होगी। एमपी के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव से निवेदन करता हूं कि महाकाल मंदिर के आसपास जो होटल हैं, उनका सर्वे होना चाहिए। इसमें क्या पक रहा है, क्या बेचा जा रहा है? जांच की जानी चाहिए।

श्रीलंका ने निभाया पड़ोसी धर्म, समुद्र में हो रही ड्रग स्मगलिंग का भेजा मैसेज

- अपने ही नागरिकों को भारतीय नौसेना से पकड़वाकर भेजा जेल

नई दिल्ली (एजेंसी)। दूर-दूर तक फैला नीला समुद्र तस्करी करने वाले श्रीलंका ने ये सोचा भी नहीं होगा कि कोई उन्हें कोई देख भी रहा है और वह पकड़े जाएंगे लेकिन वह पकड़े गए और ये हुआ श्रीलंका की तरफ से भेजे गए एक टिप के बाद। समुद्र में ड्रग की स्मगलिंग करने वाले अपने नागरिकों को श्रीलंका ने ही भारतीय नौसेना के जरिए पकड़वाया है।

इस पूरे ऑपरेशन की जानकारी भारतीय नौसेना ने साझा करते हुए कहा कि श्रीलंका की नौसेना की तरफ से एक मैसेज मिला कि अरब सागर श्रीलंका फ्लैग फिशिंग वेसेल के जरिए ड्रग की स्मगलिंग हो रही है। मैसेज मिलते ही नौसेना से उस बोट को पकड़ने के लिए ऑपरेशन चलाया। चूंकि मैसेज इतना ही था कि अरब सागर के इस इलाके में श्रीलंकाई फिशिंग बोट में ड्रग है और इतने बड़े समुद्र में बोट को ढूंढना चुनौती से कम नहीं था।

भारतीय नौसेना ने अपने लॉग रेंज मेरिटाइम पेट्रोल एयरक्राफ्ट पी8आई और ड्रोन को एरियल सर्विलांस के लिए लॉन्?च किया तो गुरुग्राम स्थित नौसेना के इनफार्मेशन फ्यूजन सेंटर से इनपुट मिलने के बाद समुद्र में वॉरशिप को भी मूव किया। लंबे सरवेलांस के बाद 24-25 नवंबर को दो श्रीलंकाई फिशिंग बोट को पहचान लिया गया, उसे पकड़ा गया। तलाशी के बाद उसमें से 500 किलोग्राम क्रिस्टल मेथ ड्रग बरामद की गई। दोनों बोट और उसमें पकड़े गए लोगों को श्रीलंका के हवाले कर दिया गया है।

भारतीय नौसेना अरब सागर में श्रीलंका की बोट को ढूंढ रही थी तो उसी वक्त बंगाल की खाड़ी में अंडमान निकोबार के पास कोस्ट गार्ड भी ड्रग से भरी म्यांमार की फिशिंग बोट को तलाश रही थी। 23 नवंबर के अंडमान निकोबार के पास कोस्ट गार्ड के डॉर्नियर एयरक्राफ्ट ने भारतीय ईईजेड में एक संदिग्ध बोट को देखा तो तुरंत कार्रवाई करते हुए को कोस्ट गार्ड ने बोट को रोककर तलाशी ली और अब तक की सबसे बड़ी ड्रग की खेप पकड़ में आई। इस ऑपरेशन में 5500 किलो मेटाफेटामाइन बरामद किया है। इसे पिंक ड्रग या जाबा के तौर पर भी जाना जाता है।

शिक्षा का स्तर बढ़ा, नौकरियां नहीं, भारत में हर 100 में से 3 लोग बेरोजगार

-बेरोजगारी दर सबसे ज्यादा केरल में, पंजाब, राजस्थान, तमिलनाडु भी पीछे नहीं

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत में बेरोजगारी एक अहम सामाजिक और आर्थिक मुद्दा रही है। देश में बेरोजगारी को लेकर बहस होती रहती है। सरकारी आंकड़े और अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन (आईएलओ) के मुताबिक यदि कोई व्यक्ति हफ्ते में कम से कम एक घंटा ऐसा काम करता है, जिससे आय होती है, तो उसे बेरोजगार नहीं माना जाता है। यह परिभाषा कई देशों में बेरोजगारी को मापने का आधार है। भारत में बेरोजगारी की समस्या इससे कहीं ज्यादा जटिल है। सरकारी रिपोर्ट्स के मुताबिक देश में हर 100 में से केवल तीन लोग बेरोजगार हैं। असली चुनौती यह है कि 78 फीसदी कामकाजी लोगों की मासिक आय 14 हजार रुपए से कम है। ऐसे में भले ही ये लोग बेरोजगार नहीं माने जाते हैं, उनकी कमाई इतनी कम होती है कि उन्हें अपना परिवार चलान भी मुश्किल होता है।

भारत का सबसे शिक्षित राज्य केरल, जिसकी साक्षरता दर 96.2 फीसदी है, वहां बेरोजगारी दर देश में सबसे ज्यादा 7.2 फीसदी है। यह स्थिति चौंकाने वाली है, क्योंकि ज्यादा साक्षरता को आमतौर पर रोजगार से जोड़कर देखा जाता है। इसके विपरीत, मध्य प्रदेश में बेरोजगारी दर सबसे कम एक फीसदी है। यह विरोधाभास देश में रोजगार व्यवस्था और अवसरों की असमानता को उजागर करता है।

केरल के बाद बेरोजगारी दर में पंजाब (5.5 फीसदी), राजस्थान (4.2फीसदी), और तमिलनाडु (3.5फीसदी) का स्थान है। दूसरी ओर, गुजरात, झारखंड और छत्तीसगढ़ जैसे राज्यों में बेरोजगारी दर क्रमशः 1.1फीसदी, 1.3फीसदी, और 2.5फीसदी है। पढ़ाई और बेरोजगारी के बीच एक चिंताजनक संबंध देखने को मिलता है। पीरियोडिक लेबर फोर्स सर्वे और आईएलओ की रिपोर्ट्स बताती हैं कि उच्च शिक्षा प्राप्त करने वाले युवाओं में बेरोजगारी का स्तर ज्यादा है। डिप्लोमा या उच्च शिक्षा प्राप्त लोगों में यह दर 12फीसदी से भी ज्यादा है। एक रिपोर्ट के मुताबिक 2023 में भारत के कुल बेरोजगारों में 83फीसदी युवा थे। यह आंकड़ा दिखाता है कि शिक्षित युवाओं के लिए रोजगार की कमी एक गंभीर समस्या बन गई है। आंकड़े धर्म के आधार पर बेरोजगारी की स्थिति को भी उजागर करते हैं।

सिख समुदाय में बेरोजगारी दर सबसे ज्यादा 5.8फीसदी है। ईसाई समुदाय में यह दर 4.7फीसदी है। मुस्लिमों में 3.2फीसदी और हिंदुओं में यह 3.1फीसदी है। कामकाजी आबादी के की बात करें तो, हिंदुओं में यह 45 फीसदी, मुस्लिमों में 37फीसदी, सिखों में 42फीसदी, और ईसाइयों में 45फीसदी है। रिपोर्ट बताती है कि पिछले 20 सालों में शिक्षित बेरोजगारों की हिस्सेदारी दोगुनी हो गई है। सन 2000 में बेरोजगारों में पढ़े-लिखे लोगों का हिस्सा 35.2 फीसदी था, जो 2022 में बढ़कर 65.7 फीसदी हो गया। यह तथ्य दर्शाता है कि शिक्षा के बढ़ते स्तर के बावजूद रोजगार के अवसर नहीं बढ़े। भारत में बेरोजगारी की समस्या केवल आंकड़ों तक सीमित नहीं है। यह सामाजिक और आर्थिक असमानता का एक बड़ा संकेत है। शिक्षित युवाओं के लिए रोजगार के अवसर बढ़ाने के लिए सरकार को नई नीतियां लाने और वर्तमान रोजगार व्यवस्था को बेहतर बनाने की जरुरत है। कौशल विकास, स्वरोजगार को बढ़ावा, और क्षेत्रीय असमानता को कम करना इसके समाधान की दिशा में महत्वपूर्ण कदम हो सकते हैं। भारम में आर्थिक विकास के बावजूद बेरोजगारी का उच्च स्तर और निम्न आय यह दर्शाते हैं कि विकास के लाभ सभी तक समान रूप से नहीं पहुंच रहे हैं। ऐसे में रोजगार के अवसर बढ़ाने के साथ-साथ कामकाजी लोगों की आय बढ़ाने की भी जरूरत है। यदि इस समस्या का समाधान समय रहते नहीं किया गया, तो इसका प्रभाव देश के सामाजिक और आर्थिक ढांचे पर देखने को मिलेगा।

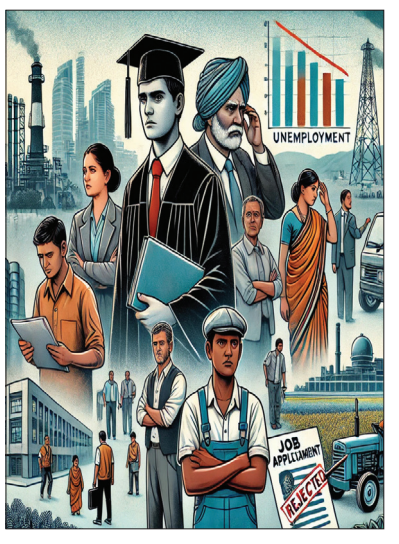

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संक्षिप्त समाचार

लंदन में ऐतिहासिक मछली, मांस बाजार बंद होंगे ; समाप्त होगी 1000 साल पुरानी परंपरा

लंदन, एजेंसी। लंदन के दो सबसे प्रसिद्ध बाजार – एक मछली बाजार, दूसरा मांस बाजार – आने वाले वर्षों में बंद होने वाले हैं, जिससे मध्ययुगीन दौर से यहां चली आ रही कारोबारी परंपराएं समाप्त हो जाएंगी। राजधानी शहर के ऐतिहासिक केन्द्र का शासी निकाय 'सिटी ऑफ लंदन कॉरपोरेशन' बुधवार को संसद में एक विधेयक पेश करने जा रहा है जिसके तहत बिलिंग्सगेट मछली बाजार और स्मिथफील्ड मांस बाजार के संचालन की उसकी जिम्मेदारियों को समाप्त किया जाएगा। ये दोनों ही बाजार 11वीं शताब्दी से किसी न किसी रूप में अस्तित्व में हैं। एक दिन पहले ही निगम ने निर्णय लिया था कि वह बाजारों को लंदन के पूर्व में डेगनहैम में नए विकास स्थल पर शिफ्ट नहीं करेगा। इसने हाल ही में महंगाई के दौर और निर्माण लागत में वृद्धि के परिणामस्वरूप बढ़ते खर्च के कारण नियोजित कदम को छोड़ दिया। वर्तमान में इसकी लागत लगभग एक अरब पाउंड (1.25 अरब डॉलर) है। इसके बजाय, बाजार के व्यापारियों के साथ एक नए समझौते के तहत, निगम वित्तीय मुआवजा और सलाह प्रदान करेगा। व्यापारियों के पास यह तय करने के लिए थोड़ा समय है कि उन्हें क्या करना है, क्योंकि परिचालन कम से कम 2028 तक जारी रहेगा।

ट्रंप कैबिनेट के मनोनीत सदस्यों और नियुक्त लोगों को धमकियां, अमेरिकी अधिकारी

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका में कैबिनेट स्तर के कई मनोनीत और शीर्ष प्रशासनिक पदों पर नियुक्त लोगों तथा उनके परिवार के सदस्यों को धमकियां मिली हैं। नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के प्रवक्ता ने बुधवार को यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि कानून प्रवर्तन एजेंसियों ने उन धमकियों के विरुद्ध कार्रवाई की है। प्रवक्ता कैरोलिन लेविट ने कहा कि कल रात और आज सुबह मनोनीत तथा नियुक्त सदस्यों को धमकियां मिली हैं। कानून प्रवर्तन और अन्य अधिकारियों ने लक्षित लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए तुरंत कार्रवाई की।

न्यूजीलैंड के प्रधानमंत्री की 'लिमोजिन' से पुलिस की कार टकराई, किसी के हताहत होने की खबर नहीं

वेलिंगटन , एजेंसी। वेलिंगटन में न्यूजीलैंड के प्रधानमंत्री क्रिस्टोफर लक्सन और वित्त मंत्री निकोला विलिस को ले जा रही एक सरकारी 'लिमोजिन' कार के पिछले हिस्से से पुलिस की एक कार टकरा गई। अधिकारियों ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। दुर्घटना बुधवार दोपहर को न्यूजीलैंड की राजधानी वेलिंगटन में हवाई अड्डे की मुख्य सड़क पर हुई, जहां संसद स्थित है। हालांकि दुर्घटना मामूली थी और इस घटना में कोई घायल नहीं हुआ। पुलिस ने टक्कर की जांच शुरू कर दी है। न्यूजीलैंड का गृह मंत्रालय आधिकारिक वाहनों का प्रबंधन करता है। गृह मंत्रालय ने कहा कि इस दुर्घटना में 'लिमोजिन' कार का पिछला हिस्सा क्षतिगस्त हो गया है। लक्सन ने बृहस्पतिवार को ऑकलैंड में संवाददाताओं से कहा कि दुर्घटना ''थोड़ा चौंकाने वाली'' थी। प्रधानमंत्री ने कहा कि वह ''ठीक'' हैं और उन्हें नहीं पता कि कार को सेवा से हटा लिया जाएगा या नहीं।

अमेरिका में जब्त किए गए अब तक के सबसे ज्यादा नकली गिटार

लॉस एंजिल्स, एजेंसी। अमेरिका में सीमा शुल्क विभाग ने 3,000 से अधिक नकली गिब्सन इलेक्ट्रिक गिटार पकड़े हैं। यह रिकॉर्ड नकली म्यूजिकल इंस्ट्रूमेंट्स की जब्ती है। इसकी जानकारी अमेरिका के सीमा शुल्क और सीमा सुरक्षा ने दी। साल 1902 में कलामजू, मिशिगन में स्थापित प्रतिष्ठित अमेरिकी गिटार ब्रांड ने अपने सभी उपकरणों का उत्पादन विशेष रूप से अमेरिकी में किया है। एक नए प्रामाणिक गिब्सन गिटार की कीमत आमतौर पर 500 यूएस डॉलर से 2,000 डॉलर के बीच होती है। जबकि, कुछ मॉडल 10,000 डॉलर में भी बिकते हैं। लॉस एंजिल्स बीच सीपोर्ट के सीमा शुल्क अधिकारियों के अनुसार, यह नकली गिटार ई-कॉमर्स बाजार के लिए थे, अगर असली होते तो उनकी अनुमानित कीमत 18 मिलियन डॉलर होती। ऐसे प्रोडक्ट अक्सर निम्न-गुणवत्ता या खराब सामग्रियों का उपयोग करके बनाए जाते हैं। यह हमारे स्वास्थ्य पर नकारात्मक प्रभाव डाल सकते हैं। साथ ही इसका घटिया क्वालिटी का सामान आग लगने के खतरे को भी पैदा कर देते हैं। समाचार एजेंसी सिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, यह जब्ती उपभोक्ताओं के लिए ऑनलाइन या संदिग्ध स्रोतों से धोखाधड़ी वाले उत्पादों को खरीदने के जोखिमों के लिए जागरुक करने वाली थी। पोर्ट के निदेशक अफ्रीका बेल ने कहा, वह लोग धोखेबाज हैं और यह सब अमेरिकी उपभोक्ता को धोखा देने के एक बड़े प्रयास का हिस्सा है। बेल ने आगे कहा कि पिछले वित्तीय वर्ष में, दक्षिणी कैलिफोर्निया बंदरगाह पर 2 बिलियन डॉलर से अधिक के नकली उत्पाद जब्त किए गए थे। पोर्ट द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार, लॉस एंजिल्स का पोर्ट संयुक्त राज्य अमेरिका का सबसे व्यस्त कंटेनर पोर्ट है।

अल्पसंख्यकों को निशाना बनाए जाने पर भड़का हिंदू-अमेरिकी समूह, बांग्लादेश के खिलाफ प्रतिबंध की मांग की

वॉशिंगटन, एजेंसी। बांग्लादेश में लगातार हिंदुओं को निशाना बनाया जा रहा। उपद्रवी कभी मंदिरों तो कभी उनके घरों को नुकसान पहुंचा रहे हैं। हाल ही में हिंदुओं के जाने-माने नेता चिन्मय कृष्ण दास को भी गिरफ्तार कर लिया गया। गिरफ्तारी के बाद से यहां लगातार तनाव जारी है। अब ढाका में अल्पसंख्यकों को निशाना बनाए जाने पर अमेरिका में भी गुस्सा भड़क गया है। यहां कई हिंदू-अमेरिकी समूहों ने मांग की है कि दक्षिण एशियाई देश के लिए अमेरिकी सहायता इस शर्त पर निर्भर होनी चाहिए कि वहां की सरकार इन आबादियों की सुरक्षा के लिए ठोस कार्रवाई करे।

पांच अगस्त को हसीना को देश छोड़कर जाना पड़ा था : बता दें कि बांग्लादेश में कई महीनों से तनाव का माहौल है। हालात ऐसे हो गए कि इस साल पांच अगस्त को शेख हसीना को पीएम पद से इस्तीफा देना पड़ा और देश छोड़कर भागना पड़ा। इसके बाद भी हिंदुओं भी इस हिंसा की चपेट में आने लगे। अक्तूबर के महीने में चटगांव में हजारों बांग्लादेशी हिंदुओं ने अपने अधिकार और सुरक्षा की मांग को लेकर सड़कों पर प्रदर्शन किया था। यहां 17 करोड़ की आबादी का केवल आठ प्रतिशत हिंदू हैं। पांच अगस्त से अबतक 50 जिलों में 200 से अधिक हमले हो चुके हैं।

हालात इस सप्ताह और बिगड़े : इस हफ्ते हालात तब और बिगड़ गए जब हिंदू आध्यात्मिक नेता चिन्मय कृष्ण दास को राजद्रोह के मामले में गिरफ्तार किया गया। बाद में एक अदालत ने उन्हें जमानत देने से इनकार कर दिया और जेल भेज दिया। इससे राजधानी ढाका और बंदरगाह शहर चटगांव सहित विभिन्न स्थानों पर समुदाय के सदस्यों ने विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया। बता दें, दास इंटरनेशनल सोसाइटी फॉर कृष्णा कॉन्शियसनेस (इस्कॉन) के सदस्य थे और उन्हें हाल ही में निष्कासित कर दिया गया था।

क्या बोले वीएचपीए: विश्व हिंदू परिषद अमेरिका (वीएचपीए) के अध्यक्ष अजय शाह ने कहा कि दास की गिरफ्तारी, चटगांव के काली मंदिर में तोड़फोड़ और पूरे बांग्लादेश में हिंदुओं पर बढ़ते हमलों की खबरें परेशान करने वाली हैं। उन्होंने पूछा, क्या यह मानवाधिकार की विरासत है, जिसके लिए बाइडन प्रशासन याद किया जाना चाहता है। अंतरराष्ट्रीय निंदा की कमी अपराधियों को देती बढ़ावा

विहिप के महासचिव अमिताभ मित्तल ने कहा, बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों के खिलाफ चल रहे अत्याचारों के बारे में वैश्विक मीडिया की चुप्पी चौंकाने वाली है। इस्कॉन के एक पुजारी की हालिया गिरफ्तारी और हिंदू मंदिरों पर हिंसक हमले धार्मिक असहिष्णुता में खतरनाक वृद्धि को दर्शात हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि ये घटनाएं भेदभाव का एक बड़ा पैटर्न है। उन्होंने आगे कहा, अंतरराष्ट्रीय निंदा की कमी केवल अपराधियों को बढ़ावा देती है और बांग्लादेश में अल्पसंख्यक समुदायों की सुरक्षा और स्वतंत्रता को खतरा पैदा करती है। नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को लिखे एक खुले पत्र में हिंदूज फॉर अमेरिका फर्स्ट (एचएफएएफ) ने बांग्लादेश में बीजिंग की महत्वाकांक्षाओं से जुड़ी परियोजनाओं के लिए अमेरिकी वित्तपोषण रोकने और अमेरिका एवं उसके सहयोगियों को सीधे तौर पर लाभ पहुंचाने वाली पहलों को प्राथमिकता देने की सिफारिश की है।

नागरिकों की सुरक्षा करने में नाकाम सरकार का नहीं करना चाहिए समर्थक- संदूजा एचएफएएफ के संस्थापक और अध्यक्ष उत्सव संदूजा ने कहा, बांग्लादेश में हिंदू, बौद्ध और ईसाई समुदायों ने व्यवस्थित हिंसा और भेदभाव का सामना किया है। हम विनम्रतापूर्वक अनुरोध करते हैं कि आपका प्रशासन बांग्लादेशी सरकार पर अमेरिकी सहायता को निर्भर करता है जो इन आबादी की रक्षा के लिए कार्रवाई कर रही है। करदाताओं को कभी भी उन सरकारों का समर्थन नहीं करना चाहिए जो अपने सबसे कमजोर नागरिकों की रक्षा करने में नाकाम रहते हैं। उन्होंने दावा किया कि कुछ बांग्लादेशी अधिकारियों के जमात-ए-इस्लामी और हिफाजत-ए-इस्लाम जैसे चरमपंथी समूहों से संबंध हैं और ये संबंध अमेरिकी सुरक्षा के लिए खतरा हैं। संदूजा ने अपने पत्र में कहा, हम सम्मानपूर्वक वीजा प्रतिबंधों और सख्त निगरानी की सिफारिश करते हैं ताकि इन विचारधाराओं को अमेरिकी धरती पर पैर जमाने से रोका जा सके।

कश्मीर छोड़ो, काम की बात करो; बेलारूस के राष्ट्रपति ने कर दी शहबाज शरीफ की फजीहत

इस्लामाबाद, एजेंसी। इस्लामाबाद में पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ की मुलाकात बेलारूस के राष्ट्रपति अलेक्जेंडर लुकाशेंको के साथ उस समय चर्चा का विषय बन गई जब कश्मीर मुद्दे पर शरीफ को साफ जवाब मिला। तीन दिवसीय दौरे पर पाकिस्तान आए लुकाशेंको ने स्पष्ट कर दिया कि वह किसी भी राजनैतिक मुद्दे पर चर्चा करने नहीं आए हैं। जब शहबाज शरीफ ने कश्मीर का मुद्दा उठाया तो लुकाशेंको ने कहा, मैं यहां केवल व्यवसाय और द्विपक्षीय सहयोग पर बात करने आया हूं। इस परिस्थिति ने न सिर्फ शरीफ की स्थिति असहज कर दी बल्कि बेलारूस के राष्ट्रपति के स्पष्ट रुख ने पाकिस्तान के कूटनीतिक प्रयासों पर भी सवाल खड़े कर दिए। बेलारूस के राष्ट्रपति का यह बयान पाकिस्तान के लिए शर्मिंदगी का कारण बन गया, खासकर तब जब शरीफ ने प्रोटोकॉल तोड़कर उनका स्वागत करने के लिए खुद एयरपोर्ट पर पहुंचकर अपनी गर्मजोशी दिखाई थी। पाकिस्तानी पत्रकार आरजू काजमी ने इसे लेकर अपने यूट्यूब चैनल पर टिप्पणी की। उन्होंने कहा कि कश्मीर का हर मंच पर मुद्दा उठाना पाकिस्तान की राजनीति और कूटनीति का हिस्सा बन गया है, लेकिन लुकाशेंको का जवाब यह दर्शाता है कि सभी देश इस मुद्दे पर पाकिस्तान का समर्थन नहीं कर सकते। इससे पहले, पाकिस्तान के गृहमंत्री मोहसिन नकवी ने भी विवादित बयान देकर पाकिस्तान को और मुश्किल में डाल दिया था। जब उनसे पूछा गया कि क्या कश्मीर के लोग इमरान खान की गिरफ्तारी के विरोध में प्रदर्शन कर रहे हैं, तो उन्होंने जवाब दिया कि कश्मीर विदेशी भूमि है। इस बयान ने पाकिस्तानी सियासत में हलचल मचा दी और विपक्षी दलों ने इसे राष्ट्रीय नीति के खिलाफ बताया। लुकाशेंको का यह दौरा पाक-बेलारूस संबंधों को मजबूती देने के लिए अहम माना जा रहा था, लेकिन कश्मीर पर उनकी स्पष्ट नीति ने शरीफ सरकार की कूटनीतिक स्थिति को कमजोर कर दिया।

जापान में माइकोप्लाज्मा निमोनिया के मामले बढ़े

टोक्यो, एजेंसी। जापान में माइकोप्लाज्मा निमोनिया के मामलों में वृद्धि देखी जा रही है। राष्ट्रीय संक्रामक रोग संस्थान के अनुसार, 17 नवंबर को समाप्त सप्ताह के दौरान देश भर के चिकित्सा संस्थानों में औसतन 2.84 मरीज मिले हैं। यह आंकड़ा पिछले सप्ताहों की तुलना में मामलों में वृद्धि दिखाता है। वर्तमान ट्रैकिंग प्रणाली शुरू होने के बाद से यह अब तक का उच्चतम आंकड़ा है। माइकोप्लाज्मा निमोनिया एक बैक्टीरियल इंफेक्शन (जीवाणु संक्रमण) है। यह इंफेक्शन ज्यादातर बच्चों में देखने को मिलता है। यह सांस के साथ निकलने वाली सूक्ष्म बूंदों से या करीबी संपर्क में आने से फैलता है। इसके लक्षणों में मरीजों को लगातार खांसी, बुखार, थकान और सिरदर्द जैसी परेशानी दिखाई देती है। इसके कई मामले बिना गंभीर जटिलताओं के ठीक हो जाते हैं। वहीं, कुछ मामले गंभीर निमोनिया में बदल सकते हैं जिसके लिए मरीज को अस्पताल में भर्ती कराने की आवश्यकता पड़ सकती है।

फुकुई प्रान्त ने प्रति चिकित्सा संस्थान ने 8.83 मामलों के साथ उच्चतम क्षेत्रीय औसत की सूचना दी। उसके बाद आओमोरी (5.0), क्योटो (4.71) और होक्काइडो (4.59) का स्थान रहा। समाचार एजेंसी शिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, टोक्यो और ओसाका जैसे प्रमुख शहरों में भी क्रमशः 4.32 और 3.17 की उच्च दर दर्ज की गई।

बांग्लादेश में हिंदू परिवार के 4 लोगों की निर्मम हत्या, गर्भवती महिला को भी नहीं छोड़ा

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश में शेख हसीना की सरकार के निरस्त होने के बाद से लगातार हिंदुओं के खिलाफ अत्याचार हो रहे हैं। ताजा हिंसा किशोरगंज जिले के भैराब शहर में हुई है, जहां एक हिंदू परिवार के चार लोग एक अपार्टमेंट में मृत पाए गए। मृतकों की पहचान 32 वर्षीय जॉनी बिस्वास, उनकी गर्भवती पत्नी और उनके दो बच्चों के रूप में हुई है। पुलिस ने बुधवार को हत्या का मामला दर्ज किया।

पुलिस प्रशासन इस हत्याकांड को आत्महत्या की तरह पेश कर रहा है। स्थानीय पुलिस ने कहा है कि जॉनी ने अपनी पत्नी और बच्चों की हत्या करने के बाद खुद को भी मौत के घाट उतार लिया। एक पुलिस अधिकारी ने कहा, हम जांच कर रहे हैं। इस खौफनाक घटना के बाद पूरे इलाके में तनाव की स्थिति बन गई है। आपको बता दें कि बांग्लादेश में हिंदू अल्पसंख्यकों के खिलाफ हिंसा में तेजी देखी जा रही है। अधिकारियों ने मामले की गहराई से जांच करने और समुदाय में बढ़ते डर को कम करने के लिए कदम उठाने का आश्वासन दिया है।

बांग्लादेश के पूर्व विदेश मंत्री हसन महमूद ने कहा है कि भारत विरोधी बयानबाजी और कट्टरपंथियों एवं आतंकवादी ताकतों को बढ़ावा देना परस्पर संबंधित रणनीतियां हैं, जिन्होंने बांग्लादेश को पूर्ण अराजकता की ओर धकेल दिया है। उन्होंने मुख्य सलाहकार मोहम्मद यूनुस के नेतृत्व वाली बांग्लेदश की अंतरिम सरकार पर लोकतंत्र को भीड़तंत्र में तब्दील करने का आरोप लगाया।

बांग्लादेश में छात्र आंदोलन के बाद बिगड़े हालात के बाद अपना देश छोड़कर आए महमूद ने हाल ही में एक अज्ञात स्थान से टेलीफोन पर एक विशेष साक्षात्कार में पीटीआई को बताया कि बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों की स्थिति को खतरनाक करार दिया। उन्होंने दावा किया कि पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना के सत्ता से हटने के बाद बांग्लादेश जमात-ए-इस्लामी सहित चरमपंथी समूह सक्रिय हो गए हैं।

महमूद ने जोर देकर कहा कि हिंदू मंदिरों और धार्मिक स्थलों पर हमलों का घटनाक्रम एक चिंताजनक स्थिति को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि यह अल्पसंख्यक विरोधी भावना को दर्शाता है जो चरमपंथी बयानबाजी से मेल खाती है, जिससे धर्मनिरपेक्ष सिद्धांत एवं धार्मिक अल्पसंख्यकों की सुरक्षा दोनों खतरे में पड़ रहे हैं। इस बीच, बांग्लादेश के चटगांव शहर में एक वकील की हत्या और एक प्रमुख हिंदू नेता की गिरफ्तारी को लेकर सुरक्षाकर्मियों पर हमला करने के आरोप में कम से कम 30 संदिग्धों को हिरासत में लिया गया है।

हांगकांग में समलैंगिक जोड़ों को विरासत और आवास का मिला अधिकार, शीर्ष अदालत ने दिया ऐतिहासिक फैसला

विक्टोरिया, एजेंसी। हांगकांग के शीर्ष अदालत ने बुधवार को एक ऐतिहासिक फैसला सुनाते हुए समलैंगिक जोड़ों को विरासत और आवासों के अधिकार को बरकरार रखते हुए फैसला सुनाया। हांगकांग शीर्ष अदालत का ये फैसला समलैंगिक अधिकारों के लिए एक महत्वपूर्ण कदम के तौर पर है। भलेही हांगकांग समलैंगिक विवाह को कानूनी तौर पर मान्यता नहीं देता लेकिन अदालत के इस फैसले ने विदेशों में शादी करने वाले दो जोड़ों के पुराने मामले का खत्म किया।

न्यायाधीशों ने सरकार की नीति को बताया भेदभावपूर्ण : इस मामले में सुनवाई करते हुए मुख्य न्यायाधीश एंड्रयू चेउंग ने कहा कि हांगकांग की आवास नीतियों में समलैंगिक विवाहित जोड़ों को बाहर रखना उचित नहीं है और कल्याण लाभों को बिना भेदभाव के वितरित किया जाना चाहिए। इसके साथ ही न्यायाधीश जोसेफ फॉक और रॉबर्टो रिबेरो ने भी सरकार की नीति को भेदभावपूर्ण बताते हुए उसे सही ठहराने में असफल पाया।

यहां ये हुई शुरू हुई हक की लड़ाई : अब कुछ समय पीछे चले तो एक मामला था निक इनफिंगर का, जिन्होंने कनाडा में शादी की थी और हांगकांग में सरकारी आवास के लिए आवेदन किया था, लेकिन उनका आवेदन खारिज कर दिया गया था। जानकारी के अनुसार उन्होंने 2018 में हांगकांग की हाउसिंग अथॉरिटी के खिलाफ मुकदमा दायर किया और जीत हासिल की, लेकिन सरकार ने उस फैसले के खिलाफ अपील की। इसी तरह एक और मामला था एडगर एनजी का, जिन्होंने हांगकांग सरकार की नीति को जानते हुए कि उनके शादीशुदा पति को सरकारी आवास का हक नहीं है उन्होंने चुनौती दी। हलांकि 2020 में एनजी की मृत्यु हो गई और निचली अदालत ने उनके पक्ष में फैसला सुनाया।

निक इनफिंगर ने जताई खुशी : न्यायाधीश जोसेफ फॉक और रॉबर्टो रिबेरो ने कहा कि सरकार उत्तराधिकार कानूनों में भेदभाव को सही ठहराने में नाकाम रही है और इसे गैरकानूनी और असंवैधानिक करार दिया। निक इनफिंगर ने हांगकांग की शीर्ष अदालत के फैसले पर अपनी खुशी व्यक्त करते हुए कहा कि आज का निर्णय समलैंगिक जोड़ों के एक-दूसरे से प्यार करने और साथ रहने के अधिकार को मंजूरी देता है, जो बहुत महत्वपूर्ण है।

बांग्लादेश की पूर्व पीएम खालिदा जिया भ्रष्टाचार मामले में बरी

यूएस वीजा अप्लाई करने अमेरिकन एंबेसी पहुंचीं, सीरियस हेल्थ प्रॉब्लम से जूझ रहीं

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश हाई कोर्ट ने बुधवार को पूर्व प्रधानमंत्री और बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) की अध्यक्ष खालिदा जिया को भ्रष्टाचार के एक मामले में बरी कर दिया। इसके बाद खालिदा जिया यूएस वीजा एप्लिकेशन प्रोसेस पूरा करने ढाका में अमेरिकन एंबेसी पहुंची। जिया लंबे वक्त से लीवर, हार्ट और आंखों की गंभीर परेशानी से जूझ रही हैं। 79 साल की जिया को अनाथालय ट्रस्ट भ्रष्टाचार मामले में स्पेशल कोर्ट ने पांच साल सुनाई थी, जिसके बाद उन्हें साल 2018 में ढाका सेंट्रल जेल भेज दिया गया। 30 अक्टूबर 2018 को हाई कोर्ट ने उनकी सजा को बढ़ाकर 10 साल कर दिया था। बाद में उन्हें जिया चैरिटेबल ट्रस्ट भ्रष्टाचार मामले में दोषी ठहराते हुए सात साल की भी सजा सुनाई गई थी। अगले महीने ब्रिटेन से अमेरिका जा सकती हैं बीडीन्यूज24 की रिपोर्ट के मुताबिक, कोर्ट ने जिया की अपील के आधार पर इस फैसले को पलट दिया। मामले में दो अन्य आरोपियों को भी बरी कर दिया। जिया अगले महीने की शुरुआत में ब्रिटेन जा सकती हैं, जहां से वो अमेरिका या जर्मनी में हाई मेडिकल ट्रीटमेंट की मांग कर सकती हैं। 17 साल बाद जिया के बैंक अकाउंट अनफ्रीज कोरोना की वजह से जिया को जेल से अस्थाई तौर पर रिहा किया गया था। साल 2020 को उनकी सजा को इस शर्त पर निलंबित कर दिया गया था कि वो अपने घर में ही रहेंगी और देश नहीं छोड़ेंगी। कुछ महीने पहले ही खालिदा जिया के बैंक अकाउंट अनफ्रीज किया गया है। उनके बैंक खातों पर 17 साल से रोक लगी हुई थी। एनबीआर के सेंट्रल इंटेलिजेंस सेल ने अगस्त 2007 में खालिदा जिया के खातों को फ्रीज करने का आदेश दिया था। चिन्मय प्रभु की रिहाई को लेकर विरोध प्रदर्शन जारी वहीं दूसरी तरफ, बांग्लादेश में इस्कॉन धर्मगुरु चिन्मय कृष्ण दास प्रभु की गिरफ्तारी को लेकर जगह-जगह विरोध प्रदर्शन जारी हैं। प्रदर्शनकाारियों ने ढाका, चटगांव और दिनाजपुर सड़क पर जाम लगाया और नारेबाजी कर प्रभु की जल्द रिहाई की मांग की। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, चिन्मय दास प्रभु पर देशद्रोह और सांप्रदायिक सौहार्द बिगाड़ने का केस है।

इजराइल ने नेतन्याहू, गैलेंट के खिलाफ आईसीजे के वारंट की वैधता से इनकार किया

यरूशलम, एजेंसी। इजराइल ने पीएम नेतन्याहू और पूर्व रक्षा मंत्री योआव गैलेंट के खिलाफ अंतरराष्ट्रीय आपराधिक न्यायालय (आईसीसी) के द्वारा जारी गिरफ्तारी वारंट की वैधता से इनकार किया. इजराइल के प्रधानमंत्री कार्यालय की ओर से जारी एक पोस्ट में कहा, इजराइल हेग स्थित अंतरराष्ट्रीय आपराधिक न्यायालय (आईसीसी) के प्राधिकार तथा प्रधानमंत्री और पूर्व रक्षा मंत्री के विरुद्ध जारी किए गए गिरफ्तारी वारंट की वैधता से इनकार करता है. आगे कहा गया. प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने जेरूसलम में प्रधानमंत्री कार्यालय में अमेरिकी सीनेटर लिंडसे ग्राहम से मुलाकात की. सीनेटर ने उन्हें आईसीसी और इसके साथ सहयोग करने वाले देशों के खिलाफ अमेरिकी कांग्रेस में उनके द्वारा किए जा रहे प्रयासों के बारे में जानकारी दी. हाल ही में हेग स्थित अंतरराष्ट्रीय आपराधिक न्यायालय ने इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू और पूर्व रक्षा मंत्री योआव गैलेंट के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी किया. इसमें उन पर मानवता के विरुद्ध अपराध और युद्ध अपराध का आरोप लगाया गया है. इन आरोपों में नागरिकों को निशाना बनाने और गाजा में भुखमरी की नीतियों को लागू करने के आरोप शामिल हैं. इजराइली प्रधानमंत्री द्वारा एक्स पर कई पोस्ट किए गए जिसमें यह भी उल्लेख किया गया कि कांग्रेस में प्रयासों के समानांतर इजरायल ने आईसीसी से गिरफ्तारी वारंट के कार्यान्वयन में देरी की मांग की. साथ ही न्यायालय में अपील करने का इरादा भी जताया. इजराइली प्रधानमंत्री के आधिकारिक अकाउंट में यह भी कहा गया, इजरायल की अपील की सूचना से विस्तार से पता चलता है कि गिरफ्तारी वारंट जारी करने का निर्णय किस हद तक निराधार था और इसका कोई तथ्यात्मक या कानूनी आधार नहीं था. इसमें कहा गया है कि यदि आईसीसी अपील को खारिज कर दे, तो इससे अमेरिका और दुनिया भर में इजराइल के मित्रों को यह पता चल जाएगा कि आईसीसी इजरायल के प्रति कितना पक्षपाती है. इससे पहले व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव करिन जीन-पियरे ने एक प्रेस ब्रीफिंग में आईसीसी के निर्णय पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा, हम वरिष्ठ इजरायली अधिकारियों के लिए गिरफ्तारी वारंट जारी करने के अदालत के फैसले को मौलिक रूप से अस्वीकार करते हैं. उन्होंने वारंट प्राप्त करने में अभियोजक की जल्दबाजी की आलोचना की तथा प्रक्रियागत त्रुटियों की ओर ध्यान दिलाया, जिसके कारण यह परिणाम सामने आया. जीन-पियरे ने फिर से पुष्टि की थी, हम मूलतः इस बात को अस्वीकार करते हैं कि आईसीसी को इस स्थिति पर अधिकार है और इसलिए यह ऐसी बात है जिसके बारे में हम बहुत स्पष्ट हैं तथा आगे भी रहेंगे. यह बयान ऐसे समय में आया है जब आईसीसी द्वारा इजरायल के नेताओं पर लगाए गए आरोपों के बीच अमेरिका इजरायल के प्रति अपना समर्थन जारी रखे हुए है।

स्वामी,मुद्रक व् प्रकाशकः सुरेश मौर्या द्वारा अष्ठ विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास ,भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक : सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

पैसे के लालच में पिता का गला दबाकर हत्या की, फ्लाइट से कोलकाता भागा, पुलिस ने CCTV से पकड़ा

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

एक हैरान करने वाला मामला सामने आया है, जहां गोद लिया बेटा अपने पिता की हत्या का आरोपी बन गया। पैसे के लालच में उसने अपने पिता का गला दबाकर हत्या कर दी। इसके बाद आरोपी फ्लाइट से कोलकाता भागने की कोशिश कर रहा था।

लेकिन पुलिस ने CCTV फुटेज के आधार पर उसकी पहचान की और उसे कोलकाता में पकड़ लिया। मामले की जांच जारी है, और आरोपी से पूछताछ की जा रही है। इस घटना से पूरे इलाके में हड़कंप मच गया है, क्योंकि एक बेटा अपने ही पिता की हत्या कर भागने की कोशिश कर रहा था।

सूरत के उधना क्षेत्र में चौंकाने वाली घटना- गोद लिया बेटे ने पिता की हत्या की और पैसे चुराकर भाग गया

सूरत के उधना क्षेत्र के पटेल नगर में एक चौंकाने वाली घटना सामने आई है, जिसमें गोद लिया बेटा ने अपने पिता की हत्या कर दी। इस हत्या के पीछे पैसे का लालच था, और आरोपी ने अपने वृद्ध पिता का गला दबाकर हत्या की और घर से 90 हजार रुपये चुराए। इसके बाद आरोपी ने चुराए गए पैसों से फ्लाइट के जरिए कोलकाता जाने की योजना बनाई। वह कोलकाता पहुंच भी गया, लेकिन पुलिस ने CCTV फुटेज के आधार पर उसे गिरफ्तार कर लिया।

मृतक परमेश्वरदास ने वर्षों पहले अपने साले के बेटे सागरदास को गोद लिया था। सागरदास अपने दत्तक पिता के साथ रहता था और उसे बेटे की तरह ही पाल-पोसकर बड़ा किया गया। लेकिन दस साल पहले, सागरदास ने परमेश्वरदास के घर से 25,000 रुपये चुराए थे, जिसके बाद परमेश्वरदास ने उसे घर से निकाल दिया था।

इस घटना के बाद सागरदास ने परिजनों का विश्वास तोड़ा और अपनी लालच में अपने दत्तक पिता की हत्या कर दी। पुलिस मामले की जांच कर रही है और आरोपी से पूछताछ की जा रही है।

घटना के दिन क्या हुआ?

तीन दिन पहले, सागरदास सूरत वापस आया और अपने दत्तक पिता परमेश्वरदास के घर पहुंचा। दोनों ने साथ में खाना खाया और दोपहर तक एक साथ रहे, लेकिन सागरदास के मन में कुछ और ही योजना चल रही थी।

दोपहर के बाद, सागरदास ने परमेश्वरदास के घर में रखे बॉक्स से 90 हजार रुपये चुराने की कोशिश की जब परमेश्वरदास को इस बारे में पता चला, तो दोनों के बीच गहरा विवाद हुआ। इसी विवाद के बीच, सागरदास ने **घर में रखे दुपट्टे से अपने दत्तक पिता का गला दबाकर उनकी हत्या कर दी।

हत्या के बाद, सागरदास ने चुराए गए 90 हजार रुपये के साथ फ्लाइट से कोलकाता भागने का प्लान किया। वह अपनी आपराधिक हरकतों को छिपाने के लिए नए तरीकों से योजना बना रहा था, लेकिन पुलिस ने CCTV फुटेज के आधार पर उसे गिरफ्तार कर लिया।

पुलिस ने कैसे सुलझाया केस? परमेश्वरदास की संदिग्ध मौत के बाद पुलिस को शक हुआ। पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट में यह साबित हुआ कि गला दबाकर हत्या की गई थी। इसके बाद पुलिस टीम ने तुरंत CCTV फुटेज चेक करना शुरू किया। CCTV में सागरदास घटना स्थल पर दिखाई दिया, और तभी से उसे मुख्य आरोपी के रूप में पहचाना गया।

डीसीपी भगीरथ गढ़वी के मार्गदर्शन में टीम ने जांच की और पाया कि सागरदास कोलकाता में था। टीम ने सूचना के आधार पर कोलकाता में जांच की और सागरदास को गिरफ्तार किया।

डीसीपी गढ़वी ने बताया, च्सागरदास को परमेश्वरदास ने गोद लिया था, लेकिन सागरदास की गलत आदतो और लालच के कारण यह घटना घटी। उसने चोरी की और फिर फ्लाइट से कोलकाता भाग गया। CCTV में उसे देखकर हमने मृतक की पत्नी से उसकी तस्वीर दिखाई, जिसे उसने पहचान लिया। इसके बाद, हम उसे कोलकाता से गिरफ्तार करने में सफल हुए। लालच में आकर उसने रुपये चुराए और फिर हत्या कर फरार हो गया।''

पिता ने कुकर से 10 वार कर बेटी की हत्या की मोबाइल पर बातें करने को लेकर पिता नाराज था

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत शहर में पिछले रविवार से शुरू हुआ हत्या का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है। सूरत के भरीमाता रोड पर एक परिवार में रहने वाले पिता ने अपनी ही बेटी को कुकर से वार कर हत्या कर दी, जिससे हड़कंप मच गया। जानकारी के मुताबिक, बेटी घर के काम करने की बजाय मोबाइल पर व्यस्त रहती थी, जिससे नाराज पिता ने हत्या को अंजाम दिया। पुलिस ने आरोपी पिता को गिरफ्तार कर लिया है और मामले की आगे की जांच शुरू कर दी है।

मोबाइल बना मौत का कारण

पिछले कुछ समय से हम देख रहे हैं कि मोबाइल के कारण रिश्ते बिगड़ रहे हैं और हादसे हो रहे हैं। अब मोबाइल के कारण हत्या का एक मामला सामने आया है। सूरत के भरीमाता रोड पर रहने वाले और रिक्शा चलाने वाले मुकेश परमार अपनी पत्नी और तीन बच्चों के साथ रहते हैं। मुकेश परमार किराए पर रिक्शा चलाते हैं और हाल ही में कुछ समय से बीमार होने के कारण घर पर आराम कर रहे थे। घर में उनकी 18 वर्षीय बेटी हेताली और छोटा बेटा मौजूद थे, जबकि उनकी पत्नी और एक बेटी नौकरी पर गए हुए थे।

हेताली की मां ने काम पर जाते समय उसे घर का काम करने को कहा था, और इस बारे में मुकेश ने भी बेटी से बात की थी। लेकिन हेताली मोबाइल में व्यस्त रहती थी, जिससे नाराज होकर मुकेश परमार ने किचन में पड़ा कूकर उठाया और अपनी बेटी के सिर में ताबड़तोड़ 10 वार किए, जिसके बाद हेताली वहीं खून से लथपथ गिर पड़ी।

इलाज के लिए भेजी गई हेताली की मौत

हमले के दौरान हुई जोरदार आवाज सुनते ही आस-पास के लोग दौड़कर मौके पर पहुंचे थे। लहूलुहान हालत में हेताली को तुरंत एंबुलेंस के जरिए स्मीमेर अस्पताल में भेजा गया, लेकिन इलाज के दौरान रात में उसकी मौत हो गई। चौक बाजार पुलिस को घटना की जानकारी मिलते ही अपराध दर्ज कर लिया गया और आरोपी पिता मुकेश परमार को गिरफ्तार कर आगे की जांच शुरू कर दी गई है।

क्या कह रही है पुलिस?

इस मामले में चौक बाजार पुलिस स्टेशन के इंस्पेक्टर वी. वी. वागडिया ने बताया कि आरोपी पिता को गिरफ्तार कर लिया गया है। घर के काम को लेकर पिता और बेटी के बीच पिछले तीन महीनों से विवाद चल रहा था। बेटी सो रही थी, इस दौरान पिता ने कुकर से वार कर उसकी हत्या कर दी। आरोपी पिता ने यह बताया कि जब भी उसे बेटी से घर का काम करने के लिए कहा जाता था, तो वह काम नहीं करती थी और मोबाइल पर बातें करती रहती थी।

गुजरात में GAS कैडर के 37 अधिकारियों का सामूहिक तबादला

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सामान्य प्रशासन विभाग ने आदेश जारी किए हैं। प्रशासन विभाग ने एक नोटिफिकेशन जारी कर इसकी जानकारी दी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, गुजरात प्रशासनिक सेवा के 37 अधिकारियों का सामूहिक तबादला किया गया है।

नोटिफिकेशन के अनुसार, एस.एन. मलेक को जोइंट कमिश्नर, टेक्निकल एजुकेशन कमिशनर ऑफिस, गांधी नगर में तबादला किया गया है, जबकि डी.पी. महेश्वरी को उनके पद के अतिरिक्त चार्ज से मुक्त कर दिया गया है।

आबादी के अनुरूप आपूर्ति ज़ोन कार्यालय न होने पर नए ज़ोन की मांग पर कलेक्टर का सकारात्मक रुख

सचिन क्षेत्र में सुविधाओं की आवश्यकता

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत के सचिन क्षेत्र में बढ़ती आबादी के बावजूद आपूर्ति ज़ोन कार्यालय की अनुपलब्धता से लोगों को कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। स्थानीय निवासियों और सामाजिक संगठनों ने प्रशासन से नया आपूर्ति ज़ोन स्थापित करने की मांग की है।

इस मांग को लेकर हाल ही में एक प्रतिनिधिमंडल ने कलेक्टर से मुलाकात की। कलेक्टर ने इस पर सकारात्मक रुख दिखाते हुए आश्वासन दिया कि क्षेत्र की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए उचित कदम उठाए जाएंगे।

नया ज़ोन स्थापित होने से क्षेत्र के लोगों को राशन और अन्य आपूर्ति संबंधी सेवाओं में आसानी होगी, जो अब तक दूरस्थ कार्यालयों पर निर्भर रहने के कारण जटिल हो रही थीं।

कलेक्टर के समक्ष 15 मुद्दे प्रस्तुत किए गए सूरत शहर की जनसंख्या दिन-ब-दिन बढ़ रही है, जिससे नागरिकों को अपने कार्य आसानी से निपटाने में परेशानी हो रही है। विशेष रूप से आपूर्ति ज़ोन कार्यालयों की कमी के कारण लोगों को भारी समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है।

कांग्रेस ने कलेक्टर से मुलाकात कर 15 प्रमुख मुद्दों पर चर्चा की।

गैस लीक से आग की घटना पांडेसरा इलाके के एक मकान और कतरगाम इलाके

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

शहर के पांडेसरा इलाके के एक मकान और कतरगाम इलाके के एक फ्लैट में आग लग गई, लेकिन शुक्र है कि किसी प्रकार का जान-माल का नुकसान नहीं हुआ।

सूरत में आग लगने की घटनाओं का सिलसिला लगातार जारी है। आज सुबह पांडेसरा क्षेत्र में खाना बनाते समय गैस लीक होने से घर में आग लग गई। इस घटना के समय कमरे में दो लोग मौजूद थे, लेकिन वे सुरक्षित रहे। आग की घटना के बाद स्थानीय लोगों में अफरा-तफरी मच गई। घटना की जानकारी मिलते ही फायर ब्रिगेड की टीम घटनास्थल पर पहुंची और आग पर काबू पाने की प्रक्रिया शुरू की।

घर में मौजूद लोग सुरक्षित

फायर विभाग के सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार, पांडेसरा कम्युनिटी हॉल के पास हरिओमनगर सोसायटी में आज सुबह लगभग 8 बजे एक कमरे में आग लग गई। कमरे में दो लोग मौजूद थे और वे खाना बना रहे थे, तभी एक गैस सिलेंडर में गैस खत्म हो गई और सिलेंडर बदलते समय गैस लीक होने लगी, जिससे आग लग गई। हालांकि, कमरे में मौजूद दोनों लोग सुरक्षित थे, लेकिन आग के कारण घर में काफी नुकसान हुआ।

फ्लैट में आग लगने की घटना

एक अन्य घटना में, कतरगाम माघनगर क्षेत्र में स्थित एक अपार्टमेंट की दूसरी मंजिल के फ्लैट नंबर-202 की बालकनी में गैस लीक होने के कारण आग लग गई। फायर विभाग की टीम ने घटनास्थल पर पहुंच कर कुछ ही मिनटों में आग पर काबू पा लिया। फ्लैट के अंदर आग लगने से आसपास के निवासियों में डर का माहौल बन गया। गैस लीक की यह घटना शहर में एक साथ दो स्थानों पर हुई। हालांकि, सौभाग्यवश इस घटना में किसी प्रकार का जान-माल का नुकसान नहीं हुआ।

वलसाड के भागडावाड़ा इलाके में स्थित साइंस कॉलेज के पीछे एक कंकाल मिला

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

वलसाड के भागडावाड़ा इलाके में स्थित साइंस कॉलेज के पीछे सहजानंद सोसाइटी में शनिवार शाम को बच्चे क्रिकेट खेल रहे थे। खेल के दौरान गेंद पास के खाली प्लॉट में चली गई। जब बच्चे गेंद लेने गए, तो वहां एक कंकाल मिला। बच्चों ने तुरंत इसकी सूचना स्थानीय लोगों और समाज के अग्रणियों को दी।

घटना की जानकारी वलसाड सिटी पुलिस को दी गई। पुलिस की टीम तुरंत मौके पर पहुंची और कंकाल को कब्जे में लिया। वलसाड स्वरू टीम ने कंकाल का पोस्टमार्टम किया। प्राथमिक रिपोर्ट में पाया गया कि कंकाल एक महिला का है। घटना की जानकारी वलसाड एसपी डॉ. करणराज वाघेला को मिलने पर आज सहजानंद सोसाइटी के आसपास के क्षेत्रों में खुले मैदानों में सर्च ऑपरेशन चलाया गया।

गुजरात का गौरव

देश के सबसे अच्छे पुलिस स्टेशनों में सूरत का इच्छापोर पुलिस थाना पहले स्थान पर

अमित शाह के हाथों PI अनिरुद्धसिंह गोहिल को पुरस्कार प्रदान

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत का इच्छापोर पुलिस थाना देश के सबसे अच्छे पुलिस स्टेशनों में पहले स्थान पर आया है। यह सम्मान गृह मंत्री अमित शाह के हाथों PI अनिरुद्धसिंह गोहिल को दिया गया। यह उपलब्धि गुजरात के लिए गर्व का विषय है, क्योंकि इच्छापोर पुलिस थाने ने अपनी उत्कृष्टता और समर्पण के साथ इस सम्मान को हासिल किया है।

यह पुरस्कार पुलिस विभाग की कड़ी मेहनत, ईमानदारी और जनता की सेवा में योगदान को मान्यता देता है, और यह सूरत के पुलिस कर्मियों के लिए एक बड़ी प्रेरणा है।

गुजरात के लिए गर्व की घड़ी: सूरत के इच्छापोर पुलिस थाने को ''देश का सबसे अच्छा पुलिस स्टेशन'' का खिताब मिला

यह गर्व की बात है कि सूरत शहर के इच्छापोर पुलिस थाने को ''देश के सबसे अच्छे पुलिस स्टेशन'' का खिताब मिला। यह सम्मान ओडिशा में आयोजित तीन दिवसीय DGP कॉन्फ्रेंस में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के हाथों इच्छापोर पुलिस थाने के इंस्पेक्टर अनिरुद्धसिंह गोहिलको प्रदान किया गया।

होटल की आड़ में चल रहा था वेश्यावृत्ति का धंधा

'दि फ्यूजन' नामक होटल पर एंटी ह्यूमन ट्रैफिकिंग यूनिट की छापेमारी

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत में 'दि फ्यूजन' नामक होटल की आड़ में चल रहे अवैध देह व्यापार का पर्दाफाश हुआ है। एंटी ह्यूमन ट्रैफिकिंग यूनिट (AHTU) ने गुप्त सूचना के आधार पर होटल पर छापेमारी की।

कार्रवाई के दौरान कई संदिग्ध लोगों को गिरफ्तार किया गया और कुछ महिलाओं को बचाया गया, जिन्हें जबरन इस धंधे में धकेला गया था। प्रारंभिक जांच में पता चला है कि होटल का प्रबंधन इस अवैध गतिविधि में शामिल था और ग्राहकों को अवैध सेवाएं प्रदान कर रहा था।

पुलिस ने होटल से महत्वपूर्ण दस्तावेज और इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस जब्त किए हैं। आरोपियों से पूछताछ जारी है, और पुलिस ने आश्वासन दिया है कि इस मामले में शामिल सभी दोषियों पर सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

सूरत में होटल की आड़ में चल रहा वेश्यावृत्ति का धंधा पकड़ा गया

सूरत शहर के अडाजण पुलिस स्टेशन क्षेत्र में, एल.पी. सवाणी सर्कल के पास हरिओम पेट्रोल पंप के सामने स्थित मंगलदीप कॉम्प्लेक्स की चौथी मंजिल पर स्थित चंदि फ्यूजनज नामक होटल पर एंटी ह्यूमन ट्रैफिकिंग यूनिट ने छापा मारा।

इस कार्रवाई में होटल के भीतर अवैध देह व्यापार का संचालन हो रहा था। छापेमारी के दौरान होटल से 6 विदेशी महिलाएं बरामद की गईं। इसके अलावा, पुलिस ने होटल मालिक, ग्राहकों समेत कुल 12 लोगों को गिरफ्तार किया है।

पुलिस ने होटल से कई दस्तावेज, मोबाइल फोन और अन्य सबूत जब्त किए हैं। प्रारंभिक जांच में पता चला है कि यह नेटवर्क संगठित रूप से चलाया जा रहा था। गिरफ्तार आरोपियों से पूछताछ जारी है, और पुलिस ने मामले में शामिल सभी लोगों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई का आश्वासन दिया है।

अवैध वेश्यावृत्ति का खुलासा

अडाजण के एल.पी. सवाणी सर्कल के पास हरिओम पेट्रोल पंप के सामने स्थित मंगलदीप कॉम्प्लेक्स की चौथी मंजिल पर मौजूद चंदि फ्यूजनज नामक होटल में अवैध वेश्यावृत्तिका धंधा संचालित किया जा रहा था।

होटल के मालिक कमलेश वाघजीभाई दावा ने हनी और अभय नामक व्यक्तियों के माध्यम से 6 विदेशी महिलाओं को होटल में रखा था। ये महिलाएं होटल में आने वाले ग्राहकों को शारीरिक सुख की सेवाएं प्रदान कर रही थीं।

गुप्त सूचना के आधार पर एंटी ह्यूमन ट्रैफिकिंग यूनिट ने होटल पर छापा मारा और मालिक समेत कई लोगों को गिरफ्तार किया। इस दौरान महिलाओं को भी बचाया गया है।

पुलिस ने होटल से कई दस्तावेज और सबूत जब्त किए हैं। मामले की विस्तृत जांच जारी है, और पुलिस ने दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई का आश्वासन दिया है।

यूनिक कुकिंग वर्कशॉप का हुआ आयोजन

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत, अग्रवाल विकास ट्रस्ट महिला शाखा द्वारा गुरुवार को यूनिक कुकिंग वर्कशॉप का आयोजन सिटी-लाइट स्थित महाराजा अग्रसेन पैलेस के वृंदावन हॉल किया गया।

महिला शाखा अध्यक्षा सोनिया गोयल ने बताया कि दोपहर दो बजे से आयोजित वर्कशॉप में सूरत की प्रसिद्ध शैफ स्नेहा ठक्कर द्वारा कुछ यूनिक व्यंजन जैसे सूप में इटालियन गार्लिक सूप, स्टाटर में चीजी स्पीनेच एवं कॉटेज सिगार रोल चीज, मैन कोर्स में थाई करी विद ब्लू पाई राइस एवं इटालियन बेक्ड डिश, डेजर्ट में इटलियन पाना कोटा बनाना सिखाया गया। वर्कशॉप में लगभग 200 महिलाओं ने हिस्सा लिया। इस अवसर पर महिला शाखा की सरोज अग्रवाल, रुचिका रुंगटा, सीमा कोकड़ा, प्रीति गोयल, शकुन अग्रवाल, अरुणा अग्रवाल सहित अनेकों सदस्या उपस्थित रहीं।